हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

आरा, औरंगाबाद एवं दुमका से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

• रजि नं. - BIHHIN/2017/72765 • आरा • रविवार • 26 अप्रैल 2026 • वर्ष 10 • अंक 349 • पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 2.00

संक्षिप्त समाचार

सात सांसद तो झांकी हैं असल 'खेला' बाकी है

- पंजाब के लिए बीजेपी ने फरवरी में ही बिछा दी थी बिसात

नई दिल्ली (एजेंसी)। राघव चड्ढा समेत आम आदमी पार्टी के 7 राज्यसभा सांसदों ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। इन सांसदों का बीजेपी में शामिल होना कोई हैरानी की बात नहीं है, क्योंकि पिछले कुछ महीनों से ऐसा माहौल साफ दिखाई दे रहा था कि ये सभी सांसद कुछ ऐसा कदम उठा सकते हैं। पार्टी में शामिल कराने के लिए बीजेपी को सिर्फ समय तय करना था। शुक्रवार को जब राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल ने कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया, तो वहां पर बीजेपी नेताओं की मौजूदगी से

तभी स्पष्ट हो गया था कि यह कदम सोच-समझकर लंबी रणनीति के तहत उठाया गया है। अगले साल 2027 की शुरुआत में पंजाब में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और बीजेपी अपने दम पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। चुनाव से पहले राघव चड्ढा, संदीप पाठक, हरभजन सिंह समेत आम आदमी पार्टी के इन राज्यसभा सांसदों को पार्टी में शामिल कराना बीजेपी की रणनीति का हिस्सा है। सूत्रों के अनुसार, राघव चड्ढा और संदीप पाठक 2022 के पंजाब विधानसभा चुनावों में एएपी की जीत के प्रमुख सूत्रधार थे और दोनों कई महीनों से बीजेपी के संपर्क में थे। बीजेपी पंजाब में विभिन्न मतदाता समूहों के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए काम कर रही है और उसी के अनुसार, नेताओं को पार्टी में शामिल कर रही है।

मणिपुर में नागा-कुकी झड़पों में 3 लोगों की मौत

- दोनों पक्ष एक-दूसरे पर लगा रहे हमले के आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर के उखरुल जिले में शुक्रवार तड़के नागा और कुकी-जो समुदायों के सशस्त्र समूहों के बीच दो अलग-अलग गोलीबारी की घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई और कम से कम पांच लोग घायल हुए। मरने वालों में एक तांगखुल नागा और दो कुकी-जो समुदाय के व्यक्ति शामिल हैं। दोनों समुदाय एक-दूसरे पर हमला शुरू करने का आरोप लगा रहे हैं। तांगखुल नागा लॉन्ग (टीएनएल) के अनुसार, 29 वर्षीय होर्शोकमी जमंग नामक नागा ग्राम रक्षक को सशस्त्र कुकी उग्रवादियों ने घात लगाकर मार डाला। जमंग सिनाकेइथेई गांव के पास गश्त

पर थे। इस घटना में चार अन्य नागा स्वयंसेवक भी गंभीर रूप से घायल हुए। सुरक्षा बलों ने दो कुकी-जो युवकों के शव बरामद किए। मृतकों की पहचान पाओमिनलुन हाओलाई (19 वर्ष) और लेटलाल सिटलहो (43 वर्ष) के रूप में हुई। कुकी संगठनों ने दावा किया कि तांगखुल नागा उग्रवादियों ने मुल्लम और शोंगफाल गांवों पर तड़के करीब 5.30 बजे हमला किया, जिसमें दो स्वयंसेवक मारे गए। कांगपोकपी जिले की बुंगी-इहान रक्षा समिति ने इसे कुकी गांवों पर हमला बताया। कुकी इनपी मणिपुर ने आरोप लगाया कि हमले में कई घर जलाए गए, महिलाएं और बच्चे समेत कई लोग घायल हुए तथा कई परिवार विस्थापित हो गए।

मुंबई-अहमदाबाद की तर्ज पर सूरत में चलेगी डबल डेकर

- वडोदरा में 100 फीसदी इलेक्ट्रिक बसों की डिलीवरी शुरू

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात की डायमंड सिटी सूरत में मुंबई और अहमदाबाद की तर्ज पर डबल डेकर बस चलेगी। शहर में ट्रायल रन डबल डेकर पहुंच भी गई है, लेकिन राज्य में स्थानीय निकाय चुनावों की आचार संहिता के चलते लोगों को इस बस के सफर के लिए इंतजार करना पड़ेगा। कुछ ऐसी ही स्थिति वडोदरा की है। वडोदरा में नगर निगम ने पीएम ई-बस सेवा के तहत 250 बसें चलाने का लक्ष्य रखा है।

पहले फेज की 40 बसों की बसों की डिलीवरी शुरू हो गई है, पहली सात शहर पहुंच गई हैं, लेकिन ये बसें अभी पूजा करने के बाद डिपो में खड़ी कर दी गई हैं। 100 फीसदी इलेक्ट्रिक बसों का संचालन स्थानीय निकाय चुनावों की प्रक्रिया पूरी होने और शहर में मेयर की नियुक्ति होने के बाद होने की उम्मीद की जा रही है। वडोदरा नगर निगम के कमिश्नर अरुण महेश बाबू के अनुसार बताया कि आदर्श आचार संहिता लागू है, लेकिन इन बसों के रूट और टिकटिंग को लेकर निगम का कर रहा है। उन्होंने कहा कि चुनाव खत्म होने और पीएमओ से समय मिलते ही इन बसों का शुभारंभ हो जाएगा। गौरतलब हो कि 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स को देखते हुए जहां अहमदाबाद में नई सुविधाएं जोड़ी जा रही है तो वहीं दूसरी बुलेट ट्रेन के मैप पर आने वाले शहरों में सरकार की तरफ इंफ्रास्ट्रक्चर को पुश किया जा रहा है। अहमदाबाद, सूरत और वडोदरा तीनों शहरों में बुलेट ट्रेन के स्टेशन भी बन रहे हैं। इन्हें जोड़ने वाली सड़कों को वर्ल्ड क्लास बनाने की तैयारी है।

अभी दो शहरों में दौड़ती है डबल डेकर

डबल डेकर बस का नाम आते ही मन में मुंबई की छवि उभरती है, लेकिन अगर सूरत में डबल डेकर बस का संचालन होता है तो यह गुजरात का तीसरा शहर होगा। सूरत में पुराने वक्त पर डबल डेकर चलती थी। ऐसे में यह शहर के लिए डबल डेकर की घर वापसी जैसा है। अहमदाबाद में पहले से डबल डेकर बस चल रही है। इसके बाद पीएम मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट गांधीनगर के पास भी डबल डेकर बस की कनेक्टिविटी है। सूरत गुजरात का तीसरा शहर बनेगा। सूरत में डबल डेकर बस को लेकर काफी रोमांच है। सूरत में अहमदाबाद की तर्ज पर बीआरटीएस भी है।

भागवत उवाच, भारत का विश्वगुरु बनना निश्चित है

- आरएसएस चीफ बोले-देश के भविष्य पर संदेह न करें
- कहा-राम मंदिर बनने को लेकर भी लोग शक करते थे

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि भारत निश्चित रूप से विश्वगुरु बनेगा और इस पर किसी को संदेह नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक समय था, जब लोग अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण को लेकर संशय में रहते थे। इसे असंभव मानते थे। लेकिन आज वह मंदिर सबके सामने साक्षात खड़ा है। ठीक उसी प्रकार, भारत का विश्वगुरु के रूप में पुनरुत्थान भी पूरी तरह निश्चित है और इस यात्रा को रोका नहीं जा सकता। भागवत ने यह बात नागपुर में नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट परिसर में बनने वाले भारत दुर्गा शक्ति स्थल मंदिर के भूमि पूजन कार्यक्रम में कही। इस मौके पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज, स्वामी मित्रानंदजी महाराज, साध्वी ऋतंभरा और धीरेन्द्र शास्त्री सहित कई धार्मिक नेता भी मौजूद थे। आरएसएस चीफ ने कहा- देश के भविष्य को लेकर कोई संदेह न रखें और साहस व आत्मनिर्भरता के साथ जीवन जिएं। उनके मुताबिक, अगर लोग अपने संकल्प के अनुसार कदम-दर-कदम आगे बढ़ें, तो भारत मजबूत और सशक्त बनेगा।

पश्चिमी सोच को त्यागकर भारतीय परंपराओं से जुड़ें

आरएसएस प्रमुख ने नागरिकों से पश्चिमी सोच को त्यागने और विचार एवं व्यवहार में भारतीय परंपराओं से दोबार जुड़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन दैनिक जीवन में छोटे, लेकिन सार्थक बदलावों से शुरू होगा, जैसे कि भाषा, पहनावा, खान-पान की आदतें और सांस्कृतिक प्रथाएं। भारत को जानना, स्वीकार करना और दैनिक जीवन में जीना जरूरी है। इस बात पर जोर देते हुए कि आत्म-साक्षात्कार की ऐसी प्रक्रिया के माध्यम से ही एक मजबूत और आत्मविश्वासी भारत की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है।

पश्चिमी चश्मे को उतार फेंकने की जरूरत

डॉक्टर भागवत ने कहा कि भारत को यदि वास्तव में समझना है, तो इसे इसकी अपनी सभ्यता और सनातन मूल्यों की दृष्टि से देखना होगा। उन्होंने कहा कि पिछले 150 वर्षों में विकसित हुई पश्चिमी सोच से भारत को नहीं समझा जा सकता। नागरिकों को इस विदेशी विचारधारा की परतों को उतार फेंकना होगा। यदि हम अपने संकल्प के अनुसार कदम दर कदम आगे बढ़ें, तो भारत मजबूत, सदाचारी और वैश्विक मार्गदर्शक बनेगा। भागवत ने कहा कि भारत को सही मायने में समझने के लिए, लोगों को पहले भारत को गहराई से समझना होगा और फिर उसे अपने जीवन में उतारना शुरू करना होगा।

अल नीनो की दस्तक से बदलेगा मौसम का 'मूड'

- मई-जून से झुलसाएगी गर्मी, बारिश पर पड़ेगा सीधा असर!

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम के मिजाज में बड़ा बदलाव आने वाला है और इसके असर से भारत समेत पूरी दुनिया भीषण गर्मी से झुलस सकती है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने चेतावनी दी है कि अल नीनो इस बार तय समय से पहले,

मई से जुलाई के बीच ही विकसित हो सकता है। इसका सीधा असर तापमान और बारिश के पैटर्न पर पड़ेगा। पहले जहां इसके अगस्त-सितंबर में आने की संभावना जताई जा रही थी, अब इसके जल्दी दस्तक देने के संकेत ने मौसम वैज्ञानिकों की चिंता बढ़ा दी है। **मानसून पर खतरे की घंटी, कम बारिश के आसार-** अल नीनो की आहट के साथ ही भारत में मानसून को लेकर अनिश्चितता गहराने लगी है। भारतीय मौसम विभाग पहले ही सामान्य से कम बारिश का अनुमान जता चुका है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर अल नीनो मजबूत हुआ, तो यह खेती, जल भंडारण पर गहरा असर डाल सकता है।

हर जगह पड़ेगी गर्मी की मार

ताजा रिपोर्ट साफ संकेत दे रही है कि मई-जून-जुलाई के दौरान दुनिया भर में जमीन का तापमान सामान्य से ज्यादा रहेगा। इसका मतलब है कि भारत में भी भीषण हीटवेव का खतरा बढ़ सकता है। इससे बिजली की मांग, पानी की खपत और स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव बढ़ेगा। शहरों में 'हीट आइलैंड' प्रभाव और ज्यादा तीखा हो सकता है। चिंता की एक और बड़ी वजह हिमालयी क्षेत्र में बर्फ का तेजी से घटता स्तर है। हिंदूकुश में इस साल बर्फ की मौजूदगी सामान्य से 27.8 फीसदी कम दर्ज की गई है, जो 20 साल में सबसे कम है। यह स्थिति नदियों के प्रवाह को प्रभावित कर सकती है और जल सुरक्षा पर खतरा बन सकती है।

टीएमसी सरकार से मुक्ति का समय आ गया है

- योगी बोले-4 मई के बाद बंगाल में टीएमसी के गुंडों को कहीं छुपने की जगह नहीं मिलने वाली है

लखनऊ/कोलकाता (एजेंसी)। टीएमसी ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) का विरोध किया। इस अधिनियम से पाकिस्तान और बांग्लादेश से परेशान होकर आए हिंदू, बौद्ध और जैनों को भारत की नागरिकता मिलेगी, लेकिन ममता दीदी को बुरा लगता है कि अगर हिंदू ज्यादा होंगे तो सड़क पर इफ्तारी कैसे होगी। यूपी में कोई सड़क पर इफ्तार पार्टी नहीं कर सकता, नमाज भी नहीं पढ़ सकता। मस्जिद से कोई आवाज भी नहीं आती। टीएमसी सरकार से मुक्ति का समय आ गया है। 4 मई को जब रिजल्ट आएगा तो टीएमसी के गुंडों को कहीं छुपने की जगह नहीं मिलने वाली है।

सीएम योगी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल में चुनावी रैली में ये बातें कहीं। उन्होंने नदिया जिले की नवद्वीप और पूर्व वर्धमान जिले की कटवा सीट पर चुनाव प्रचार किया। इसके बाद उत्तर 24 परगना जिले में जनसभा को संबोधित करेंगे।

'ममता को बंगाल में जय श्रीराम बोलने से परेशानी'- सीएम योगी ने कहा- बंगाल विभाजन के समय वंदे मातरम् हर बंगाली का हथियार बना था, लेकिन ममता दीदी को इन सबसे चिढ़ है। बंगाल में जय श्रीराम बोलने से उन्हें परेशानी होती है। कोलकाता हाईकोर्ट को आदेश देना पड़ा था कि जो लोग दुर्गा पूजा में अव्यवस्था फैला रहे हैं, उन्हें रोका जाए। उन्होंने कहा- बंगाल में माफिया राज की प्रतीक बनी यह सरकार कुछ सुनने को तैयार नहीं है।

'यूपी में न कर्फ्यू है, न दंगा है, यूपी में सब चंगा है'

सीएम ने कहा- कभी भारत की अर्थव्यवस्था में बंगाल का सबसे ज्यादा योगदान था। बेटियां और बहनें सुरक्षित हुआ करती थीं, लेकिन अब गुंडा टैक्स वसूला जा रहा है।

कैटल माफिया, सैंड माफिया और लैंड माफिया बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा- 2017 तक यूपी में भी यही स्थिति थी। व्यापारी पलायन कर रहे थे, लव जिहाद और लैंड जिहाद की घटनाएं बढ़ती जा रही थीं। जय श्रीराम बोलने पर लाठी और गोली चलती थी। आज यूपी में डबल इंजन सरकार है। आज यूपी में न कर्फ्यू है, न दंगा है, यूपी में सब चंगा है।

बंगाल के सामने पहचान का संकट

योगी ने कहा- जिस बंगाल ने भारत को पहचान दी, आज उसी के सामने पहचान का संकट है। टीएमसी की सरकार 15 सालों में माफिया राज, आतंक और भ्रष्टाचार का प्रतीक बन चुकी है। उसके गुंडे सरेआम घूम रहे हैं। सीएम ने कहा कि दो दिन पहले पहले चरण की वोटिंग में लोगों ने रिकॉर्ड मतदान किया। अभी से जो बातें सुनाई दे रही हैं, जो नजारे दिखाई दे रहे हैं। 4 मई को जब नतीजे आएंगे, तब चारों ओर भगवा झंडा लहराता दिखेगा। **'यूपी का बुलडोजर माफिया को मिट्टी में मिला देता है'-** योगी ने कहा- अयोध्या में भगवान राम की जन्मस्थली पर भव्य मंदिर बन चुका है। कांग्रेस, कम्युनिस्ट और टीएमसी रोक नहीं पाए। यूपी में अब रोपवे बन रहे हैं।

रिफाइनरी में आग, 'साइबर अटैक' की है प्रबल आशंका

- ऑटोमेटिक कंट्रोल यूनिट्स हाईजैक तो नहीं हुए होगी जांच
- आसपास रहने वालों का पुलिस ने शुरू किया वेरिफिकेशन

बाड़मेर (एजेंसी)। देश की सबसे आधुनिक और हाईटेक बालोतरा की पचपदरा रिफाइनरी में 20 अप्रैल को लगी आग के बाद

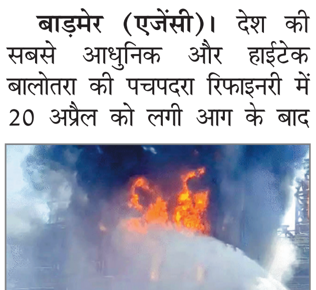

सुरक्षा एजेंसियां ऐक्टिव हैं। इस हादसे को साइबर अटैक से भी जोड़कर देखा जा रहा है। जांच एजेंसियां इस एंगल पर भी जांच को आगे बढ़ा रही हैं। आशंका जताई जा रही है कि हादसे के वक्त रिफाइनरी के ऑटोमेटिक कंट्रोल यूनिट्स को बाहर से हाईजैक कर लिया गया होगा। सुरक्षा एजेंसियां अब रिफाइनरी के डिजिटल लॉग्स और डेटा को खंगाल रही हैं। एक्सपर्ट्स यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या किसी बाहरी आईपी एड्रेस ने सिस्टम में सेंध लगाने की कोशिश तो नहीं की थी। उधर, आसपास के इलाके में रहने वाले लोगों का पुलिस वेरिफिकेशन भी किया जा रहा है। रिफाइनरी में आग पीएम के दौरे से पहले लगी।

- **पास वाली दुकानें हट सकती हैं, सुरक्षा घेरा बढ़ा-** हादसे के बाद सुरक्षा एजेंसियां और बालोतरा पुलिस पूरी तरह ऐक्टिव मोड में है। सूत्रों के मुताबिक, रिफाइनरी के 1 किलोमीटर के दायरे में आने वाली दुकानों और कमर्शियल संस्थानों को सुरक्षा कारणों से हटाया जा सकता है। दावा है कि यहां दिनभर भीड़ रहती है, जो सुरक्षा के लिहाज से बड़ा खतरा है।

केसीआर की बेटी के कविता ने बना ली अपनी नई पार्टी

भाई से विवाद के बाद बनाई टीआरएस, लड़ेंगी चुनाव

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना जागृति संगठन की अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी के. कविता ने शनिवार को तेलंगाना राष्ट्र सेना (टीआरएस) नामक नए राजनीतिक दल की शुरुआत की। बता दें कि केसीआर की पार्टी के नाम का शॉर्ट फॉर्म भी टीआरएस यानी तेलंगाना राष्ट्र समिति था। कुछ साल पहले इसे भारत

राष्ट्र समिति कर दिया गया। कविता ने हैदराबाद के बाहरी इलाके में आयोजित एक कार्यक्रम में अपनी पार्टी के नाम की घोषणा की। सितंबर 2025 में कविता को बीआरएस से तब निलंबित कर दिया गया था जब उन्होंने अपने चचेरे भाई एवं पार्टी नेता टी. हरीश राव तथा रिश्तेदार जे. संतोष कुमार पर बीआरएस के शासन के दौरान निर्मित कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना को लेकर अपने पिता और बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव की छवि को खराब करने का आरोप लगाया था। निलंबन के बाद से वह तेलंगाना जागृति नामक अपने नेतृत्व वाले सांस्कृतिक संगठन के बैनर तले सार्वजनिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। उनके पिता के नेतृत्व वाली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) का मूल नाम तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) था।

- नशे के खिलाफ श्रीनगर पुलिस का महा अभियान

तस्करों की 3.5 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त, आतंकवाद की टूट रही कमर

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर की श्रीनगर पुलिस ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने नशीली दवाओं के खिलाफ तेज कार्रवाई में एक ड्रग तस्कर से संबंधित 3.5 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर ली। पुलिस के एक बयान में कहा गया है कि मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ श्रीनगर पुलिस अपनी कार्रवाई को जारी रखे हुए है।

राज्य में चल रहे नशा मुक्त अभियान के तहत श्रीनगर पुलिस ने मादक पदार्थों के तस्करों से संबंधित 3.5 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियों को जब्त कर लिया है। एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68-एफ के प्रावधानों के तहत कार्रवाई करते हुए संगम पुलिस स्टेशन ने एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/20 और 29 के तहत एफआईआर संख्या 56/2025 में शामिल आरोपियों से जुड़ी दो अचल संपत्तियों को जब्त कर लिया। जब्त की गई संपत्तियों के विवरण में आरोपी शकील अहमद गनी की कनाल की जमीन शामिल है।

आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा यह आंदोलन- जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को सांबा में आयोजित नशा-विरोधी अभियान में भाग लिया। उन्होंने एक पोस्ट में कहा कि आज सांबा में भारी जनसमूह ने नशामुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान में भाग लिया और समाज से नशा मिटाने का संकल्प लिया। सभा को संबोधित करते हुए मैंने दोहराया कि यह 100 दिवसीय आंदोलन आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा और इस बात का प्रमाण होगा कि जब लोग एकजुट होते हैं, तो वे इतिहास बदल सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

शराब तस्करी,बाइक चोरी एवं आर्म्स एक्ट के आरोपी को पुलिस बलों ने किया गिरफ्तार,भेजे गए जेल

रजौली। रजौली थाना क्षेत्र के चितरकोली गांव से पुलिस बलों ने शराब तस्करी,बाइक चोरी एवं आर्म्स एक्ट के अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान चितरकोली गांव निवासी सचिंद्र यादव के पुत्र विक्की कुमार के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रणजीत कुमार ने बताया कि शराब के विरुद्ध पुलिस सख्ती से कार्रवाई में जुटी हुई है। बीते जनवरी माह में चितरकोली गांव से पुलिस बलों ने चोरी के एक बिना नम्बर के टीवीएस अपाची बाइक को जब्त किया था,जिसको लेकर थाना कांड संख्या 07/26 में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। वहीं दूसरी ओर रामडीहा गांव के सौरभ ईंट भट्ठा से 150 लीटर शराब लदे बाइक को जब्त किया गया था,किंतु शराब तस्कर भागने में सफल रहे थे। इसको लेकर रजौली थाना कांड संख्या 46/26 में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। उक्त दोनों थाना कांडों के अभियुक्त विक्की कुमार की गिरफ्तारी हेतु पुलिस छापेमारी कर रही थी। बीते शुक्रवार की रात्रि गुप्त सूचना के आलोक में विक्की कुमार को एएसआई संजय कुमार ने पुलिस बलों के सहयोग से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ किया गया,तो पता चला कि विक्की कुमार कोडरमा जिले के तिलैया थाना कांड संख्या 282/24 में आर्म्स एक्ट का आरोपी है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त को शनिवार को मेडिकल जांच के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

सुनील कुमार यादव बने सांसद प्रतिनिधि, समर्थकों में खुशी की लहर

कटिहार। कटिहार सांसद तारिक अनवर ने शनिवार को अपने गामी टोला स्थित आवासीय कार्यालय परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष सुनील कुमार यादव को सांसद प्रतिनिधि नियुक्त करने की घोषणा की। सांसद ने कहा कि सुनील कुमार यादव लंबे समय से संगठन में सक्रिय रहे हैं और जनता के बीच उनकी अच्छी पकड़ है। उन्हें सांसद प्रतिनिधि के रूप में लोकसभा क्षेत्र की समस्याओं को सुनने और समाधान की दिशा में कार्य करने की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सुनील कुमार यादव प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे।

इस मौके पर सांसद तारीक अनवर ने एक बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि अब कटिहार लोकसभा क्षेत्र के हर प्रखंड में सांसद शिकायत कार्यालय खोले जाएंगे। प्रत्येक कार्यालय में शिकायत पेटी लगाई जाएगी, जिसमें आम लोग अपनी समस्याएं दर्ज कर सकेंगे। बाद में उन शिकायतों पर कार्रवाई कर समाधान की दिशा में कदम उठाया जाएगा। सुनील कुमार यादव को सांसद प्रतिनिधि बनाए जाने के बाद उनके समर्थकों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल है। समर्थकों ने कहा कि संगठन में उनके अनुभव का लाभ अब जनता को मिलेगा और पार्टी को भी मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर दिलीप विश्वास,शहनवाज आलम, अंजुमन कौसर उर्फ आम्रपाली यादव,सउद मुखिया,पंकज तंबाकूवाला, राजा मिश्रा, अवधेश मंडल, राजा मिश्रा,संतोष यादव, प्रो०विनोद यादव,जहांगीर आलम, अखिलेश पोद्दार, अब्दुल मन्नान, सुभाष यादव,चंदन यादव, रवि यादव, प्रीतम चक्रवर्ती सहित कई कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सुनील कुमार यादव को बधाई देते हुए सांसद तारीक अनवर के निर्णय का स्वागत किया।

डीआरएम ने मालदा डीजल शेड,रनिंग रूम एवं बालुरघाट स्टेशन का किया निरीक्षण

कटिहार। मंडल रेल प्रबंधक किरेंद्र नरह ने कटिहार मंडल के अंतर्गत मालदा डीजल शेड,रनिंग रूम एवं बालुरघाट स्टेशन का व्यापक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने संबंधित परिसरों में उपलब्ध इंफ्रास्ट्रक्चर, रखरखाव व्यवस्था एवं यात्री सुविधाओं का गहन आकलन किया। निरीक्षण के क्रम में मंडल रेल प्रबंधक ने डीजल शेड में रखरखाव कार्यों की गुणवत्ता, लोकोमोटिव की उपलब्धता एवं तकनीकी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। साथ ही रनिंग रूम में लोको पायलट एवं गार्ड के लिए उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण करते हुए साफ-सफाई, खानपान एवं विश्राम व्यवस्था को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। बालुरघाट स्टेशन पर डीआरएम ने यात्री सुविधाओं जैसे प्रतीक्षालय,पेयजल, स्वच्छता,टिकटिंग व्यवस्था एवं सर्कुलेटिंग एरिया का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित एवं आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अनूप कुमार सिंह,वरिष्ठ मंडल अभियंता/निर्माण,वरिष्ठ मंडल सुरक्षा अधिकारी, अमित कुमार सिंह,संदीप कुमार पी.एस. सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। मंडल रेल प्रबंधक ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए रेलवे सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार सुनिश्चित किया जाए।

11 हजार वोल्ट की लाइन की चपेट में आने से गृहस्वामी बुरी तरह झुलसा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गंभीर हालत में नवादा रेफर

बिजली के झटके से झुलसा व्यक्ति अस्पताल में इलाजरत

रजौली। रजौली अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत महसई मोहल्ले में शनिवार की दोपहर एक हृदय विदारक घटना घटी, जहां अपने सपनों का आशियाना बना रहे एक व्यक्ति को मौत ने करीब से छू लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, महसई मोहल्ला निवासी लखन प्रसाद शनिवार को अपने नवनिर्मित मकान के काम में व्यस्त थे, तभी मकान का पिलिंथ बांधने के दौरान अचानक लोहे की छड़ ऊपर से गुजर रहे 11 हजार वोल्ट के हाईटेंशन तार के संपर्क में आ गई। बिजली का करंट इतना जोरदार था कि लखन प्रसाद देखते ही देखते बुरी तरह झुलस गए और बेसुध होकर नीचे गिर पड़े। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और परिजनों ने आनन-फानन में उन्हें स्थानीय अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक डॉ. परितोष ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल नवादा रेफर कर दिया। इस हादसे के बाद पीड़ित की पत्नी बसंती देवी ने बिजली विभाग पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि वार्ड संख्या 11 स्थित उनके मकान के ठीक ऊपर से जानलेवा हाईटेंशन तार गुजरा हुआ है, जिसे हटाने के लिए उन्होंने कई बार बिजली कार्यालय के चक्कर लगाए और कनीय अभियंता को भी सूचित किया, लेकिन विभाग की लापरवाही और सुस्ती के कारण आज यह बड़ा हादसा हो गया। फिलहाल घायल लखन प्रसाद की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है और इस घटना से पूरे मोहल्ले में बिजली विभाग के खिलाफ गहरा आक्रोश व्याप्त है।

इधर बिजली विभाग के कनीय अभियंता भुवनेश्वर प्रसाद ने कहा की घटना की जानकारी ग्रामीणों के द्वारा दिया गया। लेकिन किसी के द्वारा लिखित शिकायत नहीं की गई है। उन्होंने अपने उपर लगे आरोपी को सिरे से खारिज करते हुए कहा की हमें किसी भी प्रकार की तार हटाने को लेकर ना तो लिखित सूचना दी गई है और ना ही मौखिक जानकारी, वे लोग झूठा आरोप लगा रहे हैं।

एडीईओ परीक्षा में प्रतिनियुक्त जनगणना कर्मियों का भी प्रशिक्षण पूरा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नारदीगंज (नवादा)। इंटर विद्यालय नारदीगंज में एडीईओ परीक्षा में प्रतिनियुक्त जनगणना कर्मियों को आयोजित प्रशिक्षण शनिवार को सम्पन्न हो गया। मास्टर टेनर अवधेश कुमार के अलावा सहयोगी प्रशिक्षक में राकेश कुमार,पंकज कुमार और रवि रंजन कुमार ने प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षक ने कहा यह जनगणना कर्मियों का अंतिम बैच का प्रशिक्षण रहा। बीते 13 अप्रैल से 24 अप्रैल 2026 तक सात बैच में प्रशिक्षण दिया गया। इस बीच तकरीबन 70 जनगणना कर्मी एडीईओ परीक्षा में प्रतिनियुक्ति के वजह से प्रशिक्षण से वंचित रह गए थे, उन्हें प्रशिक्षण देकर जनगणना कार्य के लिए दक्ष बनाया गया,ताकि जनगणना करने में कोई परेशानी नहीं हो। प्रशिक्षक ने सभी जनगणना कर्मियों को मकान सूचीकरण के अंतर्गत नजरि नक्शा कैसे तैयार करें,जनगणना मकान की पहचान कैसे करें, परिवार के प्रकार समेत अन्य जनगणना से सभी महत्वपूर्ण बिदुओं को बारीकी से जानकारी साझा किए। इसके अलावा प्रशिक्षण में सभी जनगणना कर्मियों को क्षेत्र में जाने की तैयारियां, लोगों से बातचीत करने,मिलने के तौर तरीके की जानकारी दी गई। इसके अलावा क्षेत्र में काम करने में आने वाले कठिनाई और समाधान करने के बारें में विस्तार से गुरु बताये गये। सभी प्रगणक और पर्यवेक्षकों को समूह में बांट कर डेमो कराया गया। फील्ड प्रशिक्षण देकर पूर्ण रूपेण दक्ष बनाया। मौके पर जनगणना कर्मियों में पर्यवेक्षक विशाल चंद्र, इस्तियाक, प्रमोद कुमार, बिनोद कुमार,रवि रंजन कुमार, धनेश कुमार समेत अन्य प्रशिक्षण में शामिल हुए।

14 वर्षीय छात्र लापता 6 दिन से नहीं मिला कोई सुराग

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

कटिहार। जिले से एक बेहद चिंताजनक मामला सामने आया है। जहां 14 वर्षीय छात्र हर्षित कुमार श्रीवास्तव बीते शनिवार से लापता है। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है और वे प्रशासन से अपने बेटे को जल्द से जल्द खोज निकालने की मांग कर रहे हैं। भेड़िया रहिका स्थित गौशाला इलाके का है।हर्षित कुमार शनिवार की सुबह हरिशंकर नायक स्कूल टीसी लेने के लिए घर से निकले थे, लेकिन उसके बाद से वे वापस घर नहीं लौटे। परिजनों ने कहा कि देर शाम तक जब हर्षित घर नहीं पहुंचे। तो उनकी खोजबीन शुरू की गई। आसपास के इलाकों, दोस्तों और रिश्तेदारों के यहां तलाश की गई, लेकिन अब तक उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। हर्षित की मां निशी देवी और पिता चंचल श्रीवास्तव का रो-रोकर बुरा हाल है।उनका कहना है कि हर्षित बिना बताए कहीं नहीं जाता था।ऐसे में उसका अचानक गायब हो जाना बेहद चिंताजनक है। परिवार द्वारा स्थानीय थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और संभावित स्थानों पर लगातार तलाश जारी है।

भोजन और स्वास्थ्य के सजग प्रहरी,रजौली में विश्व पशु चिकित्सा दिवस पर 'वन हेल्थ' का संकल्प

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

कार्यक्रम के दौरान मौजूद पशु चिकित्सकों की टीम व अन्य कर्मी

रजौली। अनुमंडलीय पशु चिकित्सालय रजौली के प्रांगण में 25 अप्रैल 2026 को विश्व पशु चिकित्सा दिवस का भव्य आयोजन किया गया,जिसने पशु स्वास्थ्य और जन-कल्याण के अंतर्संबंधों को एक नई दिशा दी।पशु चिकित्सकों द्वारा आयोजित कार्यक्रम भोजन और स्वास्थ्य के संरक्षक के मूल मंत्र पर आधारित इस कार्यक्रम ने न केवल चिकित्सा जगत बल्कि आम जनमानस के लिए पशु चिकित्सकों की अपरिहार्य भूमिका को रेखांकित किया।समारोह में भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रेषु कुमार एवं डॉ. अभय कुमार सहित मोबाइल वेटरनरी यूनिट के विशेषज्ञ डॉ. बिपिन बिहारी प्रसाद एवं डॉ. आदित्य कुमार ने अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई। इस अवसर पर पशु स्वास्थ्य सेवाओं को धरातल पर उतारने वाले समर्पित मैत्रीकर्मियों और टीकाकर्मियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम के उद्देश्यों को और अधिक मजबूती प्रदान की।

चिकित्सकों ने अपने संबोधन में इस बात पर गहरा बल दिया कि एक पशु चिकित्सक का दायित्व केवल मूक पशुओं के उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि वे वैश्विक खाद्य सुरक्षा और मानव स्वास्थ्य के सुरक्षा कवच के रूप में कार्य करते हैं। चर्चा के दौरान 'वन हेल्थ' की आधुनिक अवधारणा को प्रमुखता से साझा किया गया, जो स्पष्ट करती है कि पशु, मानव और हमारा साझा पर्यावरण एक-दूसरे से अटूट रूप से जुड़े हुए हैं,यदि इनमें से एक भी कड़ी कमजोर होती है, तो संपूर्ण तंत्र खतरे में पड़ जाता है। इस सफल आयोजन के पीछे न्यूट्रीवेट कंपनी के अक्षय कुमार का सराहनीय प्रायोजन रहा, जिनके तकनीकी और संसाधन सहयोग ने कार्यक्रम को सुव्यवस्थित रूप प्रदान किया। कार्यक्रम का समापन एक सामूहिक संकल्प के साथ हुआ, जहां उपस्थित सभी विशेषज्ञों और कर्मियों ने समाज में पशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने और जन-स्वास्थ्य की रक्षा के लिए निरंतर समर्पित रहने की शपथ ली।

'महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करना केंद्र सरकार की प्राथमिकता'

अनामिका पासवान बोलीं- भ्रम फैलाकर महिलाओं को बरगला रहा है महागठबंधन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नालंदा। नालंदा में बीजेपी प्रदेश उपाध्यक्ष अनामिका पासवान ने विपक्ष पर निशाना साधा है। सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि महिला आरक्षण का मुद्दा देश की 'आधी आबादी' के सम्मान और अधिकारों से जुड़ा है, जिस पर राजनीति करना दुर्भाग्यपूर्ण है। देश की लगभग 70 करोड़ महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करना केंद्र सरकार की प्राथमिकता है, लेकिन विपक्ष के अड़ियल रवैये के कारण इस मार्ग में बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं। केंद्र सरकार ने महिलाओं को उनका हक दिलाने के लिए विशेष सत्र बुलाकर ऐतिहासिक महिला आरक्षण संशोधन बिल पेश किया था, परंतु विपक्ष के विरोध के कारण इसे पूर्ण रूप से पारित कराने में कठिनाइयां आईं। विपक्षी दल नहीं चाहते कि महिलाएं राजनीति के मुख्य पटल पर आकर सशक्त भूमिका निभाएं। इस व्यवहार से देश की महिलाओं में भारी आक्रोश है, जिसे 'जन आक्रोश मार्च' के जरिए सड़कों पर प्रदर्शित किया जा रहा है। अगर इस बिल को लागू करने में देरी हुई और यह 2029 के बजाय 2034 तक खिंच गया, तो यह नारी शक्ति के साथ बड़ा अन्याय होगा।

कार्यकर्ता जागरूकता अभियान चला रहे हैं: महागठन की नीतियों पर प्रहार करते अनामिका पासवान ने कहा कि विपक्ष के लोग केवल जनसंख्या के आंकड़ों के आधार पर समाज को भ्रमित करने और बरगलाने का काम कर रहे हैं। भाजपा महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर महिलाओं को जागरूक करने का अभियान चला रहे हैं।

प्रेस वार्ता के दौरान प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेश्वर प्रसाद सिंह, जिला उपाध्यक्ष तेजस्विता राधा, साबो देवी, अरविंद पटेल, डॉ. आशुतोष कुमार, जिला मंत्री रंजू कुमारी, अमरेश कुमार, अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष मणिकांत पासवान और आईटी सेल जिला संयोजक अमित शान सहित कई प्रमुख नेता मौजूद रहे।

रजौली में मेडिकल स्टोर सह नर्सिंग होम से 1424 ग्राम गांजा बरामद

गिरफ्तार अभियुक्त के साथ एसडीपीओ व पुलिस बल

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

- पुलिस ने मजिस्ट्रेट के साथ की छापेमारी,संचालक गिरफ्तार,भेजे गए जेल
- संचालक की पत्नी ने कहा कि घरेलू विवाद में पति को फंसाया गया
- एसडीपीओ ने कहा कि मादक पदार्थों के विरुद्ध पुलिस सख्त

रजौली। रजौली थाना क्षेत्र के घसियाडीह स्थित एक मेडिकल स्टोर सह नर्सिंग होम से पुलिस बलों ने मजिस्ट्रेट की उपस्थिति बीते शुक्रवार की देर रात्रि 1424 ग्राम गांजा बरामद किया गया है। साथ ही मेडिकल स्टोर के संचालक करणपुर गांव निवासी रामबालक यादव के पुत्र संतोष कुमार को भी गिरफ्तार किया गया है। एसडीपीओ गुलशन कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी देते हुए कहा कि बीते कुछ दिनों से मेडिकल दुकान व नर्सिंग होम की आड़ में मादक पदार्थ की बिक्री की सूचना मिल रही थी। सूचना के आलोक में पुलिस बलों की एक टीम का गठन किया गया,जिसमें थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रणजीत कुमार, अपर थानाध्यक्ष एसआई अजय कुमार,एसआई सचिन कुमार के अलावे अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे। वहीं पुलिस टीम के साथ मजिस्ट्रेट के रूप में प्रखंड कृषि पदाधिकारी रौशन कुमार एवं किसान सलाहकार मनोज कुमार मौजूद थे। छापेमारी के दौरान मेडिकल स्टोर से एक तालाबंद कमरे से 1424 ग्राम गांजा बरामद किया गया है। साथ ही मौके से मेडिकल संचालक संतोष कुमार को भी गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्कर से पुलिस बलों द्वारा जरूरी पूछताछ के बाद शनिवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। एसडीपीओ ने स्पष्ट किया कि मादक पदार्थों के विरुद्ध पुलिस सख्त है।

दवा विक्रेताओं में हलचल : पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई से रजौली दवा विक्रेता संघ में हलचल मची हुई है। गिरफ्तार संतोष कुमार दवा विक्रेता संघ का सचिव बताया जा रहा है। वहीं अभियुक्त संतोष कुमार की पत्नी गुड़िया देवी ने बताई कि उनके पति बीते 20 अप्रैल से बी. फार्मा की परीक्षा पटना में देने गए थे और परीक्षा देकर वापस 24 अप्रैल की रात्रि को जैसे ही मेडिकल स्टोर के पास लौटे,कि पुलिस बलों ने उन्हें हिरासत में लेकर छापेमारी कर गांजे को बरामद किया है। परिजनों ने कहा कि घरेलू विवाद के कारण मेडिकल स्टोर में गांजा रखकर मेडिकल संचालक को उसके परिजनों ने फंसाया है। परिजनों ने पुलिस पदाधिकारियों से निष्पक्ष जांच की मांग की है।

जयमाला शिक्षा निकेतन के सेकंड टॉपर हर्ष आर्यन का गांव में पारिवारिक सदस्य एवं ग्रामीणों ने मिठाई खिलाकर किया अभिनंदन

हर्ष आर्यन बहुत बड़ा पदाधिकारी बनकर हम सभी ग्रामीणों का नाम रोशन करेगा: ग्रामीण

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

कटिहार। जयमाला शिक्षा निकेतन कटिहार के सेकंड टॉपर रहे हर्ष आर्यन का गांव में पारिवारिक सदस्य एवं ग्रामीणों ने मिठाई खिलाकर अभिनंदन किया। इनके अच्छे रिजल्ट आने के कारण परिवार के साथ-साथ ग्रामीणों के लोगों में काफी उत्साह है।ग्रामीण हर्ष आर्यन पर गर्व कर रहा है। सभी लोगों ने एक स्वर से कह रहे हैं कि हर्ष आर्यन एक दिन बहुत बड़ा पदाधिकारी बनकर हम सभी ग्रामीणों का नाम रोशन करेगा। जिले के फलका थाना अंतर्गत उत्तर अमोल,फुल डोभी निवासी हरिश चंद्र झा के पौत्र,संजीव कुमार झा शिक्षक के पुत्र हर्ष आर्यन ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के द्वारा संचालित मैट्रिक परीक्षा में 479 अंक यानी 95.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में अव्वल स्थान प्राप्त किया हैं।

हर्ष आर्यन का जन्म तिथि 12 जून 2010 को हुआ है। इनके माता श्वेता कुमारी कुशल गृहणी है। पिता संजीव कुमार झा शिक्षक हैं। इनके बहन शची भारती,जयमाला शिक्षा निकेतन से 12वीं की परीक्षा दी है। दादा हरिश्चंद्र झा किसान हैं।

हर्ष आर्यन इंजीनियर बनकर देश की सेवा करना चाहते हैं। हर्ष आर्यन के दादा हरिश्चंद्र झा,पिता संजीव कुमार झा,माता श्वेता कुमारी,बहन वाणी भारती ने बताया कि हर्ष आर्यन बचपन से ही पढ़ने में काफी मेधावी रहा है। इन्होंने मैट्रिक की परीक्षा में 500 में 479 यानी 95.8 प्रतिशत अंक किया है। अंग्रेजी में 96,संस्कृत में 95, गणित में 96, विज्ञान में 91, सोशल साइंस में 94, पेंटिंग में 98 अंक प्राप्त किया है। मैट्रिक की परीक्षा का रिजल्ट आने पर दादा हरिश्चंद्र झा,पिता संजीव कुमार झा, माता श्वेता कुमारी,बहन शची भारती, नाना दिनेश्वर मिश्रा,नानी सरोज देवी, मौसी ममता झा, कंचन झा, मौसा प्रवीण झा, विनोद कुमार झा,चाचा अमित कुमार झा, संजय कुमार झा, मनोज कुमार झा, राजीव कुमार झा,विनय कुमार झा,चाचा ज्योति झा,रानी झा,आरती झा,छोटे दादा शंभू नाथ झा,रमेश चंद्र झा ने मिठाई खिलाकर अभिनंदन करने के साथ-साथ आशीर्वाद दिया है।

हर्ष आर्यन की माता श्वेता कुमारी, पिता संजीव कुमार झा,बहन शाची भारती ने बताया कि यह नर्सरी से केजी वन तक की पढ़ाई माउंट सीने मिशन स्कूल गेरावाडी, यूकेजी से वर्ग 2 की तक की पढ़ाई ग्रीन फील्ड पब्लिक स्कूल हरदा,वर्ग 3 से 6 तक की पढ़ाई सावित्री ग्लोबल पब्लिक स्कूल भैंसदियरा, वर्ग 7 से मैट्रिक तक की पढ़ाई जयमाला शिक्षा निकेतन, कटिहार से किया है। हर्ष आर्यन जब वर्ग 8 में पढ़ाई कर रहे थे तो इस क्रम में इन्होंने रामानुजन परीक्षा में जिले में सातवां रैंक प्राप्त किया। यह परीक्षा बिहार काउंसिल ओंन साइड एंड टेक्नोलॉजी द्वारा नेशनल गणित डे के अवसर पर 22 दिसंबर 2023 को इन्हें सम्मानित किया। जब ये वर्ग 10 में पढ़ रहे थे पुनः इन्होंने रामानुजन परीक्षा में सातवां रैंक लाया और इन्हें सम्मानित किया गया। भारत स्काउट और गाइड का प्रशिक्षण 14 अक्टूबर 2023 से 18 अक्टूबर 2023 तक प्राप्त किया। जिसमें प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इन्हें प्रशस्ति पद देकर सम्मानित किया। 13-14 दिसंबर 2023 को सेफ्टी रेटिंग प्रतियोगिता में अव्वल स्थान प्राप्त किया है।

हर्ष आर्यन बताते हैं कि मैं इंजीनियर बनकर समाज से लेकर देश की सेवा करूंगा। हर्ष आर्यन ने मैट्रिक में अच्छे अंक लाने का श्रेय अपने माता-पिता, दादा,बहन एवं जयमाला शिक्षा निकेतन के निदेशक डॉक्टर सुशील कुमार सुमन सहित सभी शिक्षक को देते हैं। इनका शौक हारमोनियम बजाना, खेलना है। हर्ष आर्यन ने जूनियर स्टूडेंट को संदेश देते हुए कहा कि जब से आप वर्ग में प्रवेश किया, तब से ही आप नियमित रूप से स्वाध्याय करेंगे, तो आप अपने लक्ष्य को हासिल करेंगे। सीडब्लूसी के निःवर्तमान सदस्य,वरिष्ठ अधिवक्ता सह शिक्षा प्रेमी सह समाजसेवी प्रवीण कुमार झा ने धनेठा के उत्तर अमोल फुलडोभी ग्राम पहुंचकर हर्ष आर्यन को मिठाई खिलाते हुए बधाई दिया है। हर्ष आर्यन के माता-पिता,बहन एवं दादा को हर्ष आर्यन के कामयाबी के लिए शुभकामनाएं दिया है और हर्ष आर्यन के उज्जवल भविष्य की कामना किया है।

पटना में जंबोटेल का नया फुलफिलमेंट सेंटर शुरू

पूर्वी भारत के किराना कारोबार को मिलेगा बल

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। देश के उभरते न्यू रिटेल प्लेटफॉर्म जंबोटेल ने पटना में अपने नए फुलफिलमेंट सेंटर 'मगध एफसी' की शुरुआत की है। यह केंद्र मुख्य रूप से पूर्वी भारत, खासकर बिहार, झारखंड और ओडिशा के किराना स्टोरों को सशक्त बनाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। कंपनी का उद्देश्य पारंपरिक खुदरा व्यापार को आधुनिक तकनीक से जोड़कर छोटे दुकानदारों को प्रतिस्पर्धी बाजार में मजबूती प्रदान करना है।

इस फुलफिलमेंट सेंटर के माध्यम से स्थानीय खुदरा विक्रेताओं को डिजिटल ऑर्डरिंग, आसान क्रेडिट सुविधा और 24 घंटे के भीतर डिलीवरी जैसी सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे छोटे दुकानदारों को न केवल अपने स्टॉक प्रबंधन में आसानी होगी, बल्कि उनके नकदी प्रवाह (कैश फ्लो) को भी बेहतर करने में मदद मिलेगी। जानकारों का मानना है कि इस तरह की सुविधाएं किराना दुकानों को बड़े रिटेल चेन के मुकाबले प्रतिस्पर्धी बनाने में सहायक साबित होंगी।

कंपनी ने हाल के वर्षों में "J24" स्टोर नेटवर्क के जरिए पारंपरिक दुकानों को ओमनीचैनल कन्वीनियंस स्टोर में बदलने की दिशा में काम किया है। वर्ष 2025 में यूनिकॉर्न का दर्जा हासिल करने के बाद जंबोटेल ने अपने विस्तार को तेज किया है और पटना में इस सेंटर की शुरुआत उसी रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है। यह पहल पूर्वी भारत में कंपनी की बढ़ती उपस्थिति और बाजार की संभावनाओं को दर्शाती है।

इस अवसर पर जंबोटेल के मुख्य परिचालन अधिकारी (COO) आशीष झीना ने कहा कि कंपनी का लक्ष्य देश के हर कोने में किराना इकोसिस्टम को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना है। उनके अनुसार, पटना स्थित यह केंद्र क्षेत्र के 10,000 से अधिक रिटेलर्स को सीधे तौर पर लाभ पहुंचाएगा और उन्हें आधुनिक रिटेल प्रणाली से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कंपनी के अनुसार, जंबोटेल अपने फुल-स्टैक B2B मार्केटप्लेस, मजबूत लॉजिस्टिक्स नेटवर्क और फिनटेक प्लेटफॉर्म के जरिए देशभर में 2.5 लाख से अधिक किराना दुकानों को सेवाएं प्रदान कर रही है। इस मॉडल के माध्यम से छोटे व्यापारियों को थोक खरीद, आसान वित्तीय सहायता और समय पर आपूर्ति जैसी सुविधाएं एक ही प्लेटफॉर्म पर मिल रही हैं। कार्यक्रम में कंपनी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी भी मौजूद रहे, जिनमें प्रेसिडेंट अमन अग्रवाल, मुख्य व्यापारिक अधिकारी पुनीत गुप्ता, वाइस प्रेसिडेंट कमलेश कुमार, जोनल मैनेजर अश्वनी कुमार और स्टेट हेड प्रभाकर झा शामिल थे। कार्यक्रम के दौरान कंपनी ने अपने भविष्य की योजनाओं और पूर्वी भारत में विस्तार की रणनीति पर भी चर्चा की।\

घोसी के सोनवा गांव में भव्य लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का शुभारंभ

कलश यात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

जहानाबाद। सोनवा गांव में शनिवार से भव्य लक्ष्मी नारायण महायज्ञ की शुरुआत हो गई। घोसी थाना क्षेत्र के इस धार्मिक आयोजन का शुभारंभ पारंपरिक कलश यात्रा के साथ हुआ, जिसमें गांव और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। यह महायज्ञ 25 अप्रैल से 1 मई तक चलेगा। महायज्ञ के पहले दिन निकाली गई कलश यात्रा में महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से आकर्षण का केंद्र रही। पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाएं सिर पर कलश लेकर भजन-कीर्तन करते हुए पूरे गांव का भ्रमण करती नजर आईं। श्रद्धालुओं के जयघोष और भक्ति गीतों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में डूबा रहा। कलश यात्रा यज्ञ स्थल से शुरू होकर गांव के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए पुनः यज्ञ मंडप पहुंची। यात्रा के दौरान जगह-जगह श्रद्धालुओं ने फूलों की वर्षा कर स्वागत किया। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ महायज्ञ का विधिवत शुभारंभ किया गया। आयोजकों ने बताया कि इस महायज्ञ का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में सुख-शांति, समृद्धि और आध्यात्मिक चेतना का प्रसार करना है। आयोजन के दौरान सूर्य मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम भी आयोजित किया जा रहा है, जो इस महायज्ञ का प्रमुख आकर्षण है। महायज्ञ में न केवल स्थानीय ग्रामीण, बल्कि आसपास के कई गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। यज्ञ स्थल पर श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण, भंडारा, पेयजल और विश्राम की समुचित व्यवस्था की गई है। आयोजन समिति और ग्रामीण मिलकर पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

डीईसीई (एल.ई.)-2026: आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी, अब 17 मई को होगी परीक्षा

पटना। बिहार के पॉलिटेक्निक संस्थानों में अभियंत्रण डिप्लोमा के द्वितीय वर्ष में पार्श्विक प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली डिप्लोमा प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा (पार्श्विक प्रवेश) [डीईसीई (एल.ई.)]-2026 को लेकर अहम अपडेट जारी किया गया है। यह परीक्षा बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद द्वारा आयोजित की जाती है। छात्रहित को ध्यान में रखते हुए पर्षद ने ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि में विस्तार किया है। पहले आवेदन की अंतिम तिथि 23 अप्रैल 2026 निर्धारित थी, जिसे अब बढ़ाकर 27 अप्रैल 2026 कर दिया गया है। ऐसे में जिन अभ्यर्थियों ने अब तक आवेदन नहीं किया है, उनके लिए यह एक महत्वपूर्ण अवसर है। इसके साथ ही परीक्षा कार्यक्रम में भी बदलाव किया गया है। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार अब डीईसीई (एल.ई.)-2026 परीक्षा 17 मई 2026 को आयोजित की जाएगी। पहले यह परीक्षा बाद की तिथि पर प्रस्तावित थी, लेकिन इसे पूर्व निर्धारित समय से पहले कराने का निर्णय लिया गया है। पर्षद द्वारा जारी सूचना के अनुसार अभ्यर्थियों की योग्यता, अर्हता, परीक्षा पैटर्न और अन्य आवश्यक दिशा-निर्देश विस्तृत रूप से विवरण पुस्तिका (प्रॉस्पेक्टस) में उपलब्ध हैं, जिसे अभ्यर्थी पर्षद की आधिकारिक वेबसाइट पर देख सकते हैं। साथ ही आवेदन प्रक्रिया से जुड़ी विस्तृत जानकारी विज्ञापन संख्या- बी.सी.ई.सी.ई.बी. (डी.ई.सी.ई. (एल.ई.)-2026/01), दिनांक 18 मार्च 2026 में भी दी गई है। पर्षद ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना जल्द से जल्द आवेदन प्रक्रिया पूरी कर लें, ताकि किसी तकनीकी समस्या के कारण वे इस अवसर से वंचित न रह जाएं। स्पष्ट किया गया है कि 27 अप्रैल 2026 के बाद आवेदन की समय-सीमा में कोई और विस्तार नहीं किया जाएगा।

आईटीआईकैट-2026: आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी, अब 27 अप्रैल तक करें ऑनलाइन पंजीकरण

पटना। बिहार राज्य के सभी सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकन के लिए बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद द्वारा आयोजित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान प्रतियोगिता प्रवेश परीक्षा (आईटीआईकैट)-2026 को लेकर महत्वपूर्ण अपडेट जारी किया गया है। छात्रहित को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 25 अप्रैल 2026 से बढ़ाकर अब 27 अप्रैल 2026 कर दी गई है। पर्षद द्वारा जारी सूचना के अनुसार, आईटीआईकैट-2026 परीक्षा का आयोजन 17 मई 2026 को किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद) की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। वेबसाइट पर उपलब्ध विवरण पुस्तिका (प्रॉस्पेक्टस) में अभ्यर्थियों के लिए योग्यता, पात्रता, आवश्यक दस्तावेज एवं अन्य महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश विस्तार से दिए गए हैं। ऑनलाइन आवेदन से संबंधित विस्तृत जानकारी विज्ञापन संख्या बी.सी.ई.सी.ई.बी. (आई.टी.आई.सी.ए.टी.)-2026/01, दिनांक 15 मार्च 2026 में उपलब्ध है, जिसे अभ्यर्थी वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं। पर्षद ने स्पष्ट किया है कि 27 अप्रैल 2026 के बाद आवेदन की तिथि में किसी प्रकार का विस्तार नहीं किया जाएगा। ऐसे में अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार न करें और समय रहते ऑनलाइन पंजीकरण एवं आवेदन प्रक्रिया पूरी कर लें, ताकि किसी तकनीकी समस्या या अन्य कारणों से आवेदन करने से वंचित न रह जाएं।

'अगले महीने शादी थी, बॉयफ्रेंड ने गोली मार दी':गर्लफ्रेंड बोली- मेरे सामने खुद को किया शूट

हाजीपुर। 'पंकज शाम 7 बजे मेरे घर आया। मेरी शादी के लिए रखे 4 लाख रुपए मुझसे मांगने लगा। जब मैंने पैसे देने से इनकार किया, तो पंकज ने मुझपर गोली चला दी। पहली गोली मेरी बांह के पास से निकल गई, जिससे मैं बच गई। इसके बाद पंकज ने दूसरी गोली चलाई, जो मेरी पीठ में लग गई। गोली लगते ही मैं बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ी। इसके बाद क्या हुआ, मुझे पता नहीं है।' ये कहना है वैशाली में प्रेमी की फायरिंग से घायल हुई गंगा कुमारी का, जिसका जिले के सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है। फिलहाल, पुलिस ने युवती के बयान पर FIR दर्ज कर ली है। दरअसल, वैशाली में एक युवक ने घर में घुसकर पहले युवती को गोली मारी, फिर खुद को शूट कर लिया। युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि युवती घायल है। मृतक की पहचान पंकज सहनी (24) के रूप में हुई है।

बिहटा में ईएसआईसी अस्पताल के पास 20 चक्का ट्रक पलटा, स्क्रैप सड़क पर बिखरा, सभी सुरक्षित

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बिहटा। बिहटा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ईएसआईसी हॉस्पिटल बिहटा के समीप शनिवार सुबह करीब 10 बजे एक 20 चक्का ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। करकट (स्क्रैप) से लदा यह ट्रक जैसे ही असंतुलित हुआ, सड़क किनारे पलट गया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक काफी तेज गति में था और अचानक चालक संतुलन खो बैठा, जिसके कारण वाहन पलट गया। ट्रक के पलटते ही उसमें लदा स्क्रैप सड़क पर फैल गया, जिससे कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया। हादसे के तुरंत बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और चालक को सुरक्षित बाहर निकाला। लोगों की तत्परता के कारण स्थिति जल्दी नियंत्रण में आ गई और किसी बड़े नुकसान को टाल लिया गया। दुर्घटना के समय आसपास से गुजर रहे अन्य वाहन भी बाल-बाल बच गए। घटना की सूचना मिलते ही बिहटा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। थाना प्रभारी अमित कुमार ने पुष्टि की कि हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए यातायात को सामान्य कराया और पलटे हुए ट्रक को हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी।

आरपीएस गर्ल्स पब्लिक स्कूल, दानापुर में "फूड डे" का आयोजन, बच्चों ने सीखा फलों का महत्व

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

दानापुर। दानापुर स्थित आरपीएस गर्ल्स पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को "फूड डे" का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाध्यापिका Madhu Thakur ने रिबन काटकर किया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर रंग-बिरंगे सजावट और बच्चों की रचनात्मक प्रस्तुतियों से उत्सवमय नजर आया।

बाल वाटिका से लेकर प्रथम कक्षा तक के विद्यार्थियों ने आम, संतरा, सेब, अंगूर, अनानास, केला और पपीता जैसे फलों के आकर्षक चार्ट और मॉडल तैयार किए। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि कई बच्चे विभिन्न फलों की वेशभूषा में नजर आए, जिससे माहौल और भी जीवंत हो गया। बच्चों ने सरल और रोचक अंदाज में फलों के सेवन से होने वाले स्वास्थ्य लाभों की जानकारी प्रस्तुत की, जिसे अभिभावकों और शिक्षकों ने सराहा।

इस दौरान बच्चों ने अपने लंच में भी फलों को शामिल किया, जिससे उन्हें संतुलित और पौष्टिक आहार के प्रति प्रेरित किया गया। प्रधानाध्यापिका मधु ठाकुर ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए फलों का नियमित सेवन बेहद आवश्यक है और इसे दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों ने भी बच्चों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। "फूड डे" के आयोजन ने बच्चों में न केवल ज्ञानवृद्धि की, बल्कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी विकसित की।

बच्ची की हत्या के 2 दिन बाद चप्पल बरामद

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। पटना में छठी कक्षा की एक छात्रा का अपहरण हुआ था, जिसके बाद उसकी हत्या कर दी गई थी। बच्ची का शव उसके घर से करीब 500 मीटर दूर एक गली में कंबल में लिपटा हुआ मिला। मामला बाईपास थाना क्षेत्र का है। मृतका रोशनी कुमारी (10) है। जो बुधवार सुबह से लापता थी। पुलिस जांच कर रही है, लेकिन 48 घंटे बीत जाने के बाद भी हत्या कारण पता नहीं है।

वारदात के दो दिन बाद शनिवार को पुलिस के हाथ बड़ा सुराग लगा है। पुलिस को जहां शव मिला था, वहां से करीब 200 मीटर दूर कचरे में बच्ची की चप्पल, खून से सना फुल पैंट, रुमाल और चादर बरामद किया है। इसके अलावा जहां चप्पल मिली वहां से 50 मीटर दूर पुलिस ने हत्यारे को भी गिरफ्तार किया है। वो एक घर में छिपा हुआ था। पुलिस 4 संदिग्धों को भी हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। रविवार को पटना के वरीय आरक्षी अधीक्षक पीसी कर मामले का खुलासा कर सकते हैं। वहीं, शुक्रवार शाम पटना सिटी में सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कैंडल जुलूस निकालकर अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने और कड़ी सजा दिलाने की मांग की थी।

अपहरण के दिन ही हत्या की आशंका: पुलिस का मानना है कि बच्ची का अपहरण 22 तारीख को हुआ और उसी दिन उसकी हत्या कर दी गई। आशंका है कि अपराधी शव को कहीं और ठिकाने लगाने की फिराक में थे, लेकिन पुलिस की सक्रियता के कारण जल्दबाजी में शव को गली में फेंककर फरार हो गए। पुलिस को आशंका है कि इस वारदात के तार आसपास के लोगों से जुड़े हो सकते हैं। फिलहाल हिरासत में लिए गए युवकों से पूछताछ जारी है और पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है।

गुस्साए परिजन और स्थानीय लोग सड़क पर उतरे: शव मिलने के बाद गुस्साए परिजनों और स्थानीय लोगों में पटना-फतुहा सड़क जाम कर दिया था और टायर जलाकर हंगामा करने लगे थे।

जहानाबाद में दरधा नदी सफाई अभियान शुरू, हर शनिवार होगी विशेष सफाई; प्रशासन ने लोगों से मांगा सहयोग

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

जहानाबाद। जिले से गुजरने वाली दरधा नदी को स्वच्छ और प्रदूषणमुक्त बनाने के लिए प्रशासन ने विशेष अभियान की शुरुआत की है। जिला पदाधिकारी सह जिला गंगा समिति के अध्यक्ष के निर्देश पर अब हर शनिवार नदी किनारों की नियमित सफाई की जाएगी। यह अभियान अगले आदेश तक लगातार जारी रहेगा। जिला गंगा समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के बाद नगर परिषद जहानाबाद को साफ-सफाई की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कार्यपालक पदाधिकारी को निर्देश दिया गया है कि नदी किनारे स्थित सभी वार्डों में नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए। खास तौर पर वार्ड संख्या-18 स्थित जाफरगंज पुल के समीप संगम घाट सहित उन क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जा रही है, जहां से नदी गुजरती है। निर्देशों के अनुपालन में सफाई निरीक्षक रौशन कुमार को प्रत्येक शनिवार सफाई कार्य सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है। नगर परिषद की टीम ने अभियान की शुरुआत कर दी है और अब तय कार्यक्रम के तहत नियमित रूप से नदी किनारों की सफाई की जाएगी। शनिवार को वार्ड संख्या-18 में विशेष सफाई अभियान चलाकर इसकी औपचारिक शुरुआत की गई। इस दौरान जिला परियोजना पदाधिकारी अमित कुमार भी मौके पर मौजूद रहे और सफाई कार्य का निरीक्षण किया। टीम ने नदी किनारे जमा कचरे को हटाया और आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ बनाया। अभियान के दौरान यह भी पाया गया कि कुछ नारियल पानी विक्रेता और अन्य दुकानदार नदी किनारे कचरा फेंक रहे हैं। इस पर अधिकारियों ने सख्त रुख अपनाते हुए उन्हें चेतावनी दी और भविष्य में ऐसा करने पर कार्रवाई की बात कही। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नदी को गंदा करने वालों के खिलाफ दंडात्मक कदम उठाए जाएंगे। सिर्फ सफाई ही नहीं, बल्कि जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। स्थानीय युवाओं और स्काउट-गाइड की टीम द्वारा लोगों को नदी में कचरा न डालने और स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

लोगों को बताया जा रहा है कि नदी की स्वच्छता सीधे तौर पर पर्यावरण और स्वास्थ्य से जुड़ी हुई है। नगर परिषद ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे इस अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। प्रशासन का कहना है कि केवल सरकारी प्रयासों से ही नदी को साफ रखना संभव नहीं है, इसके लिए जनसहभागिता बेहद जरूरी है।

कसौली की वादियों में आईटीआई कर्मचारियों का राष्ट्रीय महाकुंभ

पटना। ऑल इंडिया यूनाइटेड फेडरेशन ऑफ गवर्नमेंट आईटीआई एम्प्लाइज एसोसिएशन्स का दो दिवसीय चतुर्थ त्रिवार्षिक सम्मेलन 23 और 24 अप्रैल को शिवालिक होटल, कसौली में भव्य एवं गरिमामयी वातावरण में सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में देशभर के विभिन्न राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से आए प्रतिनिधियों ने भाग लिया और आईटीआई कर्मचारियों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर व्यापक चर्चा की। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात फेडरेशन के पूर्व राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष स्वर्गीय एम.के. अग्रवाल की पावन स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वक्ताओं ने कहा कि स्व. अग्रवाल का फेडरेशन एवं कौशल विकास क्षेत्र में अतुलनीय योगदान रहा है, जिसे सदैव स्मरण किया जाएगा। सम्मेलन की अध्यक्षता मेजर विजय कुमार ने की, जबकि पूर्व प्रिंसिपल श्री बृजलाल (हरियाणा) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि द्वारा नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का मंच संचालन राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व प्रिंसिपल, राजकीय आईटीआई भारापुर (अम्बाला) श्री विनोद शेखावत द्वारा अत्यंत प्रभावशाली एवं सुव्यवस्थित ढंग से किया गया। सम्मेलन में आगामी तीन वर्षों के रोडमैप पर गहन मंथन किया गया। इसमें "एक देश, एक पदनाम" लागू करने, अनुदेशक एवं वर्ग अनुदेशक के लिए आठवें वेतन आयोग के अनुरूप वेतन उन्नयन, सभी राज्यों में एक समान सेवा नियम लागू करने, पदोन्नति की पारदर्शी एवं समयबद्ध नीति सुनिश्चित करने तथा आठवें वेतन आयोग के समक्ष आईटीआई कर्मचारियों के वेतन उन्नयन हेतु एक सशक्त एवं ठोस प्रतिवेदन भेजने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर सहमति बनी।

बिहार सरकार

बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद

आई0ए0एस0संघ भवन, पटना हवाई अड्डा के निकट, पटना-14.

Website : bceceboard.bihar.gov.in / Helpdesk : helpdesk.bceceboard@bihar.gov.in

डिप्लोमा प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा [पार्श्विक प्रवेश] – 2026
D.E.C.E. (L.E.)-2026

विज्ञापन संख्या-बी.सी.ई.सी.ई.बी.(डी.ई.सी.ई.[LE])-2026/03 दिनांक- 25.04.2026

नामांकन से सम्बन्धित आवश्यक सूचना

सर्व साधारण एवं डिप्लोमा प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा (पार्श्विक प्रवेश) [DECE(LE)]-2026 से सम्बन्धित सभी अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि विज्ञापन संख्या-बी.सी.ई.सी.ई.बी.(डी.ई.सी.ई.(एल.ई.)- 2026/01 एवं 2026/02 दिनांक- 18.03.2026 के अनुसार DECE(LE)-2026 की परीक्षा में सम्मिलित होने के लिये Online आवेदन आमन्त्रण की अंतिम तिथि 23.04.2026 निर्धारित था। **छात्रहित एवं अपरिहार्य कारणों से DECE(LE)-2026 से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तिथियाँ निम्नवत् विस्तारित एवं परिवर्त्तित किया जाता है;**

तद्नुसार Online Registration Closing Date 27.04.2026 तक विस्तारित की जाती है एवं परीक्षा की तिथि Preponed करते हुए दिनांक 17.05.2026 निर्धारित किया जाता है। DECE(LE)-2026 की महत्वपूर्ण तिथियाँ निम्नवत् है;

(i) Online Registration Closing Date : **27.04.2026 (10.00 PM)**
(ii) Last date of payment through Net Banking/ Debit Card/ Credit Card/ UPI after submission of the Online Application Form of Registered Candidate : **27.04.2026 (11.59 PM)**
(iii) Online Editing of Application Form : **29.04.2026 to 30.04.2026**
(iv) Uploading of Online Admit Card : **11.05.2026**
(v) Proposed Date of Examination : **17.05.2026**

(2) दिनांक 27.04.2026 तक पूर्णरूपेण भरे गये आवेदन में यदि किसी अभ्यर्थी के आवेदन के डाटा में कोई त्रुटि रह जाती है तो वे अपने भरे हुए Data को दिये गये उपरोक्त कार्यक्रम अनुसार Edit कर त्रुटि सुधार कर सकते हैं। इसके बाद त्रुटि सुधार का मौका नहीं दिया जायेगा।
(3) उपरोक्त के अतिरिक्त पूर्व प्रकाशित विज्ञापन की अन्य सभी सूचनाएँ / शर्त्तें यथावत रहेंगी।
(4) सभी सम्बन्धित को निदेश दिया जाता है कि परीक्षा से सम्बन्धित अद्यतन जानकारी हेतु पर्षद के website **bceceboard.bihar.gov.in** के सम्पर्क में रहें।

परीक्षा नियंत्रक

बिहार सरकार

बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद

आई0ए0एस0संघ भवन, पटना हवाई अड्डा के निकट, पटना-14.

Website : bceceboard.bihar.gov.in / Helpdesk : helpdesk.bceceboard@bihar.gov.in

विज्ञापन संख्या-बी.सी.ई.सी.ई.बी.(आई.टी.आई.सी.ए.टी.)-2026/04 दिनांक- 25.04.2026

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान प्रतियोगिता प्रवेश परीक्षा (ITICAT)-2026
Industrial Training Institute Competitive Admission Test (I.T.I.C.A.T.)-2026

Online आवेदन-पत्र भरने से सम्बन्धित आवश्यक सूचना

सर्व साधारण एवं औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान प्रतियोगिता प्रवेश परीक्षा-2026 से सम्बन्धित सभी अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि विज्ञापन संख्या-बी.सी.ई.सी.ई.बी.(आई.टी.आई.सी.ए.टी.)- 2026/01 एवं 2026/02 दिनांक- 15.03.2026 एवं 2026/03 दिनांक- 10.04.2026 के अनुसार ITICAT-2026 की परीक्षा में सम्मिलित होने के लिये Online आवेदन आमन्त्रण की अंतिम तिथि 25.04.2026 निर्धारित है। **छात्रहित में ITICAT-2026 से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तिथियाँ निम्नवत् विस्तारित किया जाता है;**

(i) Online Registration Closing Date : **27.04.2026 (10.00 PM)**
(ii) Last date of payment through Net Banking/ Debit Card/ Credit Card/ UPI after submission of the Online Application Form of Registered Candidate : **27.04.2026(11.59 PM)**
(iii) Online Editing of Application Form : **29.04.2026 to 30.04.2026**
(iv) Uploading of Online Admit Card : **10.05.2026**
(v) Proposed Date of Examination : **17.05.2026**

(2) दिनांक 27.04.2026 तक पूर्णरूपेण भरे गये आवेदन में यदि किसी अभ्यर्थी के आवेदन के डाटा में कोई त्रुटि रह जाती है तो वे अपने भरे हुए Data को दिये गये उपरोक्त कार्यक्रम अनुसार Edit कर त्रुटि सुधार कर सकते हैं। इसके बाद त्रुटि सुधार का मौका नहीं दिया जायेगा।
(3) उपरोक्त के अतिरिक्त पूर्व प्रकाशित विज्ञापनों की अन्य सभी सूचनाएँ / शर्त्तें यथावत रहेंगी।
(4) सभी सम्बन्धित को सूचित किया जाता है कि परीक्षा से सम्बन्धित अद्यतन जानकारी हेतु पर्षद के website **bceceboard.bihar.gov.in** के सम्पर्क में रहें।

परीक्षा नियंत्रक

संक्षिप्त समाचार

कुत्तों का आतंक पांच लोगो को काट किया लहू लुहान

कोचस (रोहतास)। स्थानीय थाना क्षेत्र के विभिन्न गांव में कुत्ते के काटने से एक युवती समेत पांच लोग जख्मी हो गए। इसकी जानकारी देते हुए डॉक्टर अविनाश कुमार ने बताया कि शनिवार के दिन एक युवति समेत पांच लोगों को कुत्ते ने काट लिया था जो उपचार के लिए कोचस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे जिन्हें उपचार के बाद रैबिज का इंजेक्शन तथा दवाइयां दे सभी को घर वापस भेज दिया गया। जख्मी लोगो मे विवेक कुमार उम्र 7 वर्ष,दुर्गा कुमारी उम्र 10 वर्ष,सत्येंद्र यादव 46 वर्ष,गुड्डु सोनी 25 वर्ष शामिल है यह सभी ग्राम परसिया थाना कोचस के बताये गए है जबकि आदर्श कुमार कोचस नगर पंचायत के रहने वाले बताए गए हैं।

लू के चपेट मे आने से दो गंभीर रूप से बीमार, इलाज रत

कोचस (रोहतास) भीषण लू की चपेट में आने से लोग बीमार पड़ रहे हैं। बुजुर्गों को सबसे अधिक खतरा हो रहा है। वे लोग लू की चपेट में आ रहे हैं, जो लंबे वक्त से बाहर रह रहे हैं। वहीं लू के चपेट मे आने से शनिवार को एक महिला समेत दो लोग गंभीर रूप से बीमार हो गए। इसकी जानकारी देते हुए डॉक्टर अविनाश कुमार ने बताया कि लोक के चपेट में आने से एक महिला तथा एक पुरुष को परिजनों द्वारा इलाज के लिए बीएससी लाया गया जहां इमरजेंसी में भर्ती कर उपचार किया गया। बीमार में 45 वर्षीय उषा देवी ग्राम कोचस की बताई गई है जबकि रमेश कुमार सासाराम के बताए गए हैं। डॉ विनाश कुमार ने यह भी बताया कि स्थिति में सुधार आने के बाद दवाइयां दे सभी को सुरक्षित घर भेज दिया गया है।

सासाराम शहर में नया लाइन बनाने हेतु 11 केवी मिनी फीडर का विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

सासाराम /रोहतास। विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, सुरक्षित एवं निर्बाध बनाने के उद्देश्य से 11 केवी लाइन स्ट्रिंगिंग का महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में विद्युत शक्ति उपकेंद्र बेदा से निकलने वाले 11 केवी मिनी फीडर (सासाराम) को आवश्यक तकनीकी कार्य संपन्न करने के लिए अस्थायी रूप से विद्युत आपूर्ति बाधित की जाएगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, डीएम कार्यालय का नया लाइन बनने हेतु 26 अप्रैल 2026 (रविवार) को सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक निर्धारित किया गया है। निर्धारित समयावधि के दौरान संबंधित फीडर से जुड़े क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति पूर्णतः बाधित रहेगी। कार्य पूर्ण होते ही विद्युत आपूर्ति को यथाशीघ्र बहाल कर दिया जाएगा। सहायक विद्युत अभियंता सासाराम (शहरी) रंजन कुमार ने बताया कि यह लाइन स्ट्रिंगिंग कार्य भविष्य में बेहतर वोल्टेज, कम ट्रिपिंग तथा निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे उपभोक्ताओं को दीर्घकालीन लाभ मिलेगा और बिजली व्यवस्था अधिक विश्वसनीय बनेगी। विद्युत विभाग द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों एवं तकनीकी टीमों को समयबद्ध एवं सुरक्षित तरीके से कार्य संपन्न करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि शटडाउन की अवधि को न्यूनतम रखा जा सके और आम उपभोक्ताओं को कम से कम असुविधा हो। विद्युत विभाग ने आम उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे निर्धारित समय के दौरान सहयोग प्रदान करें तथा आवश्यकतानुसार वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित कर लें। विभाग द्वारा असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हुए आश्वस्त किया गया है कि यह कार्य जनहित में किया जा रहा है और भविष्य में बेहतर सेवा प्रदान करने में सहायक होगा।

भगवान के भजन से भक्त को मिलता है सत्कार : जगतगुरु

सीतामढ़ी : सीता प्राकट्य के अवसर पर जानकी नवमी के शुभ दिन जगतगुरू तुलसीपीठाधीश्वर श्री रामभद्राचार्य जी द्वारा श्री रामकथा में सीता प्राकट्य उत्सव मनाया गया। मुख्य यजमान जानकी नंदन पाण्डेय सुशील सुंदरका सपत्नीक गुरु पूजन चरण पादुका पूजन एवं व्यास पूजन किए। जगतगुरू ने कहा सीता जन्मभूमि पुनौरा धाम ही है। भगवती सीता इसी विशिष्ट पुण्यारण्य पुण्यभूमि पुनौरा धाम से प्रकट ली। जगतगुरू ने सीता कुंड पर हुए भव्य आरती के अनुभव को साझा किए। युवराज राम चंद्र दास, संत डॉ शुकदेव दास, महंत कौशल किशोर दास एवं उत्तराधिकारी महंत राम कुमार दास के संग सीता कुंड आरती पूजन किए। बधाई और सोहर का गायन खूब आनंद विभोर होकर गाए। उन्होंने कहा भव्य सीता मंदिर में बाल स्वरूप सीता की स्थापना किया जाए। भगवान के भजन से भक्त को सत्कार मिलता है। जबकि संसार से प्रेम करने से तिरस्कार मिलता है। राघव सरकार से संबंध हो जाए तो भवसागर पार हो जाता है। सीता अपनी भक्ति की शक्ति से राघव प्रेम से हृदय को बांध देती है। भगवान के भजन का नाश नहीं होता है, जबकि भोजन का नाश होता है। भजन के बीज नष्ट नहीं होते है। सीता आद्य आचार्य है। जिनके शरण में रहने से भक्ति व ज्ञान मिलता है। सीता जी के चरणों में बार बार शीश नवाए प्रणाम करे उनसे स्नेह लगाए। उन्होंने कहा मुझे उर्दू छोड़कर सभी भाषाओं से स्नेह है प्रेम है। मिथिला में मैथिली अवध का अवधी भोजपुरी सब भाषा प्रिय है।

शिवहर में ब्रह्माकुमारियों का मूल्यनिष्ठ शिक्षा अभियान जारी

शिवहर। जिले में ब्रह्माकुमारियों द्वारा मूल्यनिष्ठ शिक्षा अभियान के तहत बच्चों को नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा देने का कार्य लगातार जारी है। इस अभियान के माध्यम से सरकारी एवं निजी स्कूलों में विद्यार्थियों को योग, संस्कार और जीवन मूल्यों की शिक्षा दी जा रही है। जानकारी के अनुसार, ब्रह्माकुमारियों के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा संचालित विभिन्न प्रभागों में शिक्षा प्रभाग के अंतर्गत यह कार्यक्रम देशभर में चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शिवहर स्थित सेवा केंद्र के माध्यम से भी यह पहल स्थानीय स्तर पर प्रभावी रूप से संचालित हो रही है। सेवा केंद्र प्रभारी बीके मनीषा दीदी एवं उनकी सहयोगी बहनों द्वारा जिले के विभिन्न विद्यालयों में जाकर विद्यार्थियों को मूल्यनिष्ठ शिक्षा दी जा रही है। शिक्षा सत्र की शुरुआत से पहले कक्षा को योग से सकारात्मक वातावरण प्रदान किया जाता है, इसके बाद विशेष शैली में बच्चों को नैतिक शिक्षा एवं जीवन मूल्यों की जानकारी दी जाती है।

सड़क दुर्घटना में पांच लोग हुए घायल

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

♦ शादी समारोह में जा रहे लोग वाहन पेड़ से टकराई
♦ शादी समारोह में जा रही गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त

डेहरी (रोहतास)। जिले के आयर कोठा थाना क्षेत्र से है जहां शादी समारोह में ब्रेजा गाड़ी से शामिल होने जा रहे गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई गाड़ी पर सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाने के पुलिस मौके पर पहुंचे।घटना की पुष्टि करते हुए आयर कोठा थाना अध्यक्ष शिवम कुमार ने बताया कि आज शनिवार के दिन दोपहर 2:00 बजे थाना क्षेत्र अंतर्गत आयर कोठा पुल के समीप मुख्य सड़क पर चार चक्का वाहन ब्रेजा गाड़ी JH0 1EZ4722 सड़क किनारे पेड़ में टक्कर मार दी। गाड़ी पर सवार सभी लोग रांची से एक तिलक समारोह में शामिल होने ग्राम नगवा थाना सिमरी जिला बक्सर जा रहे थे। तभी ड्राइवर को झपकी लगने के कारण आयर कोठा पुल के समीप मुख्य सड़क से हटकर सड़क किनारे पेड़ में टकरा गई। दुर्घटना के बाद सभी को मामूली चोटें आई हैं एक बच्ची को ज्यादा चोटें आई है सभी को इलाज के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेजा गया है जहां उनका इलाज चल रहा है। इस दुर्घटना में मीना देवी उम्र 55 वर्ष, आयुष्मान सिंह उम्र 8 वर्ष, जिया सिंह उम्र 8वर्ष, चांदनी कुमारी उम्र 35 वर्ष, रामाशीष सिंह उम्र 55 वर्ष सभी ग्राम नगवा ,थाना सिमरी जिला बक्सर के रहने वाले शामिल हैं। स्थानीय पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए भेजते हुए दुर्घटनाग्रस्त वहां को जप्त कर थाने ले गई।

काली पूजा के वार्षिकोत्सव पूजा पर भक्तों का उमड़ा जन सैलाब

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

कोचस (रोहतास) प्रखंड क्षेत्र के बलथरी गांव में वार्षिक काली पूजा की गयी जिसमें लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। प्रत्येक घर के सदस्य सुबह से हीं पूजा की थाली व बाल्टी में जल लेकर गांव से पूर्व बनी काली मंदिर में पानी देने के लिए पहुंचना शुरू कर दिए।दोपहर में गांव के सभी बच्चे बुजुर्ग एवं महिलाये पूजा करने के लिए काली मंदिर पहुँचे। महिलाये घंटो पारम्परिक गीत निमिया की डाढ़ मईया लावेली झुलुहवा हो की झूली रे झूली न मईया मोरी गवेली गीतिया आदि गाकर माहौल भक्तिमय बना दिया।काली पूजा करा रहे आचार्य लोकेश पाण्डेय, नागेंद्र मिश्रा, उमेश मिश्रा ने बताया की बैशाख माह के शुक्लपक्ष के प्रतिपदा के दिन गांव के तरफ से मंदिर में दुर्गा शप्तशती की पाठ शुरू किया गया था जो आज हवनपूजन व प्रसाद वितरण के साथ पूर्णाहुति की गयी। प्रतिपदा से हीं पूरे गांव के रसोईघर में लहसुन प्याज़ तक वर्जित हो जाती है और शुद्धता व पवित्रता के साथ लोग रहते हैं। आज घर घर में कलश रख मां शीतला की पूजा की जाती है। मुख्य यजमान फूलचंद साह, सुरेन्द्र गुप्ता ने बताया की वार्षिक पूजा से गांव में सुख समृद्धि व शांति बनी रहती है। कोई रोग ब्याद्धा नहीं होता है।निरंजन पाण्डेय, रंजन पाण्डेय, ठाकुर सिंह,जयप्रकाश पाण्डेय, रमेश पाण्डेय , संजय सिंह समेत काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

अमृत आत्मा के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर मृत आत्मा को शांति के लिए 2 मिनट का मोन किया धारण

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

काराकाट / रोहतास। सामाजिक कार्यकर्ता अरुण दुबे अध्यक्ष जोन्ही पैक्स सह राष्ट्रीय अध्यक्ष मानवता सेवा संघ के पिता श्री रामलखन द्विवेदी जी परलोक सिद्धार्थ गए जिनके ब्रह्म भोज में सामाजिक कार्यकर्ता एवं संगठन के लोग जुड़ करके अमृत आत्मा के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित किया एवं मृत आत्मा को शांति के लिए 2 मिनट का मोन धारण कर प्रभु से आग्रह किया की प्रभु अपने चरण में मीत आत्मा को जगा दे मौके पर मानवता सेवा संघ राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण दुबे, महासचिव दशरथ मिश्रा, सचिव अखिलेश तिवारी, उपाध्यक्ष गुड्डु उपाध्याय, संगठन के सिपाही रविकांत तिवारी, कौशल किशोर पांडेय, अखिलेश कुमार पाठक, योगेंद्र तिवारी, श्रीकांत गिरी, पिंटू तिवारी, अनिल पांडेय, गोविंद पांडेय, रोशन चौबे, पत्रकार रजनीकांत पांडेय, पत्रकार राजीव रंजन दुबे सहित सैकड़ो लोगों ने भाग लिया।

सूर्यनारायण मंदिर प्रांगण से गौ पूजन एवं भगवान श्रीगणेश स्वरूप गजानन की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ भव्य धार्मिक अनुष्ठान का शुभारंभ हुआ

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बिक्रमगंज / रोहतास : नगर के काशी घाट स्थित श्री सूर्यनारायण मंदिर प्रांगण से शनिवार की सुबह वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ गौ पूजन एवं भगवान श्रीगणेश स्वरूप गजानन की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ भव्य धार्मिक अनुष्ठान का शुभारंभ हुआ । विद्वान आचार्यो ने मुख्य यजमान सहित अन्य यजमानों से पूरे वैदिक विधान के अनुसार पूजा संपन्न कराई, जिससे मंदिर परिसर में आध्यात्मिक वातावरण व्याप्त हो गया ।

पूजन के उपरांत निकली भव्य शोभायात्रा में हजारों की संख्या में महिला,पुरुष, वृद्ध एवं बच्चे शामिल हुए । चिलचिलाती धूप के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ । हाथों में ध्वज लिए श्रद्धालु भगवान भास्कर का जयघोष करते हुए श्री सूर्यनारायण एवं श्री लक्ष्मी नारायण भगवान के नाम का गुणगान करते रहे,जिससे पूरा नगर भक्तिमय माहौल में डूब गया । यह भव्य महामहोत्सव श्री लक्ष्मी प्रपन्न श्री जीयर स्वामी जी महाराज के सानिध्य में संपन्न हुआ । शोभायात्रा नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गो से होते हुए निकाली गई,जहां जगह-जगह श्रद्धालुओं ने श्रद्धाभाव से स्वागत किया । शोभायात्रा में शामिल हाथी, घोड़े,ऊंट,गाजे-बाजे एवं सुसज्जित रथ आयोजन की भव्यता को और बढ़ा रहे थे तथा लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहे । इस अवसर पर श्री लक्ष्मी प्रपन्न श्री जीयर स्वामी जी महाराज ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में आस्था,एकता और संस्कारों को सुदृढ़ करने का कार्य करते हैं । उन्होंने कहा कि भगवान सूर्यनारायण की आराधना से जीवन में ऊर्जा,स्वास्थ्य और सकारात्मकता का संचार होता है तथा सनातन परंपराओं को जीवंत बनाए रखने के लिए इस प्रकार के आयोजन अत्यंत आवश्यक हैं ।नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान कर दिया । श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न स्थानों पर विशेष रूप से जलपान की व्यवस्था की गई थी,जिससे लोगों को गर्मी के बीच राहत मिलती रही । पूरे आयोजन के दौरान बिक्रमगंज नगर में हर ओर आस्था,श्रद्धा और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला तथा जयघोष से गूंजता नगर एक भव्य धार्मिक उत्सव का साक्षी बना ।

अतिपिछड़ा समाज की बेटी निवेदिता मंडल जेडीयू की राष्ट्रीय सचिव मनोनीत

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

कटिहार। जनता दल (यूनाइटेड) द्वारा अतिपिछड़ा समाज की बेटी श्रीमती निवेदिता मंडल को पार्टी का राष्ट्रीय सचिव मनोनीत किये जाने पर कटिहार में उनके निज आवास पर भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जेडीयू के वरिष्ठ नेता डॉ सुशील कुमार सुमन, प्रदेश महासचिव शिवप्रकाश गाड़ोदिया, श्री नरेश शर्मा, संजय सिंह एवं अंकित सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान सभी नेताओं ने श्रीमती मंडल को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की। मौके पर उपस्थित कार्यकर्ताओं में भी खासा उत्साह देखने को मिला।

कटिहार में हुआ सम्मान समारोह

इस अवसर पर जेडीयू राजनीतिक सलाहकार समिति के सदस्य डॉ सुशील कुमार सुमन ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने विकास के नये आयाम स्थापित किये हैं। उन्होंने कहा कि अब पार्टी संगठन में भी सभी वर्गों और कार्यकर्ताओं को उचित सम्मान देने का कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि निवेदिता मंडल की यह नियुक्ति न सिर्फ कटिहार बल्कि पूरे सीमांचल क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। इससे साधारण कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा और संगठन को और मजबूती मिलेगी।

डॉ सुमन ने बताया कि श्रीमती मंडल लंबे समय से पार्टी से जुड़ी हुई हैं और उन्होंने संगठन के लिए समर्पित भाव से कार्य किया है। उनकी लगन, मेहनत और निष्ठा का ही परिणाम है कि पार्टी ने उन्हें इतनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।

सम्मान समारोह के दौरान उपस्थित नेताओं ने एक स्वर में कहा कि श्रीमती निवेदिता मंडल के नेतृत्व में पार्टी को और मजबूती मिलेगी तथा आने वाले समय में जेडीयू और अधिक सशक्त होकर उभरेगी।

कार्यक्रम के अंत में श्रीमती निवेदिता मंडल ने सभी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पार्टी की नीतियों और सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगी।

छत पर से गिर एलआईसी एजेंट की हुई मौत

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बिक्रमगंज/ रोहतास : शहर के आरा रोड स्थित सिलौटा मोहल्ले में शुक्रवार की रात करीब एक बजें एक 55 वर्षीय एलआईसी एजेंट प्रभाकर द्विवेदी उर्फ लल्लू द्विवेदी की मौत छत से गिरने के कारण हो गई । घटना के संबंध में बताया जाता है कि डेढगांव निवासी प्रभाकर द्विवेदी सिलौटा में अपना मकान बनाकर रहते थे । शुक्रवार को छत पर सो रहे थे । लघुशंका महसूस होने पर उठे और अचानक छत से नीचे गिर गए । जिससे वे बुरी तरह से जख्मी हो गये ।

परिजन उन्हें इलाज के लिए एक निजी क्लिनिक में भर्ती कराया । घटना की खबर मिलते ही स्थानीय पुलिस उसी रात निजी अस्पताल में पहुंच उस व्यक्ति की स्थिति का चिकित्सक से जायजा लेती रही । लेकिन गहरी चोट होने के कारण इलाज के क्रम में आखिरकार उनकी मौत हो गई । इस घटना के बाद घर में कोहराम मच गया । परिजनों में खासकर महिलाओं का रो-रोकर बुरा हाल था । पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम ले गई । थानाध्यक्ष रंजन कुमार ने बताया कि शनिवार की सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौप दिया गया । मृतक के चचेरे भाई दिवाकर द्विवेदी ने बताया कि रात में छत पर सो रहे थे । इसी क्रम में लघुशंका के लिए उठे और छत के अगले हिस्से में चले गए । उस भाग में रेलिंग नहीं होने के कारण नीचे गिर गए ।

विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर राज्य मलेरिया कार्यालय में हुई बैठक

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

♦ उपस्थित लोगों को दिलाई गयी मलेरिया उन्मूलन में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की शपथ
♦ हर वर्ष विश्व में 28 करोड़ लोग होते हैं मलेरिया से संक्रमित
♦ सशक्त अनुश्रवण एवं जांच का दायरा बढ़ा कर लगेगी मलेरिया पर लगाम

कटिहार/पटना। विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर शनिवार को राज्य मलेरिया कार्यालय में अपर निदेशक सह राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी,वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम की अध्यक्षता में मलेरिया विभाग के अधिकारीयों,कर्मियों एवं पिरामल स्वास्थ्य एवं सिफार के प्रतिनिधि साथ बैठक आयोजित की गयी।बैठक में राज्य में मलेरिया की स्थिति, किये जा रहे काम और उन्मूलन के लिए रणनीति बनाने पर चर्चा की गयी। बैठक में अपर निदेशक सह राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी,वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के साथ डॉ. रविशंकर प्रसाद सिंह,वरीय क्षेत्रीय निदेशक,स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,भारत सरकार,डॉ.राजेश पांडेय,स्टेट एनटीडी कोऑर्डिनेटर,विश्व स्वास्थ्य संगठन, राज्य मलेरिया कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मी तथा पिरामल स्वास्थ्य एवं सिफार के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अपर निदेशक सह राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम ने कहा कि मलेरिया के केसेस और इससे होने वाली मृत्य को कम कर 2030 तक मलेरिया उन्मूलन का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इसके लिए राज्य में कार्यक्रम का सघन अनुश्रवण किया जा रहा है और जांच की संख्या बढ़ाने पर बल दिया जा रहा है।डॉ. रविशंकर प्रसाद सिंह,वरीय क्षेत्रीय निदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने कहा कि मलेरिया उन्मूलन के लिए जन भागीदारी जरुरी है।सभी के सहयोग एवं आपसी समंवय से मलेरिया मुक्त भारत का स्वपन साकार हो सकता है। डॉ. राजेश पांडेय,स्टेट एनटीडी कोऑर्डिनेटर,विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बताया कि प्राप्त आंकड़ों के अनुसार हर वर्ष विश्व के 28 करोड़ लोग मलेरिया से संक्रमित होते हैं। उन्होंने कहा कि मलेरिया के इन्सिडेन्स 90 प्रतिशत तक कम करना है।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय कुम्हला में छात्र-छात्राओं को पाठ्य पुस्तक मिलते ही चेहरे पर एक नई मुस्कान देखने को मिला

विद्यालय में बेहतर पढ़ाई के साथ-साथ अनुशासन का पाठ पढ़ाया जाता है : रविन्द्र कुमार मिश्र

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

कटिहार। जिले के कदवा प्रखंड अंतर्गत धपरसिया पंचायत स्थित में उत्क्रमित मध्य विद्यालय कुम्हला में पठन-पाठन करने वाले छात्र-छात्राओं के बीच पाठ्य पुस्तक वितरण किया गया। पाठ्य पुस्तक वितरण से पूर्व पिछले दिनों विद्यालय में हुए वार्षिक परीक्षा का परिणाम भी घोषित किया गया। वर्ग 8 में पठन-पाठन करने वाले

छात्र-छात्राओं को सम्मान पूर्वक परित्याग प्रमाण पत्र दिया गया। वर्ग एक,वर्ग दो,वर्ग तीन, वर्ग 6 में नामांकन प्रारंभ हो गया है। बड़ी संख्या में बच्चों के साथ अभिभावक विद्यालय आते हैं और अपने-अपने बच्चों का नामांकन करवा रहे हैं। इस क्षेत्र में उत्क्रमित मध्य विद्यालय कुम्हला में बेहतर पढ़ाई के साथ-साथ अनुशासन का पाठ पढ़ाया जाता है। विद्यालय में अच्छे-अच्छे शिक्षक- शिक्षिकाएं है,जो बच्चों के हित में लगे रहते हैं।प्रधानाध्यापक कुशल व्यवहार के साथ-साथ कुशल प्रशासक भी हैं। प्रधानाध्यापक शिक्षक-शिक्षिकाओं के अच्छा तालमेल रखते हुए विधालय का संचालन कर रहे हैं। सभी बच्चों को एक समान देखते हैं।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय कुम्हला के प्रधानाध्यापक रविंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि वर्ग एक में 29, वर्ग 2 में 39, वर्ग 3 में 56, वर्ग 4 में 43, वर्ग 5 में 67, वर्ग 6 में 44, वर्ग 7 में 60, वर्ग 8 में 50 छात्र-छात्राओं पिछले दिनों रिजल्ट जारी कर प्रगति पत्रक वितरण किया गया। वर्ग 8 में पठन-पाठन करने वाले 50 छात्र-छात्राओं को सम्मान पूर्वक परित्याग प्रमाण पत्र दिया गया।

प्रधानाध्यापक रविंद्र नाथ मिश्रा ने बताया कि विद्यालय में एक समारोह का आयोजन कर छात्रों के बीच पाठ पुस्तक वितरण किया गया। वर्ग एक में 44, वर्ग 2 में 41, वर्ग 3 में 30, वर्ग 4 में 53, वर्ग 5 में 43, वर्ग 6 में 67,वर्ग सात में 42,वर्ग 8 में 54 छात्र-छात्राओं के बीच पाठ पुस्तक वितरण किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक कमल देव राम,रिंकू कुमारी,सरिता सिंह,अंजुमन आरा,आरती कुमारी,शालू कुमारी,शिक्षा सेवक सुबोध रविदास उपस्थित होकर पुस्तक वितरण में काफी सहयोग किया। छात्र-छात्राओं पाठ्य पुस्तक लेते ही काफी खुश नजर आये। पाठ्य पुस्तक मिलते ही बच्चों के चेहरे पर एक नई मुस्कान देखने को मिला।

बाल कल्याण समिति के निःवर्तमान सदस्य सह शिक्षा प्रेमी सह वरिष्ठ अधिवक्ता सह समाजसेवी प्रवीण कुमार झा ने विद्यालय पहुंचकर सभी छात्र-छात्राओं को शुभकामना दिया।साथ ही पाठ्य पुस्तक वितरण समारोह में भी भाग लिया।

केंद्र-राज्य सरकार महिलाओं के लिए काम कर रही

जीतनराम मांझी बोले- आधी आबादी हमारी लक्ष्मी, विकास की पहचान है

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गयाजी। गयाजी में हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) के प्रतिभा सम्मान समारोह में छात्रों के सम्मान हुआ। साथ ही सियासी संदेश भी साफ-साफ दिया गया। केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने जनसंख्या, महिला सम्मान और विपक्ष के बयानों पर खुलकर बात की। मांझी ने कहा कि जनसंख्या को लेकर लोगों को संकीर्ण सोच नहीं रखनी चाहिए। हर बच्चा सिर्फ पेट लेकर नहीं आता, वह अपना भाग्य लेकर आता है। हालांकि, उन्होंने तुरंत संतुलन भी साधा। बोले कि हम जनसंख्या वृद्धि का समर्थन नहीं कर रहे, लेकिन समाज को इस मुद्दे पर अपनी सोच बदलनी होगी। किसी समय मे बड़ी आबादी के साथ विश्व गुरु था। यह बयान ऐसे वक्त आया है जब देश में जनसंख्या नियंत्रण को लेकर लगातार राजनीतिक चर्चा तेज है।

केंद्र और राज्य सरकार महिलाओं के लिए काम कर रही: कार्यक्रम में उन्होंने पप्पू यादव के हालिया बयान पर भी प्रतिक्रिया दी। साफ कहा कि जहां भी महिला के खिलाफ कोई बोलेगा, हम उसका विरोध करेंगे। महिला हमारी संस्कृति है, , हमारी लक्ष्मी है।" मांझी ने इसे सीधे-सीधे NDA सरकार की नीति से जोड़ा।

कहा कि केंद्र और राज्य सरकार महिलाओं को आगे लाने के लिए लगातार काम कर रही है। जब उनसे पूर्व विधायक व एमएलसी रही रमणिका गुप्ता की किताब 'आपहुदरी' में पुरुष नेताओं पर लगाए गए आरोपों को लेकर सवाल हुआ, तो मांझी ने पुराने विवादों से दूरी बनाई। इन्होंने कहा है कि "उस समय क्या हुआ, इस पर हम कुछ नहीं कह सकते। पहले महिलाओं की संख्या राजनीति में कम थी। अब महिलाएं मजबूत हैं, बड़ी संख्या में हैं और जवाब देने में सक्षम हैं। पुरानी बातों को कुरेदने से बेहतर है आगे की बात करें।

मंच से मांझी ने एक मानवीय पहल भी दिखाई। उन्होंने छात्रा प्रियंका कुमारी की पढ़ाई की पूरी जिम्मेदारी लेने का ऐलान किया। कहा कि वह जितना पढ़ना चाहती है, हम उसे पढ़ाएंगे। यह घोषणा कार्यक्रम में मौजूद लोगों के बीच चर्चा का केंद्र बन गई। साथ ही उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सुमन को बड़ा सुझाव दिया। कहा कि प्रतिभा सम्मान समारोह को बिहार स्तर पर पटना में कीजिए। पैसों की जरूरत हो तो हम देंगे। दस लाख रुपये की मदद करेंगे। इसे पार्टी के विस्तार और संगठन को मजबूत करने की रणनीति के तौर पर भी देखा जा रहा है।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मैट्रिक पास छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। मंच पर प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह, अतरी विधायक रोमित कुमार, इमामगंज विधायक दीपा मांझी और बाराचट्टी विधायक ज्योति मांझी समेत कई नेता मौजूद रहे। इसी दौरान एक हल्का सियासी और पारिवारिक रंग भी दिखा। कार्यक्रम में गीत की प्रस्तुति के दौरान मांझी ने अपनी समधन और विधायक ज्योति मांझी को एक हजार रुपये भेंट किए। गीत की प्रस्तुति ज्योति मांझी ने दी थी।

संक्षिप्त समाचार

गयाजी में बहन की हत्या मामले में आरोपी भाई गिरफ्तार, पूछताछ में बताया- आचरण को लेकर शक था

गयाजी। गयाजी में भाई ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर बहन को मार डाला। उसके आचरण पर शक था, जिसके बाद उसने हत्या की साजिश रची। महिला का शव सिंगरा स्थान पहाड़ी के पास मिला था। पुलिस ने मुख्य आरोपी भाई को गिरफ्तार कर लियाहै। बाइक और मोबाइल बरामद हुआ है। डीएसपी धर्मेंद्र भारती ने बताया कि घटना 4 अप्रैल 2026 की है। रामपुर थाना को सूचना मिली थी कि पहाड़ी के पास एक महिला की हत्या कर शव फेंक दिया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। इलाके को घेरा गया। साक्ष्य सुरक्षित किए थे। शव को पोस्टमार्टम के लिए एएनएमसीएच भेजा गया। इस मामले में रामपुर थाना कांड संख्या 193/26 दर्ज कर जांच शुरू हुई। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक ने स्पेशल टीम बनाई। टीम का नेतृत्व नगर-2 के डीएसपी को दिया गया। रामपुर थाना पुलिस और तकनीकी शाखा को भी इसमें जोड़ा गया। इसके बाद लगातार छापेमारी शुरू हुई। आखिरकार पुलिस ने एक आरोपी को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान शंकर कुमार के रूप में हुई है। वह शेरघाटी थाना क्षेत्र के दक्षिण खाप गांव का रहने वाला है। पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासा हुए। आरोपी ने बताया कि शादीशुदा बहन के आचरण को लेकर वह नाराज था। उसे लगा कि इससे परिवार की समाज में बदनामी हो रही है। इसी गुस्से में उसने अपने साथियों के साथ मिलकर साजिश रची। पुलिस के मुताबिक, आरोपी अपनी बहन को बहला-फुसलाकर सिंगरा स्थान ले गया। वहां गले में रस्सी डालकर उसकी हत्या कर दी। चेहरा पर तेजाब डाल दिया था। इसके बाद शव को झाड़ियों में फेंक दिया। इसके बाद सभी मौके से फरार हो गए। वारदात में शामिल आरोपियों की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही बाकी आरोपियों को भी पकड़ लिया जाएगा।

ससुराल में दामाद की संदिग्ध मौत, पुलिस हिरासत में पत्नी, सास-ससुर, भाई ने गला घोंटकर हत्या का लगाया आरोप

नालन्दा। नालंदा में ससुराल में संदिग्ध हालत में युवक की मौत हो गई। परिजनों ने सास-ससुर और पत्नी पर गला दबाकर मारने का आरोप लगाया है। मृतक विश्वविजय (21) थरथरी के गुलरिया बीघा गांव का रहने वाला था। गुजरात में स्पोर्ट्स कंपनी में काम करता था। छह दिन पहले ही घर लौटा था। घटना अमेरा खरज्मा की है। भाई विष्णु कुमार ने बताया कि मेरी भाभी स्वीटी कुमारी मुंडन संस्कार के बहाने जबरन अपने मायके ले गई थी शुक्रवार रात करीब 12 बजे ससुराल वालों ने फोन करके बताया कि विश्वविजय के मुंह से खून निकल रहा है। उसे अस्पताल लेकर जा रहे हैं। जब बिहार शरीफ सदर अस्पताल पहुंचे, तो वहां का नजारा हृदय विदारक था। शव बाहर में लावारिस हालत में पड़ा हुआ था। वहां कोई नहीं था। पति-पत्नी के बीच लंबे समय से अनबन चल रही थी। गुजरात में रहने के दौरान भी दोनों के बीच अक्सर फोन पर विवाद होता था। पत्नी का किसी अन्य युवक के साथ संबंध था, जिसके कारण इस साजिश को अंजाम दिया गया। विश्वविजय शांत स्वभाव का था। किसी भी तरह के नशे की लत नहीं थी। उसे साजिश के तहत मारा गया है। वहीं, इस संबंध में डीएसपी-1 शैलजा नेबताया कि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मृतक की पत्नी, सास और ससुर को हिरासत में लिया है। तीनों से पूछताछ की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो पाएगा।

बाइक और साइकिल की टक्कर, युवक समेत 2 लोगों की मौत, बस ड्राइवर पर लापरवाही का आरोप

नालंदा। नालंदा में तेज रफ्तार बाइक और साइकिल की टक्कर हो गई। हादसे में एक युवक और बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया। जहां दोनों की मौत हो गई। घटना इस्लामपुर थाना क्षेत्र के महरोगौरैया गांव के पास की है। मृतक अमरजीत कुमार इस्लामपुर के मुखर्जी नगर मुबारकपुर के रहने वाले थे। चाचा पशुपेंद्र पंडित ने बताया कि मेरा भतीजा बाइक से जा रहा था। रास्ते में बस ने टक्कर मार दी। जिससे मेरे भतीजे की मौत हो गई,जबकि चपेट में आने से बुजुर्ग साइकिल सवार की भी जान चली गई। बस ड्राइवर की लापरवाही से हादसा हुआ है। बुजुर्ग जहानाबाद जिला के रहने वाले थे। वहीं, इस संबंध में इस्लामपुर थानाध्यक्ष अनिल कुमार पांडे का कहना है कि शुरुआती जानकारी के अनुसार बाइक सवार ने साइकिल में टक्कर मारी है। हादसे में 2 लोग घायल हुए थे। इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। थानाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों से प्राप्त आवेदन के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल घटनास्थल के आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।

राजगीर में 90 हजार घूस लेते एसआई रंगे हाथ गिरफ्तार, रिश्वतखोर दारोगा पर निगरानी का शिकंजा

नालन्दा। नालंदा में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने एक कार्रवाई की है। आज ब्यूरो की टीम ने नालंदा के राजगीर थाना में पदस्थापित पुलिस अवर निरीक्षक (SI) देवकांत कुमार को 90 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। एक केस के सिलसिले में मदद करने के नाम पर दारोगा देवकांत कुमार ने पीड़ित से मोटी रकम की मांग की थी। परेशान होकर पीड़ित ने इसकी शिकायत पटना स्थित निगरानी ब्यूरो से की। ब्यूरो के अधिकारियों ने गुप्त रूप से मामले का अन्वेषण (जांच) कराया। सत्यापन के दौरान यह स्पष्ट हो गया कि दारोगा की ओर से रिश्वत मांगी जा रही है और मामला पूरी तरह सत्य है। सत्यापन रिपोर्ट के आधार पर निगरानी विभाग ने एक विशेष धावा दल का गठन किया। योजना के मुताबिक, जैसे ही पीड़ित रिश्वत की रकम लेकर दारोगा के पास पहुंचा और 90 हजार रुपये उनके हाथ में थमाए, वैसे ही सादे लिबास में तैनात निगरानी की टीम ने उन्हें दबोच लिया। हाथ धुलवाते ही देवकांत के हाथ गुलाबी हो गए, जो रिश्वत लेने का पुख्ता सबूत है। गिरफ्तारी के बाद निगरानी की टीम आरोपी दारोगा को लेकर पटना रवाना हो गई।

गोली लगने से घायल पिता की मौत, बेटा अस्पताल में भर्ती

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नालन्दा। नालंदा जिला मुख्यालय के बिहार थाना क्षेत्र स्थित सूफी नगर मोहल्ले में गुरुवार को पिता-बेटे को गोली मारी गई थी। इस घटना में गंभीर रूप से घायल मोहम्मद सोहन ने आज दम तोड़ दिया। पटना के पीएमसीएच में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई है। गुरुवार की शाम हुए इस जानलेवा हमले में मोहम्मद सोहन और उनके बेटे अली फरहान को बदमाशों ने सरेआम निशाना बनाया था।

मोहम्मद सोहन की मौत की पुष्टि के बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर उसे परिजनों को सौंप दिया है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि गुरुवार की शाम मोहम्मद सोहन नमाज अदा करने के बाद दूध लेकर अपने घर के बाहर खड़े थे। इसी दौरान सशस्त्र बदमाशों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी।

हमलावरों ने मोहम्मद सोहन के चेहरे को निशाना बनाकर गोली चलाई, जो उनके चेहरे को चीरती हुई पीछे खड़े उनके बेटे अली फरहान के कंधे और सीने के पास जा लगी। अचानक हुई इस गोलीबारी से पूरे सूफी नगर मोहल्ले में सनसनी फैल गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। वारदात

के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और परिजनों ने खून से लथपथ पिता-बेटे को आनन-फानन में इलाज के लिए स्थानीय मॉडल अस्पताल में भर्ती कराया। वहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद मोहम्मद सोहन की नाजुक स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया था, जबकि अली फरहान का इलाज स्थानीय स्तर पर ही किया गया जिससे उनकी जान बच सकी। इस मामले में मोहल्ले के ही बेचू नामक युवक और उसके साथियों पर गोलीबारी करने का आरोप लगा है। सदर डीएसपी वन नूरुल हक ने बताया कि इलाज के दौरान मोहम्मद सोहन की मृत्यु हो गई है और पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। इस वारदात के संबंध में दो लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस की विशेष टीमें आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही हैं। घटना के बाद से इलाके में एहतियातन गश्त बढ़ा दी गई है, ताकि स्थिति नियंत्रण में रहे।

बिहार विधानसभा अध्यक्ष बोले- एनएच-83 का काम 80% पूरा, तीन महीने में टिकारी रोड बन कर होगा तैयार

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गयाजी। बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने अतिथि गृह सभागार में पथ निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की। इस बैठक का उद्देश्य गया में सड़क अवसंरचना को सुदृढ़ और आधुनिक बनाना था। बैठक में अलग-अलग सड़कों और परियोजनाओं की प्रगति के साथ-साथ निविदा (टेंडर) की वर्तमान स्थिति पर भी गहन चर्चा की गई। डॉ. प्रेम कुमार ने नेशनल हाईवे-83 (चकन से 80 गेट होते हुए सिकरिया मोड़ तक) के निर्माण काम की समीक्षा करते हुए बताया कि इसका लगभग 80 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है, और शेष कार्य शीघ्र ही पूर्ण कर लिया जाएगा।

तीन महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा: टिकारी रोड के निर्माण कार्य को प्रगति पर बताते हुए उन्होंने कहा कि इसे आने वाले तीन महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। बारी रोड और डॉ. मेहरा रोड में अतिक्रमण की समस्या को एक प्रमुख बाधा बताया गया। अध्यक्ष ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अतिक्रमण हटाकर 7 मीटर तक चौड़ीकरण का कार्य शीघ्र पूरा किया

जाए। गया पुलिस लाइन रोड के चौड़ीकरण के लिए निविदा प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है और कार्य प्रगति पर है। सुजाता बायपास रोड के निर्माण के लिए पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग से स्वीकृति के लिए लेटर भेजा जा चुका है। स्वीकृति मिलते ही इस पर कार्य प्रारंभ किया जाएगा। वहीं, आमस-दरभंगा ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे परियोजना को तीन पैकेज में क्रियान्वित किया जा रहा है, जिसे अगले वर्ष मार्च तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बैठक में पथ निर्माण विभाग, रोड डिवीजन-1, गया के कार्यपालक अभियंता द्वारा प्रस्तुत पत्र के अनुसार विभिन्न योजनाओं की निविदा स्थिति की भी समीक्षा की गई। पुराना बाइपास (सुजाता बायपास) से संबंधित सड़क को चार लेन में उन्नत करने के लिए निविदा प्रकाशित की जा चुकी है और वित्तीय बोली खोली जा चुकी है, जो वर्तमान में स्वीकृति प्रक्रिया में है। इसी प्रकार, गेवाल बीघा से दुर्गास्थान होते हुए एनएच-83 तक सड़क सुदृढ़ीकरण काम की निविदा प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और यह भी स्वीकृति की प्रक्रिया में है।

डॉ. मेहरा से जी.बी. रोड तक (बारी रोड के माध्यम से) सड़क सुदृढ़ीकरण कार्य में एकल बोलीदाता के कारण पूर्व निविदा रद्द कर फिर से निविदा की गई है और वित्तीय बोली खोली जा चुकी है, जो स्वीकृति के अधीन है। बोधगया एप्रोच रोड (डोमूहान से महाबोधि मंदिर) और गया-बोधगया रोड (घुघरीटांड़ से वर्मा मोड़) सहित कई अन्य

> ♦ **अतिक्रमण हटाकर 7 मीटर तक चौड़ीकरण होगा**

महत्वपूर्ण सड़कों के उन्नयन कार्यों की निविदाएं प्रशासनिक स्वीकृति के अभाव में निरस्त कर दी गई हैं। इनमें खटका चक–नैली–दुबहल रोड और दलेलचक से गया-पटना मुख्य मार्ग (एनएच-82) तक की सड़कें भी शामिल हैं, जिनके लिए शीघ्र स्वीकृति प्राप्त कर फिर से प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए गए।

काम प्रभावित होने पर चिंता व्यक्त की: ग्रामीण क्षेत्रों में खनन एवं निर्माण सामग्री की कमी के कारण काम प्रभावित होने पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि संबंधित विभागों के समन्वय से इस समस्या का शीघ्र समाधान किया जाएगा, ताकि विकास काम में किसी प्रकार की बाधा न आए। बैठक में पथ निर्माण विभाग के वरीय अधिकारी, कार्यपालक अभियंता और पप्पू चंद्रवंशी, राजनंदन गांधी, सूरज राणा,राजेश मस्तान,उपेंद्र पासवान, वेद प्रकाश,सचिन ठाकुर,राकेश आईटी, गुंजन मिश्रा सहित अन्य मौजूद रहे।

महिला की बेरहमी से हत्या, घर से बुलाकर सिर पर धारदार हथियार से हमला, एक आरोपी गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गयाजी। गयाजी में एक महिला की बेरहमी से हत्या कर दी गई। सिर पर धारदार हथियार से हमला कर मौत के घाट उतार दिया। गांव के 2 युवकों पर घर से बुलाकर मारने का आरोप है। शव रामसागर आहार के पास मिला है। मृतका की पहचान बिफनी देवी(57) के तौर पर हुईहै। पति इस दुनिया में नहीं है। दो बेटे बुधन यादव और छोटू यादव है। छह बेटियों की शादी हो चुकी है। घटना नक्सल प्रभावित डुमरिया थाना क्षेत्र की है।

बच्चों ने आहार के पास देखा शव: बेटा बुधन यादव ने बताया कि शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे गांव के रामब्रत यादव और भगवान ठाकुर बुलाकर ले गए थे। डुमरिया बाजार जाने की बात कही थी। इसके

बाद वह वापस नहीं लौटी। रात भर परिवार इंतजार करता रहा। शनिवार सुबह गांव के बच्चे स्कूल जा रहे थे। उसी दौरान आहार के पास झाड़ियों के किनारे शव देखा। खबर फैलते ही गांव में हड़कंप मच गया। परिवार के सदस्य मौके पर पहुंचे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलज भेज दिया। शुरुआती जांच में हत्या की पुष्टि हुई है। सिर पर कई गहरे जख्म है। साफ है कि हत्या पूरी प्लानिंग से की गई।

तिलक के दिन आरोपी गिरफ्तार, दूसरा फरार: इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रामब्रत यादव को गिरफ्तार कर लिया है। हैरानी की बात यह है कि शनिवार(25 अप्रैल 2026) को ही उसका तिलक आने वाला था। दूसरा आरोपी भगवान ठाकुर फरार है। गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

परिवार को स्पष्ट जानकारी नहीं: परिवार अब भी सदमे में है। हत्या की वजह साफ नहीं हो पाई है। मृतका की बेटी और दामाद भी कुछ स्पष्ट नहीं बता पा रहे हैं। दामाद ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 9 बजे मेरी सास ने बड़ी बेटी को फोन किया था। कहा था कि बस 5 मिनट में घर आ रही हूं, लेकिन नहीं आई।

गयाजी में बुद्ध जयंती को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गयाजी। गयाजी में बुद्ध जयंती को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में हैं। 1 मई को होने वाले कार्यक्रमों पर इस बार प्रशासन की ओर से खास नजर रखी जा रही है। एसडीएम अनिल कुमार रमन ने बताया कि बिना अनुमति कोई भी नया आयोजन नहीं होगा। सिर्फ उन्हीं कार्यक्रमों को इजाजत दी गई है, जो पहले से परंपरागत रूप से होते आ रहे हैं।

इस बार कुल 6 आवेदन ही प्रशासन के पास आए थे। सभी का जांच के बाद निपटारा कर दिया गया ह । इसके अलावा किसी भी संस्था, संगठन को बुद्ध जयंती से जुड़ा नया कार्यक्रम करने की मंजूरी नहीं दी गई है। यह फैसला अचानक नहीं लिया गया है। जिले में इस वक्त भीषण गर्मी पड़ रही है। दिन चढ़ते ही सड़कों पर सन्नाटा दिख रहा है।

स्वास्थ्य पर पड़ सकता है असर: ऐसे में बड़े स्तर पर रैली, प्रभात फेरी या भीड़ जुटाने वाले कार्यक्रम कराने से लोगों को परेशानी हो सकती है। यही नहीं जिला प्रशासन को व्यवस्थाएं देने में तमाम चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। भीषण गर्मी का असर लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। यही वजह है कि प्रशासन की ओर से नए आयोजनों को अनुमति नहीं दी गई है।

जिला में पर्याप्त फोर्स नहीं: दूसरी बड़ी वजह मैन पावर की कमी है। एसडीएम ने बताया कि पुलिस बल का बड़ा हिस्सा दूसरे राज्यों में चुनावी ड्यूटी में लगा हुआ है। कुछ विभागों के कर्मचारी हड़ताल पर चल रहे हैं। ऐसे में सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था संभालना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। फिलहाल पर्याप्त फोर्स उपलब्ध नहीं है। बिना परमिशन अगर कोई प्रभात

> ♦ **बिना परमिशन प्रभात फेरी-रैली पर रोक, सिर्फ 6 आयोजनों को मिली मंजूरी**

फेरी, रैली या अन्य बड़ा आयोजन करता है तो सख्त कार्रवाई होगी। आयोजकों के खिलाफ केस भी दर्ज किया जा सकता है।

जयंती मनाने पर रोक नहीं: एसडीएम अनिल कुमार रमन ने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि सिर्फ उन्हीं आयोजनों में शामिल हों, जिन्हें प्रशासन से अनुमति मिली है। वहां जिला प्रशासन की ओर से बेसिक सुविधा उपलब्ध रहेगी। किसी भी अनधिकृत कार्यक्रम का हिस्सा बनने से बचें। बुद्ध जयंती मनाने पर कोई रोक नहीं है। लोग अपने घरों, मंदिरों और छोटे स्तर पर श्रद्धा के साथ पर्व मना सकते हैं। प्रशासन की आपत्ति सिर्फ बड़े और बिना अनुमति वाले आयोजनों पर है। सुरक्षा, ट्रैफिक और जन सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है।

लोगों से सहयोग की अपील: मौके पर आरटीओ राजेश कुमार और डीएसपी टाउन मनोज कुमार भी मौजूद रहे। दोनों अधिकारियों ने भी लोगों से प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

कर्ज से तंग आकर युवक ने की खुदकुशी, सूदखोरों पर प्रताड़ित करने का आरोप, मौत से पहले बनाया वीडियो

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नालन्दा। नालंदा के मघड़ासराय गांव में सूदखोरी के दलदल ने एक हंसते-खेलते परिवार की खुशियां उजाड़ दी। महाजनों के कथित उत्पीड़न और लगातार मिल रही धमकियों से परेशान होकर संतोष कुमार(25) ने जहर खाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। संतोष कुमार फूलों की सजावट का काम करता था। उसने सुसाइड से पहले एक भावुक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें उसने अपनी मौत के लिए जिम्मेदार लोगों के नामों का खुलासा किया है। घटना दीपनगर थाना क्षेत्र की है।

परिवार के लोग टॉर्चर से बच जाएंगे: जारी वीडियो में बताया कि गोलापुर निवासी बिरमनिया, मनोज और लालबाग के पिंटू से कर्ज लिया था। ब्याज सहित पूरी राशि लौटा दी

थी, इसके बावजूद लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। मैं मर जाऊंगा तो शायद मेरा परिवार इन लोगों के टॉर्चर से बच जाए।

सीएम से न्याय की गुहार: मृतक ने अपने आखिरी संदेश में बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, पूर्व मंत्री श्रवण कुमार और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से न्याय की अपील की है। उसने समाज को चेतावनी देते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति इन सूदखोरों के जाल में न फंसे, क्योंकि ये लोग मजबूरी का फायदा उठाकर उसे मौत के दरवाजे तक खींच ले जाते हैं।

फोन पर भद्दी-भद्दी गालियां देते थे: मृतक के पिता उपेंद्र मालाकार ने बताया कि संतोष पिछले कुछ समय से काफी तनाव में था। रात में काम से लौटने के बाद उसके पास किसी का फोन आया, जिसके बाद उसने यह आत्मघाती कदम उठाया। संतोष पर अलग-अलग लोगों का कर्ज था, जिसे वह धीरे-धीरे चुका रहा था।सूदखोर उसे फोन पर भद्दी गालियां और जान से मारने की धमकी दे रहे थे। 3 साल पहले शादी हुई थी।

वीडियो के आधार पर छानबीन की जा रही है: थानाध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि पुलिस को वायरल वीडियो मिला है। जिसे साक्ष्य के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। परिजनों के लिखित आवेदन और वायरल वीडियो के आधार पर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

प्रेमी जोड़े को ग्रामीणों ने आपत्तिजनक हालत में पकड़ा

बांका। बांका के शंभूगंज प्रखंड में प्रेम-प्रसंग से जुड़ा एक मामला शुक्रवार को सामने आया, जिसने पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना दिया। करहिया गांव में एक प्रेमी युगल को ग्रामीणों ने आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया, जिसके बाद वहां हाई वोल्टेज ड्रामा शुरू हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, गांव निवासी पंकज ठाकुर के 26 वर्षीय पुत्र रौशन कुमार और राजू ठाकुर की 20 वर्षीय पुत्री आशा कुमारी के बीच पिछले दो वर्षों से प्रेम संबंध था।

तालाब किनारे बातचीत करते ग्रामीणों ने पकड़ा: दोनों अक्सर परिजनों से छिपकर मिलते थे। शुक्रवार शाम वे गांव के बहियार स्थित एक तालाब किनारे बातचीत कर रहे थे, तभी ग्रामीणों की नजर उन पर पड़ गई। देखते ही देखते खबर पूरे गांव में फैल गई और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने दोनों को घेर लिया और उनके परिजनों को बुलाया। इसके बाद करीब दो घंटे तक दोनों पक्षों के बीच समझाइश और बहस का दौर चला। इस दौरान प्रेमी युगल ने एक-दूसरे के साथ जीवन बिताने की इच्छा जताई। अंततः ग्रामीणों की मौजूदगी में दोनों परिवार शादी के लिए राजी हो गए।

पंडित को बुलाकर शिव-पार्वती मंदिर में कराई शादी: देर रात गांव के शिव मंदिर में आनन-फानन में विवाह की तैयारी की गई। पंडित को बुलाकर शिव-पार्वती को साक्षी मानते हुए दोनों की शादी संपन्न कराई गई। इस दौरान उपस्थित ग्रामीणों ने "हर-हर महादेव" और "जय श्रीराम" के नारे लगाए। इस विवाह के साक्षी गांव के सैकड़ों लोग बने। शनिवार को यह घटना पूरे क्षेत्र में चर्चा का केंद्र बनी रही, वहीं इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

रामधुन महोत्सव के लिए कलश यात्रा

मुंगेर। मुंगेर शहर के भगवती स्थान महद्दीपुर में शनिवार को रामधुन महोत्सव के उपलक्ष्य में कलश शोभायात्रा निकाली गई। इसी के साथ 48 घंटे के अखंड रामधुन यज्ञ का भी शुभारंभ हो गया, जिसका समापन रविवार को होगा। यह कलश शोभायात्रा उत्तर वाहिनी गंगा तट दोमंठा घाट से शुरू हुई। इसमें युवतियों और महिलाओं ने अपने सिर पर कलश रखकर नगर भ्रमण किया। शोभायात्रा भगवती स्थान स्थित कार्यक्रम स्थल पर समाप्त हुई।

कलश यात्रा में 100 से अधिक महिला श्रद्धालु शामिल थीं: इस अखंड रामधुन यज्ञ की कलश यात्रा में 100 से अधिक महिला श्रद्धालु शामिल थीं। भीषण गर्मी और तपती धूप के बावजूद वे नंगे पांव अपने सिर पर कलश लेकर चल रही थीं। इस दौरान 'हर हर महादेव' सहित विभिन्न देवी-देवताओं के जयकारे लगाए जा रहे थे। भीषण गर्मी से श्रद्धालुओं को राहत देने के लिए स्थानीय समाजसेवियों ने रास्ते में कई स्थानों पर उन पर पानी का फव्वारा डाला। इससे तपती धूप में चल रहे श्रद्धालुओं को कुछ सुकून मिला।

48 घंटे के अखंड रामधुन यज्ञ की शुरुआत की गई: राणा गौरी शंकर ने बताया कि नगर वासियों के कल्याण के लिए महद्दीपुर गांव में 48 घंटे के अखंड रामधुन यज्ञ की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में काफी उत्साह है। कलश यात्रा के दौरान डीजे पर बज रहे भक्ति गीतों पर श्रद्धालु थिरकते हुए चल रहे थे।

पिकअप में लगी आग, 3 सिलेंडर फटे

मुंगेर। मुंगेर जिले के बरियारपुर-खड़गपुर मुख्य पथ पर शनिवार सुबह एक पिकअप वाहन में आग लग गई। साधु बाबा स्थान के पास निर्माणाधीन फोरलेन सड़क पर मार्किंग कार्य में लगे इस केमिकल युक्त वाहन में अचानक आग लगी, जिससे उस पर रखे तीन एलपीजी सिलेंडर फट गए। वाहन पूरी तरह जलकर राख हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सिलेंडरों में हुए धमाके इतने तीव्र थे कि उनके और वाहन के टुकड़े लगभग 200 मीटर दूर तक सड़क और खेतों में फैल गए। धमाकों की आवाज एक किलोमीटर दूर तक सुनी गई, जिससे आसपास के ग्रामीणों में हड़कंप मच गया।

मार्किंग के लिए उपयोग किया जा रहा था: यह पिकअप वाहन फोरलेन निर्माण कार्य में मार्किंग के लिए उपयोग किया जा रहा था। इसमें केमिकल के डिब्बे, मशीनें और तीन एलपीजी सिलेंडर रखे थे। बताया गया कि चालक वाहन को सड़क किनारे खड़ा कर चाय पीने गया था, तभी वाहन के पिछले हिस्से से धुआं उठने लगा और आग तेजी से फैल गई।

20 किलोमीटर दूर से अग्निशमन की दो बड़ी गाड़ियां बुलाई गईं: घटना के समय चालक सहित पांच मजदूर वाहन के पास मौजूद थे, जो समय रहते सुरक्षित दूरी पर हट गए। इससे कोई जनहानि नहीं हुई। सिलेंडर ब्लास्ट होने के दौरान बरियारपुर थाना पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंच चुकी थी। हालांकि, लगातार धमाकों और तेज आग की लपटों के कारण दमकलकर्मी शुरुआत में आग बुझाने के करीब जाने से हिचक रहे थे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मुंगेर मुख्यालय से लगभग 20 किलोमीटर दूर से अग्निशमन की दो बड़ी गाड़ियां बुलाई गईं। इसके बाद सुरक्षित दूरी से पानी की तेज बौछार कर आग बुझाने का प्रयास किया गया। लगभग एक घंटे के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।

लव मैरिज के 2 महीने बाद होटल संचालक की मौत

भागलपुर। भागलपुर में होटल संचालक की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। 2 महीना पहले ही लव मैरिज हुई थी। गले पर फंदे के निशान मिले हैं। पैर की उंगली पर भी जख्म के निशान है। शादी के बाद से पत्नी के साथ वारसलीगंज मोहल्ले में किराए के घर में रह रहा था। पत्नी का कहना है कि सीढ़ी से गिरने से मौत हुई है। मां जब मौके पर पहुंची तो शव जमीन पर पड़ा हुआ था। जिसके बाद बड़े बेटे राकेश को बुलाया। संतुष्टि के लिए मायागंज लेकर गए, जहां चेकअप के बाद डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान नाथनगर के पीपरपांती निवासी राजा कुमार(22) के रूप में हुई है। फरवरी शादी हुई थी। पत्नी पटना में नीट की तैयारी करती है।

अस्पताल में बार-बार बेहोश होती रही पत्नी: मृतक की पत्नी अस्पताल में बार-बार बेहोश हो जा रही थी। घटना को लेकर वह किसी को स्पष्ट कारण नहीं बता सकी। जिस तरह गले में फंदे का निशान है, उससे यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि यह आत्महत्या है या गला घोंटकर हत्या की गई है। डॉक्टर ने भी अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में हैंगिंग का जिक्र किया है।

लड़की के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है: बड़े भाई राजकुमार ने बताया कि शुक्रवार की शाम जब वह ढाबे पर नहीं पहुंचा, तो बड़े उसे कॉल किया। कोई जवाब नहीं दिया। जिसके बाद मां को कमरे पर भेजा। राजा जमीन पर गिरा हुआ था, जबकि गले के निशान कुछ और ही कहानी बयां कर रहे हैं। बचपन में हम लोग पढ़ नहीं सके, लेकिन किसी तरह अपने भाई को पढ़ाया-लिखाया। 2008 में पिता की मौत के बाद सारी जिम्मेदारी हम लोगों पर आ गई। फिर हमने हवाई चप्पल का काम शुरू किया। किसी तरह परिवार का भरण-पोषण किया। हाल के दिनों में बाईपास पर एक होटल खोला था। भाई ने दो महीने पहले एक लड़की से शादी की थी। उसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। बस इतना बताया था कि उसने शादी कर ली है। किराए के मकान में ही रहता था।

एक छात्र की डूबने से मौत

बेगूसराय। बेगसराय के बखरी थाना क्षेत्र स्थित उदयपुर गांव में आज पाटोजान चौर में स्नान करने के दौरान डूबने से एक 13 साल के बच्चे की मौत हो गई। मृतक की पहचान समस्तीपुर के विभूतिपुर थाना क्षेत्र स्थित करख बदिया गांव के रहने वाले घनश्याम महतो के बेटे अजीत कुमार उर्फ रोहित कुमार के रूप में हुई है। वह अपने नाना-नानी के घर रहकर पढ़ाई कर रहा था। शनिवार सुबह करीब 10 बजे रोहित अपने भाई के साथ उदयपुर गांव के बहियार स्थित पाटोजान चौर में जानवर धोने गया था। इसी दौरान पैर फिसलने से वह अचानक गहरे पानी जाकर डूबने लगा। साथ गए भाई ने जब शोर मचाया तो आस-पास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे। काफी कोशिश के बाद ग्रामीणों ने उसे पानी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक रोहित की मौत हो गई थी। ग्रामीणों ने बताया कि रोहित काफी मेधावी छात्र था। वह अपने नाना-नानी के घर उदयपुर रहकर ही पढ़ाई करता था।

पोषण पखवाड़ा में टॉप-3 परियोजनाओं पर बेगूसराय का कब्जा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बेगूसराय। कुपोषण मुक्त बिहार की दिशा में चलाए गए पोषण पखवाड़ा-2026 में बेगूसराय ने इतिहास रच दिया है। बिहार सरकार के समाज कल्याण विभाग की ओर से पटना के ज्ञान भवन में आयोजित राज्य स्तरीय समापन समारोह में बेगूसराय की तीन परियोजनाओं ने पूरे प्रदेश में शीर्ष तीन स्थानों पर कब्जा जमाकर जिला प्रशासन का मान बढ़ाया है।

उपमुख्यमंत्री और सचिव ने थपथपाई पीठ: पटना में आयोजित भव्य समारोह में उपमुख्यमंत्री सह समाज कल्याण मंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव और विभाग की सचिव वंदना प्रेयषी ने बेगूसराय की टीम को प्रशस्ति पत्र और सम्मान देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान घोषणा की गई कि बिहार ने राष्ट्रीय स्तर पर पोषण पखवाड़ा के सफल क्रियान्वयन में प्रथम स्थान हासिल किया है, जिसमें बेगूसराय का योगदान सबसे अग्रणी रहा।

सम्मानित किए गए CDPO-समन्वयक: इस कामयाबी में जमीनी स्तर पर गतिविधियों का सफल संचालन रहा। प्रथम स्थान हासिल गढ़पुरा के बाल विकास परियोजना पदाधिकारी (CDPO)

अनूप जयसवाल और प्रखंड समन्वयक मो. इमरोज, द्वितीय स्थान मंसूरचक के CDPO मो. महताब ग्यास और प्रखंड समन्वयक मेघा कुमारी व तृतीय स्थान खोदावंदपुर के CDPO नीतेश कुमार और प्रखंड समन्वयक विवेक कुमार को सम्मानित किया गया।

पिरामल का तकनीकी सहयोग: इस सफलता की सूत्रधार जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (DPO) रश्मि कुमारी रही। जिनके नेतृत्व में जिले की सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर रिकॉर्ड गतिविधियां आयोजित की गईं। अभियान को सफल बनाने में पिरामल के दीपक मिश्रा का तकनीकी सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने आईसीडी के विभिन्न कार्यक्रम में सहयोग और मार्गदर्शन किया। जिससे बेगूसराय की रैंकिंग में निरंतर सुधार हुआ।

बेगूसराय की सफलता का कारण: समारोह में दी गई जानकारी के अनुसार बेगूसराय ने पोषण पखवाड़ा के दौरान बच्चों में स्क्रीन टाइम कम करने, दिव्यांगता जांच के लिए विशेष प्रोटोकॉल (DSS) का पालन करने और हमारे बच्चे, हमारा परिवार जैसे जागरूकता अभियानों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। डीपीओ ने बताया कि यह बेगूसराय के लिए गौरव की बात है। हमारी पूरी टीम ने एक लक्ष्य के साथ काम किया।

कुपोषण दूर में आई कमी: गढ़पुरा, मंसूरचक और खोदावंदपुर की सफलता जिले के हर कर्मी की मेहनत का फल है। रिपोर्ट के अनुसार राज्य में कुपोषण (वेस्टिंग और अंडरवेट) के आंकड़ों में भारी गिरावट आई है। सचिव वंदना प्रेयषी ने इस मौके पर घोषणा किया की दो महीनों में आंगनबाड़ी सेविकाओं और सहायिकाओं को हाई-टेक एंड्रॉयड मोबाइल फोन दिए जाएंगे। जिससे पोषण ट्रैकर का कार्य और भी सुचारू रूप से हो सके।

कपड़ा कारोबारी के बेटे की गोली मारकर हत्या

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर में अपराधियों ने कपड़ा कारोबारी के बेटे को गोली मार दी। सीने पर बुलेट लगने से जान चली गई। पुलिस ने 2 दोस्तों को डिटेन किया है। घटना परबत्ता थाना क्षेत्र के जगतपुर के पास की है। मृतक की पहचान पूर्णिया के बिरौली निवासी संतोष कुमार जायसवाल के पुत्र सौरभ कुमार(21) के तौर पर हुई है। भागलपुर में रहकर पढ़ाई कर रहा था। चार दिन पहले मां से मिलने के लिए वह पूर्णिया गया था। शुक्रवार रात को वापस लौट रहा था।

गोली किसने मारी, स्पष्ट नहीं: पुलिस ने राजा और गौरव को डिटेन किया है। दोनों बार-बार अपना बयान बदल रहा है। जिससे शंका बढ़ गई है। गौरव ने अपने प्रारंभिक बयान में बताया कि चार दोस्त दो कार से पूर्णिया के टीकापट्टी गांव से भागलपुर आ रहे थे। रास्ते में बाइक सवार दो बदमाशों ने सौरभ पर गोली चला दी। हम लोगों ने किसी तरह इलाज के लिए मायागंज पहुंचाया, जहां उसकी मौत हो गई। दूसरे बयान में कहा कि दोस्त अनुराग का बर्थडे था। पार्टी में शामिल होने के लिए कार से भागलपुर से पूर्णिया की तरफ जा रहे थे। तभी बाइक सवार दो बदमाशों ने सुबह 3 बजे गोली मार दी। दूसरे दोस्त से भी कड़ाई से पूछताछ की जा रही है।

फोन करके गोली मारने की बात कही थी: मृतक के मौसा ने बताया कि शुभम ने 16 दिन पहले सौरभ की मां को फोन करके कहा था कि वो मेरे साथ नहीं रहता है। अनुराग के साथ रहता है। हम लोग उसे गोली मार देंगे। अभी पूरा मामला संशय बना हुआ है। मौत की सूचना के बाद पूर्णिया से परिवार के सदस्य पहुंचे हैं।

10वें दिन भी नहीं मिला 16 साल का लापता किशोर

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर के ईशाकचक थाना क्षेत्र से लापता 16 साल का केशव कुमार का 10वें दिन भी कोई सुराग नहीं मिल पाया है। बेटे की तलाश में परेशान परिजन अब थाने से लेकर वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय तक गुहार लगा रहे हैं। पुलिस जांच में अब तक ठोस प्रगति नहीं होने से परिवार की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। ईशाकचक थाना क्षेत्र के इंद्रप्रस्थ कॉलोनी निवासी मुकेश कुमार का बेटा केशव कुमार 15 अप्रैल की सुबह करीब पांच बजे टहलने के लिए घर से निकला था। उसने परिजनों से बताया था कि वह बायपास की ओर जा रहा है। इसके बाद वह वापस घर नहीं लौटा। उसका मोबाइल फोन भी बंद आ रहा है। घटना के तुरंत बाद परिजनों ने ईशाकचक थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी थी। लेकिन 11 दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस को अब तक कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है। इससे परिजनों की बेचैनी और बढ़ गयी है। पिता मुकेश कुमार ने बताया कि वे लगातार पुलिस से संपर्क में हैं, लेकिन अब तक बेटे के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। उन्होंने कहा कि परिवार दर-दर भटक रहा है और हर बीतते दिन के साथ चिंता बढ़ती जा रही है।

एसएसपी ने दिया कार्रवाई का भरोसा:

मां रश्मि कुमारी का रो-रोकर बुरा हाल है। उनका कहना है कि बस एक ही इच्छा है कि उनका बेटा सकुशल घर लौट आए। मां ने बताया कि केशव पढ़ाई में काफी होनहार है। उसने हाल ही में सीबीएसई परीक्षा में 84 प्रतिशत अंक हासिल किये थे। उसके अचानक लापता होने से परिवार कई तरह की आशंकाओं से घिरा हुआ है। परिजनों को अपहरण सहित अन्य अनहोनी की आशंका सता रही है। इधर, परिजनों ने एसएसपी से मुलाकात कर बेटे की जल्द बरामदगी की मांग की है। एसएसपी प्रमोद कुमार ने मामले में कार्रवाई का आश्वासन दिया है। अब परिवार और आसपास के लोगों की निगाहें पुलिस की कार्रवाई पर टिकी हैं।

डमहेली कब्रिस्तान कोसी कटाव की चपेट में

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

अररिया। अररिया नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या-11 स्थित डमहेली कब्रिस्तान कोसी नदी के भीषण कटाव की चपेट में आ गया है। यह कब्रिस्तान स्थानीय मुस्लिम समुदाय के लिए आस्था और पारिवारिक यादों का महत्वपूर्ण स्थल है, जो अब धीरे-धीरे नदी में समा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, पिछले एक दशक से लगातार हो रहे कटाव के कारण कई परिवारों की कब्रें कोसी की धार में विलीन हो चुकी हैं। अब तक लगभग 1.5 बीघा से अधिक कब्रिस्तान क्षेत्र नदी की चपेट में आ चुका है, जिससे शेष कब्रें भी गंभीर खतरे में हैं।

अंतिम संस्कार के लिए नहीं बची जगह: इस गंभीर स्थिति ने स्थानीय ग्रामीणों में गहरी चिंता और आक्रोश पैदा कर दिया है। कई परिवारों को अपने प्रियजनों की कब्रें खोने का गहरा मानसिक आघात सहना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते

ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो भविष्य में अंतिम संस्कार के लिए भी जगह नहीं बचेगी। समस्या पर चर्चा के लिए हाल ही में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जिला आपदा पदाधिकारी, अररिया को तत्काल आवेदन दिया जाएगा। इस आवेदन में कटाव रोकने के लिए बोल्डर पिचिंग, तटबंध निर्माण और अन्य आवश्यक सुरक्षा उपायों को शीघ्र शुरू करने की मांग की जाएगी।

प्रशासन को आंदोलन करने को दी चेतावनी: ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने तुरंत हस्तक्षेप नहीं किया, तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। कोसी नदी हर साल कटाव और बाढ़ से तबाही मचाती है, और डमहेली कब्रिस्तान की यह स्थिति नदी प्रबंधन की बड़ी खामी को उजागर करती है। स्थानीय प्रशासन से अपील की गई है कि इस मानवीय और संवेदनशील मुद्दे पर त्वरित ध्यान दिया जाए और प्रभावित परिवारों को राहत प्रदान की जाए।

महिला आरक्षण बिल को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बेगूसराय। महिला आरक्षण बिल को लेकर आज बेगूसराय जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीब दास के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट के सामने कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पुतला दहन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस और एनएसयूआई के कार्यकर्ता भी शामिल हुए और जमकर नारेबाजी की। मौके पर जिलाध्यक्ष शिव प्रकाश गरीब दास ने कहा कि कांग्रेस पार्टी महिलाओं के सशक्तिकरण और उनके राजनीतिक भागीदारी की हमेशा से पक्षधर रही है। लोकसभा में 2023 में महिला आरक्षण विधेयक को सर्वसम्मति से पारित किया जा चुका है। लेकिन वर्तमान सरकार इसे लागू करने में जानबूझकर देरी कर रही है, इसे चुनावी मुद्दा बनाकर जनता को गुमराह कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का स्पष्ट मानना है कि यदि सरकार वास्तव में महिलाओं को अधिकार देना चाहती है, तो बिना किसी परिसीमन और बहानेबाजी के लोकसभा और विधानसभाओं में तुरंत प्रभाव से महिला आरक्षण लागू करते हुए पचास प्रतिशत आरक्षण लागू करें। केवल कानून बनाकर उसे ठंडे बस्ते में डाल देना देश की

आधी आबादी के साथ अन्याय है।

साजिश के तहत चुनावी मुद्दा बनाने का आरोप: मोदी सरकार अपना जनाधार खिसकने के कारण जानबूझकर महिला आरक्षण विधेयक पर राजनीतिक साजिश के तहत चुनावी मुद्दा बनाने में लगी हुई है। कांग्रेस ने देश का सबसे पहला महिला राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, लोक सभा अध्यक्ष, मुख्य न्यायाधीश सहित अन्य प्रमुख पद पर महिलाओं को बैठाकर उनको सम्मान और अधिकार देने का काम किया है। कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष अभय कुमार सिंह सार्जन ने इसे मोदी सरकार का दोहरा चरित्र बताते हुए कहा कि महिला सम्मान के नाम पर हो रही राजनीति को बंद किया जाना चाहिए। मौके पर वरिष्ठ नेता लखन पासवान, चुनचुन राय, रामानंद सिंह, रेखा देवी, सुशीला देवी, युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव अवनीश कुमार, NSUI के निशांत सिंह, रणजीत कुमार और पैक्स अध्यक्ष राहुल कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

165 बच्चे रेस्क्यू केस में बाल तस्करी का शक खारिज

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

अररिया। मध्य प्रदेश के कटनी रेलवे स्टेशन पर 11 अप्रैल को पटना-पुणे एक्सप्रेस से 165 नाबालिग बच्चों को रेस्क्यू किया गया था। इन बच्चों को बाल तस्करी के संदेह में ट्रेन से उतारा गया था। इनमें से 144 बच्चे बिहार के अररिया जिले के रहने वाले थे। शुरुआती जांच में सामने आया कि बच्चों को महाराष्ट्र के लातूर स्थित एक मदरसे में ले जाया जा रहा था। इस जानकारी के बाद रेलवे पुलिस और जीआरपी की टीमों ने तत्काल कार्रवाई की। बच्चों को कटनी स्टेशन पर ट्रेन से उतारकर आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी की गई।

सोशल इन्वेस्टिगेशन रिपोर्ट की प्रक्रिया पूरी की: इसके बाद, बच्चों को स्थानीय बाल कल्याण समिति (CWC) को सौंप दिया गया। कटनी में काउंसलिंग के बाद, सभी बच्चों को अररिया बाल कल्याण समिति के हवाले कर दिया गया। अररिया पहुंचने पर, जिला बाल कल्याण समिति ने बच्चों की विस्तृत काउंसलिंग की, दस्तावेजों का सत्यापन किया और एसआईआर (सोशल इन्वेस्टिगेशन रिपोर्ट) की प्रक्रिया पूरी की। सभी प्रक्रियाओं के बाद, बच्चों को उनके अभिभावकों को सुरक्षित रूप से सौंप दिया गया। अररिया बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष दीपक कुमार वर्मा उर्फ रिंकू ने बताया कि मध्य प्रदेश से लाए गए 144 बच्चों को कटनी प्रशासन द्वारा एसआईआर रिपोर्ट तैयार करने के बाद अररिया प्रशासन को सौंपा गया था।

शिक्षकों के साथ यात्रा करना संदेह का कारण बना था: वर्मा ने आगे बताया कि पूर्ण जांच के बाद बच्चों को उनके परिजनों को वापस सौंप दिया गया है। बच्चों के साथ यात्रा कर रहे 8 शिक्षक (मौलवी) भी अपने घरों को लौट गए। परिजनों और समिति के अनुसार, ये बच्चे इस्लामी शिक्षा (मदरसा तालीम) हासिल करने के लिए जा रहे थे। बच्चों के पास अभिभावकों के हस्ताक्षर वाले प्रमाण पत्र थे, जिनमें लिखा था कि किसी घटना की स्थिति में मदरसा प्रशासन केवल सूचना देगा, जवाबदेही नहीं लेगा। बच्चों के साथ अभिभावकों का न होना और केवल कुछ शिक्षकों के साथ यात्रा करना संदेह का कारण बना था। हालांकि, जांच में बाल तस्करी का कोई ठोस सबूत नहीं मिला, जिसके बाद संदेह खारिज कर दिया गया।

बच्चों को किशनगंज रेलवे स्टेशन लाया गया: इस घटना ने बाल अधिकारों, धार्मिक शिक्षा और अंतरराज्यीय यात्रा से जुड़े मुद्दों पर व्यापक चर्चा छेड़ दी है। कई सामाजिक संगठनों ने इस बात पर जोर दिया कि संदेह के आधार पर बच्चों को रोकना आवश्यक है, लेकिन बाद में सही जांच और समन्वय के माध्यम से उन्हें उनके परिवारों तक पहुंचाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। कटनी से विशेष व्यवस्था के तहत बच्चों को किशनगंज रेलवे स्टेशन लाया गया, जहां जीआरपी और जिला बाल संरक्षण इकाई ने उन्हें अभिग्रहण किया। अररिया समिति की देखरेख में पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से पूरी हुई। यह मामला बाल संरक्षण तंत्र की सक्रियता को दर्शाता है, साथ ही यह भी दिखाता है कि संदेह और सत्यापन के बीच सही संतुलन कितना आवश्यक है। परिजनों ने राहत व्यक्त की कि उनके बच्चे सुरक्षित घर वापस आ गए। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि भविष्य में ऐसी यात्राओं के लिए उचित दस्तावेज और समन्वय सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि मासूम बच्चों को अनावश्यक परेशानी न झेलनी पड़े।

25 मई को कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन करेंगे किसान

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बेगूसराय। बिहार किसान सभा की बैठक आज कार्यानंद भवन में आयोजित की गई। जिसमें किसानों की समस्याओं को लेकर 25 मई को कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया है। बैठक की अध्यक्षता किसान सभा के जिला उपाध्यक्ष मनोज यादव ने की। बैठक में सीपीआई के जिला मंत्री अवधेश राय और पूर्व विधायक रामरतन सिंह भी उपस्थित थे। बैठक को संबोधित करते हुए बिहार किसान सभा के महासचिव रामचंद्र महतो ने कहा कि राज्य के अंदर किसानों के जीवन के साथ कॉरपोरेट हित में देश और राज्य सरकार के इशारे पर खिलवाड़ कर रही है। किसानों को फसल की वाजिब कीमत नहीं मिल रही है। उनके फसल की क्षति का मुआवजा नहीं मिल रहा है। खेती में उपयोग वाले सामानों की कीमत बेतहाशा बढ़ रहा है। जिससे खेती घाटे का रोजगार बन गया है। किसान परेशान है और इसलिए बिहार राज्य किसान सभा ने 25 मई को पूरे राज्य के सभी जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करने का फैसला लिया है। इस दौरान किसान संगठन की मजबूती पर भी चर्चा किया गया।

किसानों की समस्याओं की अनदेखी का लगाया आरोप: सीपीआई जिला मंत्री पूर्व

विधायक अवधेश कुमार राय ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार इस देश के लिए अन्न उपजाने वाले किसानों की समस्याओं की अनदेखी कर रही है। किसानों के मेहनत का इस्तेमाल कॉर्पोरेट घरानों के पक्ष में कर रही है। किसान सभा के जिला मंत्री दिनेश सिंह ने कहा कि 25 मई को होने वाले प्रदर्शन में 2500 से अधिक किसान आएंगे। इसके लिए सभी अंचलों की बैठक, सदस्यता अभियान, पंचायत की कमेटी का गठन और प्रदर्शन में आने के लिए लोगों के साथ संपर्क जोड़ेंगे की योजना बनाई गई है। बैठक को जिला सचिव मंडल सदस्य राजेंद्र चौधरी, कृष्ण कुमार, जुलुम सिंह, पवन कुमार, राजकुमार चौधरी, रामकुमार सिंह, सुधीर महतो,जितेंद्र जीतू, अशोक सिंह एवं रामचंद्र पासवान ने भी संबोधित किया।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

नियमों की अनदेखी और मौतों का सिलसिला, कब थमेंगे ये हादसे?

सुरक्षा इंतजामों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बरतने और नियमों की अनदेखी पर अगर फैक्ट्री मालिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, तो शायद अगले हादसों को रोकने की गुंजाइश बन सकती है।किसी भी हादसे का सबसे बड़ा सबक यह होना चाहिए कि वे हर इंतजाम किए जाएं, ताकि वैसी त्रासदी की पुनरावृत्ति न हो। मगर ऐसा लगता है कि किसी हादसे में व्यापक नुकसान के बावजूद समान स्थितियों में काम करने वाले दूसरे कारखानों में उसके कारणों पर गौर करने और भविष्य में बचने की कोशिश भी नहीं की जाती। वरना क्या कारण है कि एक ही तरह की दुर्घटनाएं बार-बार सामने आती रहती हैं और वजह के रूप में मुख्य रूप से असुरक्षित हालात में काम और लापरवाही ही दर्ज की जाती है।तमिलनाडु के विरुधुनगर में स्थित एक पटाखा कारखाने में हुए विस्फोट और उसमें पच्चीस लोगों की मौत की घटना ने एक बार फिर यही दर्शाया है कि हादसों के लिहाज से बेहद संवेदनशील माने जाने के बावजूद अव्यवस्था बदस्तूर कायम है। खबरों के मुताबिक विरुधुनगर की फैक्ट्री में जिस वक्त विस्फोट हुआ, उस समय रविवार को छुट्टी का दिन होने के बावजूद मजदूरों से काम कराया जा रहा था। विस्फोट की तीव्रता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि कम से कम तीन कमरे मलबे में तब्दील हो गए और आसपास के कई भवनों को भारी नुकसान पहुंचा।यह समझना मुश्किल है कि पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के अभाव की स्थिति में विस्फोटक पदार्थों के बीच काम संचालित करते हुए यह ध्यान रखने की जरूरत क्यों नहीं समझी जाती कि मामूली असावधानी के नतीजे क्या हो सकते हैं। पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से हुए हादसे की यह कोई अकेली घटना नहीं है। तमिलनाडु में आए दिन पटाखा कारखानों में आग लगने से लोगों की मौत की खबरें आती रहती हैं। देश के अन्य राज्यों में भी पटाखा कारखानों में आग लगने और उसमें जानमाल के नुकसान की घटनाएं अक्सर होती हैं। मगर इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि न फैक्ट्री मालिक हादसों से बचने के लिए जरूरी उपाय करते हैं और न ही सरकारी तंत्र और संबंधित महकमे के अधिकारी समय-समय पर यहां की गई सुरक्षा व्यवस्था की जांच और निगरानी करते हैं।

पति पत्नी और वो 2- 'सब कुछ बदलता है, पतियों की फितरत नहीं' चीटिंग को नॉर्मलाइज करती एक और फिल्म?

पति पत्नी और वो दो का टीज़र आज रिलीज हुआ है, फिल्म 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 'एक ही चीज है जो नहीं बदलती है पतियों की फितरतज' आयुष्मान खुराना, रकुल प्रीत सिंह, वामिका गब्बी और सारा अली खान की फिल्म 'पति, पत्नी और वो दो' का टीज़र आज रिलीज हुआ है। इसे देखते ही सबसे पहला सवाल यही उठता है- क्या फिल्में सिर्फ समाज का आईना होती हैं या फिर उसे इंफ्लुएंस भी करती हैं। भारत में सिनेमा हमेशा से रिश्तों और प्यार को बड़े पर्दे पर अलग-अलग तरीकों से दिखाता आया है। हमारे यहां तो लोग प्यार का सबक भी फिल्मों से ही सीखते हैं और सिनेमा से बहुत हद का प्रभावित होते हैं। यहां 'पति, पत्नी और वो', 'घरवाली बाहरवाली', 'बीवी नंबर 1', 'साजन चले ससुराल' जैसी फिल्मों में अक्सर पुरुषों के एक्स्ट्रामैरिटल रिलेशनशिप को या तो गलती के तौर पर दिखाया गया या फिर हालात की मजबूरी बताकर पेश किया गया। और अपने लिए आवाज उठाने वाली महिला को कई बार पुराने सिनेमा में निगेटिव शेड में दिखाया गया। आज के समय में, जब रिश्तों को लेकर लोगों की सोच पहले से ज्यादा कॉम्प्लिकेटेड हो रही है, वहीं दूसरी तरफ डेटिंग और रिलेशनशिप से जुड़े नए ऐप्स भी सामने आ चुके हैं- जिनमें से कुछ खास तौर पर शादीशुदा लोगों के लिए बनाए गए हैं। ऐसे में जब समाज में पहले से ही चीटिंग और रिश्तों की अस्थिरता को लेकर इतनी चर्चाएं हैं, उस वक्त इस तरह की फिल्में सवाल तो खड़े करती हैं। मीडिया रिसर्च के अनुसार, दर्शक फिल्मों को अपनी निजी सोच, अनुभव और सामाजिक पृष्ठभूमि के आधार पर अलग-अलग तरीके से समझते हैं। इसलिए जरूरी नहीं है कि इस तरह के सिनेमा से लोग सीधे तरह से इंस्पायर होकर चीटिंग करने लगेंगे मगर इससे भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि अगर किसी के मन में ऐसे विचार हैं तो ऐसी फिल्में उन विचारों को बढ़ावा जरूर दे सकती हैं।

जिससे हमारे कृषक जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करते हुए फसलों का उत्पादन कर सकें और उन्हें समुचित लाभ भी मिल सके। साथ ही, कृषि से उनका मोह भंग भी न हो। चूंकि जलवायु परिवर्तन किसी एक देश अथवा क्षेत्र तक सीमित नहीं है, इसलिए इसमें कमी लाने के लिए सभी स्तरों पर ठोस उद्यमी की जरूरत है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि जलवायु परिवर्तन न केवल कृषि के लिए, बल्कि संपूर्ण मानव सभ्यता के लिए खतरा है।

बढ़ते तापमान के बीच संकट में खेती, समय रहते संभलना जरूरी

(रवि शंकर)

एक तरफ जलवायु परिवर्तन का प्रत्यक्ष प्रभाव कृषि उत्पादन पर पड़ा है, तो दूसरी ओर अप्रत्यक्ष प्रभाव आय की हानि और अनाज की बढ़ती कीमतों के रूप में देखने को मिल रहा है। वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन वैश्विक मुद्दे के रूप में उभरा है। यह कोई एक देश या राष्ट्र से संबंधित अवधारणा नहीं है, बल्कि एक वैश्विक अवधारणा है जो समस्त पृथ्वी के लिए चिंता का कारण बनती जा रही है। देखा जाए तो जलवायु परिवर्तन से भारत सहित पूरी दुनिया में बाढ़, सूखा, कृषि संकट एवं खाद्य सुरक्षा के साथ बीमारियों का भी खतरा बढ़ा है। हालांकि, भारत की बड़ी आबादी (लगभग साठ फीसद) आज भी कृषि पर निर्भर है। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से आज कृषि भी अछूती नहीं है। इसलिए खेती पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को देखना बहुत जरूरी है। बदलते मौसम के प्रभाव से केवल फसलों का ही उत्पादन प्रभावित नहीं हो रहा है, बल्कि उनकी गुणवत्ता पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। यह देश की खाद्य सुरक्षा के लिए एक अहम चुनौती है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने चेतावनी दी है कि उच्च तापमान, सूखा, बाढ़ और मिट्टी की उर्वरता में कमी के कारण मध्य-पूर्व के कई देशों में कृषि को बड़े पैमाने पर नुकसान हो सकता है। बदलते पर्यावरण के कारण खेती के सामने बड़ा संकट है। एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2040 तक तापमान 1.5 डिग्री तक बढ़ता है, तो फसलों की पैदावार पर इसका गंभीर असर पड़ेगा। बढ़ते कार्बन उत्सर्जन से इस शताब्दी में दुनिया भर में भुखमरी, बाढ़ और नागरिकों का पलायन बढ़ने की बात कही जा रही है। अगर तापमान में बढ़ोतरी होती है, तो एशियाई देशों में कृषि पैदावार तीस फीसद तक नीचे आ सकती है। विकास की तीव्र आंधी में हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि विश्व की अधिकांश आबादी के लिए रोजी-रोटी की व्यवस्था करना मुश्किल हो जाएगा। वर्ष 2030 तक भुखमरी को खत्म करने का हमारा लक्ष्य भी अधूरा रह सकता है। गौरतलब है कि देश में पिछले चालीस वर्षों में वर्षा की मात्रा में निरंतर गिरावट आ रही है। बीसवीं सदी के आरंभ में औसत वर्षा 141 सेंटीमीटर थी, जो नब्बे के दशक में घट कर 119 सेंटीमीटर रह गई है। गंगोत्री हिमनद भी प्रतिवर्ष सिकुड़ रहा है। नदियों में जल कम हो रहा है। पानी की कमी के कारण खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है। एक तरफ जलवायु परिवर्तन का प्रत्यक्ष प्रभाव कृषि उत्पादन पर पड़ा है, तो दूसरी ओर अप्रत्यक्ष प्रभाव आय की हानि और अनाज की बढ़ती कीमतों के रूप में देखने को मिल रहा है। जबकि फसलों की उपज बढ़ाने में उपजाऊ मिट्टी, पानी, अनुकूल वातावरण और कीट-पतंगों से बचाव आदि का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है, लेकिन इनमें से किसी भी मानक में परिवर्तन होने से फसलों की पैदावार प्रभावित होती है। जलवायु परिवर्तन के कारण पिछले कई दशकों में तापमान बढ़ता गया है। कुछ पौधे ऐसे होते हैं, जिन्हें एक विशेष तापमान की आवश्यकता होती है। वायुमंडल में तापमान बढ़ने पर उनकी उपज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। जैसे गेहूं, सरसों, जौ और आलू आदि इन फसलों को कम तापमान की आवश्यकता होती है। तापमान का बढ़ना इनके लिए हानिकारक होता है। इसी प्रकार, ज्यादा तापमान बढ़ने से मक्का, ज्वार और धान आदि फसलों का नुकसान हो सकता है, क्योंकि ज्यादा तापमान के कारण इन फसलों में दाना नहीं बनता या फिर कम बनता है। जलवायु परिवर्तन खाद्य सुरक्षा के सभी चार आयामों- खाद्य उपलब्धता, खाद्य पहुंच, खाद्य उपयोग और खाद्य प्रणाली स्थिरता को प्रभावित करेगा। यदि धरातल का तापमान ऐसे ही बढ़ता रहा, तो हमारे सामने भोजन का संकट उत्पन्न हो जाएगा। तापमान की बढ़ती गति को देखें, तो आंकड़े बताते हैं कि इस सदी के अंत तक धरती का तापमान 3.7 डिग्री से 4.8 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाएगा। जिसका सीधा असर कृषि उत्पादन पर होगा। उदाहरण के लिए आज जहां गेहूं, जौ, सरसों और आलू की खेती हो रही है, तापमान बढ़ने से इन फसलों की खेती नहीं हो सकेगी, क्योंकि इन फसलों को ठंडक की आवश्यकता पड़ती है। ठीक इसी प्रकार अधिक तापमान बढ़ने से मक्का, धान या ज्वार आदि फसलों का चरण हो सकता है, क्योंकि इन फसलों में अधिक तापमान के कारण दाना नहीं बनता है अथवा कम बनता है। इससे इन फसलों की खेती करना असंभव हो सकता है। इसके अतिरिक्त तापमान बढ़ने से वर्षा में कमी होती है। इससे मिट्टी में नमी समाप्त हो जाती है। इसी के साथ सूखे की संभावना भी बढ़ी है। इतना ही नहीं जलवायु परिवर्तन मिट्टी की सेहत को भी प्रभावित कर रहा है, क्योंकि बढ़ता तापमान प्राकृतिक नाइट्रोजन कम कर रहा है और इसे बढ़ाने के लिए हम रासायनिक खादों का बेतहाशा इस्तेमाल कर रहे हैं जो मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित कर रही है। आज पूरे विश्व में जलवायु परिवर्तन का प्रभाव पड़ रहा है और यह कहीं ज्यादा, तो कहीं कम महसूस किया जा रहा है। जलवायु परिवर्तन जोखिम सूचकांक में भारत शीर्ष बीस देशों में शामिल है। पिछले चार दशकों में हमारी धरती का तापमान 0.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ा है, जिसके कारण बाढ़, सूखे और तूफान जैसी कुदरती आपदाएं भी बढ़ी हैं। चूंकि अपने देश में ज्यादातर किसानों के पास छोटा रकबा है, इसलिए इन आपदाओं के कारण उनकी आमदनी बुरी तरह गिर रही है। भारत के लिए यह और अधिक चिंता की बात है, क्योंकि हमारे यहां साठ फीसद जनसंख्या खेती से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी है। कृषि ही उनके जीवनयापन का मुख्य स्रोत है। जलवायु परिवर्तन न सिर्फ आजीविका, पानी की आपूर्ति और मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर रहा है, बल्कि खाद्य सुरक्षा के लिए भी चुनौती खड़ा कर रहा है। वर्ष 2050 तक विश्व की आबादी वर्ष कर साढ़े नौ अरब हो जाएगी। इसका अर्थ यह है कि हमें दो अरब अतिरिक्त लोगों के लिए 70 फीसद ज्यादा भोजन पैदा करना होगा। इसलिए अब खाद्य और कृषि प्रणाली को जलवायु परिवर्तन के अनुकूल बनाना होगा और इसे ज्यादा उपजाऊ तथा टिकाऊ बनाने की जरूरत होगी। ऐसे में कृषि के विभिन्न तरीकों का पुनरावलोकन कर पर्यावरण को कम से कम क्षति पहुंचाने वाली तकनीकों का इस्तेमाल वांछनीय है। जलवायु परिवर्तन न सिर्फ कृषि के लिए बल्कि संपूर्ण मानव सभ्यता के लिए भी खतरे के रूप में सामने आ रहा है। लिहाजा कोई भी देश इसके असर से बच नहीं सकता। निसंदेह यह चिंता की बात है कि बढ़ते तापमान का संकट बहुत गहरा है। यह भारत के लिए बड़ी समस्याएं पैदा करेगा। इसलिए जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों के परिप्रेक्ष्य में ऐसे तरीकों की समीक्षा किया जाना आवश्यक है।

पृथ्वी दिवस -समुद्री धाराओं पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव, धरती सोख नहीं पा रही गर्मी

(उत्तम सिंह गहरवार)

सागरों-महासागरों में बहने वाली जल-धाराएं पृथ्वी की जलवायु प्रणाली में काफी अहम भूमिका निभाती हैं। इन धाराओं के जरिये होने वाला जल-प्रवाह पृथ्वी के विभिन्न भागों के बीच गर्मी का आदान-प्रदान करके पूरी धरती के तापमान को संतुलित रखने में मदद करता है। चिंता की बात यह है कि जलवायु परिवर्तन के कारण ये समुद्री धाराएं धीमी पड़ती जा रही हैं, जिसके गंभीर परिणाम हमें आने वाले समय में मौसम में बदलाव और क्लाइमेट चेंज के रूप में देखने को मिल सकते हैं। भूविज्ञानियों के मुताबिक अटलांटिक मेरिडियनल ओवरटर्निंग सर्कुलेशन (एएमओसी) नामक प्रमुख समुद्री धारा प्रणाली पिछले कुछ दशकों में कमजोर हुई है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्लेशियरों के पिघलने से समुद्र के पानी में मीठे पानी की मात्रा बढ़ रही है। इससे समुद्री जल का घनत्व प्रभावित होने से धाराओं का प्रवाह धीमा पड़ रहा है। यदि यह प्रवाह और धीमा होता है या रुक जाता है, तो यह पृथ्वी के मौसम पैटर्न को पूरी तरह से बदल सकता है। इससे उत्तरी गोलार्ध के कुछ हिस्सों में अचानक तापमान गिर सकता है, जबकि भूमध्य रेखा के आसपास के क्षेत्रों में गर्मी और भी बढ़ सकती है। इसके अलावा, मानसून चक्र बाधित हो सकता है, जिससे कृषि और पेयजल आपूर्ति पर काफी बुरा असर पड़ सकता है। 'पृथ्वी' में क्या-क्या है शामिल इस साल विश्व पृथ्वी दिवस (22 अप्रैल) की थीम 'हमारी शक्ति - हमारा ग्रह' रखी गई है। इसी ध्येय वाक्य के साथ अर्थ डे को पूरे विश्व में मनाया जाएगा। पृथ्वी यानी धरती का मतलब अकसर लोग केवल भूमि यानी धरती के भू-भाग से समझ लेते हैं। जबकि, वास्तव में पृथ्वी एक व्यापक शब्द है, जिसके दायरे में थल के साथ-साथ जल यानी हमारे सागर-महासागर और नभ यानी हमारा वायुमंडल भी आता है। क्योंकि इनके बिना पृथ्वी जीवंत नहीं रह सकती। इसलिए जल, थल, नभ, नदी, झीलें, तालाब, कुएं, भूमि, वन, वन्य प्राणी, सागर, महासागर जैसी सभी चीजों को पृथ्वी शब्द के साथ जोड़कर देखा जाना चाहिए। क्योंकि, यह सब इस धरती पर अस्तित्व में शामिल हैं। ऐसे में पृथ्वी दिवस पर धरती के भूभाग के संरक्षण के साथ ही अपने वायुमंडल और सागरों-महासागरों की स्थिति पर भी गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। अंटार्कटिक सर्कम्पोलर करंट (एसीसी) का महत्व आइए, अब लौटते हैं समुद्री जल-धाराओं के अपने अपने मूल विषय पर। 'द कन्वरसेशन' के एक अध्ययन के अनुसार, पृथ्वी की सबसे शक्तिशाली समुद्री धारा अंटार्कटिका के चारों ओर बहती है। इसे अंटार्कटिक सर्कम्पोलर करंट (एसीसी) कहते हैं। इसे वेस्ट विंड ड्रिफ्ट भी कहा जाता है। यह दुनिया की इकलौती ऐसी समुद्री जलधारा है, जिसका प्रवाह महाद्वीपों से बाधित नहीं होता। यह धरती के तीन सबसे बड़े महासागरों अटलांटिक, प्रशांत और हिंद महासागर के बीच पानी के आदान-प्रदान का मुख्य चैनल है। इस तरह यह धारा दुनिया के मौसम का मिजाज तय करने में काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और उसे ठीक रखने में मदद करती है। एक हालिया रिसर्च में पता चला है कि एसीसी का प्रवाह अगले 25 सालों में धीमा पड़ सकता है। इससे समुद्री जीवन और समुद्र के बढ़ते जल स्तर के साथ-साथ धरती की वातावरण से गर्मी सोखने की क्षमता पर भी बुरा असर पड़ सकता है।

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 6073

	5				4		6	
3				6	8	2		
4	6			9				1
					1		4	
	3	4		5		7	2	
	9		2					
6				8			7	9
		9	3	2				8
	7		9				5	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6072

3	2	6	8	4	5	1	7	9
4	8	7	6	1	9	5	2	3
9	1	5	7	2	3	6	8	4
7	9	2	5	6	8	4	3	1
6	4	8	3	9	1	7	5	2
1	5	3	4	7	2	8	9	6
2	6	1	9	5	7	3	4	8
8	7	4	2	3	6	9	1	5
5	3	9	1	8	4	2	6	7

वर्ग पहेली 6073

संकेत: बाएं से दाएं

1. पारसमणि फिल्म से सरगमी सफर शुरू करने वालों में से एक संगीतकार जिनका जन्म 3 सितंबर 1944 है (4)
4. 1971 को यह देश स्वतंत्र राष्ट्र बना (3)
7. जल से उत्पन्न वस्तु (3)
8. पवित्र, पाक, पापहीन (3)
9. कल्पवृक्ष, अमरतरू, कल्पतरू (4)
12. आदर देना, आज्ञा पालन करना (3)
14. तिरस्कृत, अनाहत, अपमानित (3)
15. कोलकाता से 150 किमी दक्षिण पूर्व सुंदरवन में स्थित प्रसिद्ध तीर्थ (5)
18. खिदमत, टहल, परिचर्या (2)
20. विद्युतपात, वज्राघात (2)
21. धैर्यहीन, अधीर, बेकरार (3)
23. एक स्त्री से प्रेम करने वाले दो व्यक्ति का परस्पर यह कहलाते है (3)

संकेत: ऊपर से नीचे

1. इसे मालवी में कांदा कहते है (2)
2. रेल लाईन (4)
3. शर्म, हया, लज्जा (2)
4. नरमुंडों की माला महनने के कारण भगवान शंकर का एक नाम (5)
5. तेरा या तेरी (संस्कृत)(2)
6. झंकृत होना, झंकार होना (4)
9. वृक्ष, पेड़, झाड़ (2)
10. इंदौर के संगीतज्ञ मनोहर पटवर्धन द्वारा विकसित वाद्य यंत्र (4)
11. टौंस नामक नदी, ऋक्ष पर्वत से निकल गंगा नदी में मिलने वाली नदी (3)
13. विश्वकर्मा के सुत नल द्वारा बनाया गया रामेश्वर के निकट समुद्र पर बंधा पुल (4)
14. धन संपत्ति, स्वर्ण (2)
16. भोजन में सलाद के रूप में उपयोंग में आने वाले शिखाकंद, पिंडमूल (3)
17. निर्धन, कंगाल, दरिद्र (3)
19. न्यौछावर करना, उत्सर्ग करना (3)
21. किसी वस्तु को पाने का अल्प निश्चय (2)

वर्ग पहेली 6072 का हल

गु	ज	रा	त		बे	रू	त
ल	ल	का	र	ना		म	न
जा	ना		स	म	क्ष		ख्वा
री				व			ह
ला	ला	अ	म	र	ना	थ	
ल	ल	क	ना		म	ल	य
नं		ब	ना	व		च	
दा	य	र		न	जी	र	

आज का राशिफल

मेष
आज किस्मत आपको एक बड़ा संकेत दे रही है। प्रॉपर्टी से जुड़ा अटका काम अचानक सुलझ सकता है और समाज में आपकी पहचान चमक सकती है। दिल कह रहा है कुछ बड़ा करो और आप वही करने वाले हैं। लेकिन प्रेम में थोड़ी सावधानी जरूरी है, साथी को नजरअंदाज किया तो दूरी बढ़ सकती है। मां की सेहत चिंता दे सकती है, भागदौड़ बढ़ेगी। इच्छा पूरी होगी।

वृष
भागदौड़ भरा दिन है, लेकिन राहत की बात कि मदद खुद चलकर आएगी। खर्चों पर कंट्रोल रखना जरूरी है, नहीं तो बजट बिगड़ सकता है। अपने काम खुद करें, दूसरों पर भरोसा भारी पड़ सकता है। बच्चों पर नजर रखें, उनकी दिशा सही रखना आपकी जिम्मेदारी है। सरकारी काम में जल्दबाजी नहीं, सोच-समझकर कदम बढ़ाएं।

मिथुन
आज का दिन आपके लिए मौके लेकर आया है। कोई नई खरीदारी दिल खुश कर देगी और परिवार में रिश्ते पहले से मजबूत होंगे। घर में नई शुरुआत चाहे वाहन हो या मरम्मत। शुभ संकेत दे रही है। लंबे समय से अटकी डील फाइनल हो सकती है। लेकिन सेहत को हल्के में लिया तो परेशानी बढ़ सकती है।

तुला
आज सेहत पर बिल्कुल भी लापरवाही मत कीजिए। पेट से जुड़ी परेशानी आपको परेशान कर सकती है। नौकरी की तलाश खत्म हो सकती है। बुलावा आ सकता है, लेकिन जल्दबाजी नुकसान दे सकती है। अपने राज किसी से शेयर ना करें, कोई फायदा उठा सकता है। फोकस बनाए रखेंगे तो रास्ता खुद बन जाएगा।

वृश्चिक
सुबह की शुरुआत ही खुशखबरी लेकर आएगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और घर का माहौल खुशनुमा रहेगा। पुराने झगड़े खत्म होंगे और काम की रफ्तार तेज होगी। जिम्मेदारियों को समय पर निभाकर आप सबका दिल जीत लेंगे। प्रमोशन की बात भी आगे बढ़ सकती है। अनजान लोगों की बातों में आकर फैसला लेना नुकसान दे सकता है।

धनु
आज धैर्य ही आपकी असली ताकत है। मीठी वाणी से आप हर मुश्किल आसान कर सकते हैं। प्रॉपर्टी मामले में भाइयों से बात आगे बढ़ेगी। विद्यार्थियों के लिए सफलता के दरवाजे खुल सकते हैं। स्कॉलरशिप तक मिल सकती है, लेकिन वाहन चलाते समय सावधानी जरूरी है, वरना परेशानी हो सकती है।

कर्क
आज का दिन परीक्षा ले सकता है, लेकिन आप संभाल लेंगे। काम में फोकस बढ़ेगा और बॉस की नजर में आपकी वैल्यू भी। दिल में सहयोग की भावना रहेगी, जो आपको आगे बढ़ाएगी। छोटी-छोटी बातों का तनाव रहेगा, लेकिन परिवार के विवादों से राहत मिलेगी। लाइफस्टाइल में पॉजिटिव बदलाव दिखेगा। अनजान लोगों की बातों में आकर फैसला लेना नुकसान दे सकता है।

सिंह
आज आत्मविश्वास आपका सबसे बड़ा हथियार है, लेकिन मन में चल रही उलझनें आपको थोड़ा परेशान कर सकती हैं। प्लानिंग के साथ काम करेंगे तो जीत आपकी होगी। सेहत खासकर शुगर और बीपी को नजर अंदाज ना करें। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन खास है, मनचाहा रिजल्ट मिल सकता है। अनजान लोगों की बातों में आकर फैसला लेना नुकसान दे सकता है।

कन्या
आज नौकरी वालों के लिए खुशखबरी है। नया पद या प्रमोशन मिल सकता है। लक्ष्य पर फोकस रखेंगे तो सफलता तय है। प्लानिंग के साथ काम करेंगे तो हर काम समय पर पूरा होगा। लेकिन सेहत को नजरअंदाज किया तो बड़ी समस्या बन सकती है। दिनचर्या सुधारेंगे तो लाइफ बैलेंस में आ जाएगी।

मकर
आज रिश्तों में पारदर्शिता जरूरी है। जीवनसाथी से कुछ भी छुपाना भारी पड़ सकता है। डूबा हुआ पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। राजनीति या नए काम में हाथ आजमाने का मन बनेगा। बिजनेस में ग्रोथ दिखेगी और पेंडिंग काम पूरे होंगे। पिता से बहस से बचें, नहीं तो बात बिगड़ सकती है। अनजान लोगों की बातों में आकर फैसला लेना नुकसान दे सकता है।

कुंभ
आज का दिन आपको मुस्कुराने की वजह देगा। समस्याओं का हल मिलेगा और आर्थिक स्थिति सुधरेगी। नौकरी की तलाश खत्म हो सकती है। कोई अच्छी खबर मिलेगी। नया वाहन लेने का सपना भी पूरा हो सकता है। बिजनेस में ग्रोथ दिखेगी और पेंडिंग काम पूरे होंगे। पिता से बहस से बचें, अनजान लोगों की बातों में आकर फैसला लेना नुकसान दे सकता है।

मीन
आज थोड़ा संभलकर चलना होगा। खर्चे बढ़ सकते हैं, इसलिए कंट्रोल जरूरी है। आपके काम आपको नई पहचान दिलाएंगे। बच्चे आपकी तरफ उम्मीद भरी नजरों से देखेंगे। अनजान लोगों की बातों में आकर फैसला लेना नुकसान दे सकता है। लेकिन एक शुभ समाचार आपका दिन बना देगा। पर मन फिर भी कुछ अधूरा महसूस करेगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी कार्यालय, जय हिन्द कॉलोनी नाला पर, आरा, जिला भोजपुर (बिहार) से प्रकाशित संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, स्थानीय संपादक- साकेत अम्बष्ट, -9934957121, 7766886433, E-mail : svvaara@gmail.com, RNI-BIHHIN/2017/72765

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

रांची पहाड़ी मंदिर समिति का पुनर्गठन, राजेश कुमार साहू को फिर मिली जिम्मेदारी

रांची, एजेंसी। झारखंड के रांची में स्थित पहाड़ी मंदिर समिति का पुनर्गठन किया गया। झारखंड राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड द्वारा रांची के ऐतिहासिक पहाड़ी मंदिर की नई समिति का गठन किया गया है। इस नई कमेटी में श्री शिव बारात आयोजन महासमिति के संस्थापक अध्यक्ष राजेश कुमार साहू को एक बार फिर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें आगामी पांच सालों के लिए समिति में अपना योगदान देने का अवसर दिया गया है। समिति के अध्यक्ष पद पर न्यायाधीश एस0 एन0 पाठक को नियुक्त किया गया है। वहीं विशेष आमंत्रित सदस्यों में सांसद, विधायक, रांची उपायुक्त, वरीय पुलिस अधीक्षक, सदर अनुमंडल पदाधिकारी सहित विजय पाठक को शामिल किया गया है। समिति के सदस्यों ने राजेश कुमार साहू को इस नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। साथ ही उम्मीद जताई है कि उनके नेतृत्व और अनुभव से पहाड़ी मंदिर के विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों को नई गति मिलेगी और यह ऐतिहासिक धरोहर और भी भव्य रूप में सामने आएगी।

पलामू में सड़क हादसा, स्कॉर्पियो-बुलेट की टक्कर में युवक की मौत

पलामू, एजेंसी। झारखंड के पलामू जिले के मेदिनीनगर पंडवा औरंगाबाद एनएच 33 मुख्य मार्ग पर गाड़ीखास (बढ़का भिट्ठा) के पास शनिवार की सुबह करीब आठ बजे स्कॉर्पियो और बुलेट मोटरसाइकिल के बीच सीधी टक्कर हो गई। इस घटना में एक वेकती की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि अन्य दो व्यक्ति घायल हो गए। इस घटना में पलामू जिला के भाजपा नेता सह पलामू सांसद विष्णु दयाल राम के करीबी ईश्वरी पांडेय के करीब 33 साल के बड़े बेटे आकाश कुमार पांडेय की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। इस सीधी टक्कर में दुर्घटनाग्रस्त वाहनों का परखच्चे उड़ गए। इसकी सूचना मिलते ही पंडवा पुलिस घटना स्थल पर पहुंची। घटना की सूचना मिलते ही पंडवा पुलिस घटना स्थल पर पहुंची। पंडवा पुलिस ने आकाश पांडेय के अलावा दो अन्य घायलों को मेदिनीनगर स्थित एमएमसीएच भेज दिया। जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद आकाश कुमार पांडेय को मृत घोषित कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार, आकाश पांडेय रेहला स्थित ग्रासिम में कार्यरत थे। मेदिनीनगर स्थित अपने आवास से ड्यूटी के लिए निकले थे। ड्यूटी जाने के दौरान वे जैसे ही गाड़ीखास (बढ़काभीठा) के पास पहुंचे। इसी बीच विपरीत दिशा औरंगाबाद की ओर तेज गति से आ रही स्कॉर्पियो और उनके बुलेट मोटरसाइकिल के बीच सीधी टक्कर हो गई। इस घटना की जानकारी पूरे क्षेत्र आग की लहर की तरह फैल गई और शोक की लहर दौड़ पड़ी। इसकी सूचना के बाद धीरे-धीरे मेदिनीनगर स्थित एमएमसीएच अस्पताल में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।

धनबाद होकर 29 को चलेगी साबरमती आसनसोल स्पेशल ट्रेन

धनबाद, एजेंसी। 29 अप्रैल को साबरमती से धनबाद होते हुए आसनसोल के लिए एक ट्रिप स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। 09435 साबरमती-आसनसोल, साबरमती से रात 11:55 बजे खुलकर 1 मई को दिन के 11:15 बजे धनबाद होती हुई दोपहर 2:30 बजे आसनसोल पहुंचेगी। वापसी में 09436 आसनसोल-साबरमती 1 मई की शाम 4:15 बजे आसनसोल से खुलकर शाम 5:50 बजे धनबाद और 3 मई की सुबह 7:15 बजे साबरमती पहुंचेगी।25 अप्रैल को यह स्पेशल ट्रेन भी चलेंगी 04249 डानकुनी-सुल्तानपुर व 01109 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस आसनसोल।रांची एलटीटी पारसनाथ में ठहराव गोमो होकर चलने वाली रांची लोकमान्य तिलक टर्मिनस रांची एक्सप्रेस का पारसनाथ स्टेशन पर ठहर होगा। रांची से खुलने वाली ट्रेन 29 अप्रैल से और एलटीटी से चलने वाली ट्रेन 1 मई से पारसनाथ स्टेशन पर 2 मिनट के लिए रुकेगी।

फूड सेफ्टी नियमों में बड़ा बदलाव, 1।5 करोड़ तक के टर्नओवर पर व्यापारियों को साधारण निबंधन जरूरी

रांची, एजेंसी। झारखंड चैंबर की फूड सेफ्टी उप समिति की बैठक शुक्रवार को चैंबर भवन में हुई। इस दौरान भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण के नए और संशोधित नियमों पर विस्तार से चर्चा हुई। फूड सेफ्टी ऑफिसर डॉ। पवन कुमार ने बताया कि नए नियमों के अनुसार 1।5 करोड़ रुपए तक सालाना कारोबार करने वाले व्यापारियों को केवल साधारण निबंधन कराना होगा। वहीं 1।5 करोड़ से 50 करोड़ तक के टर्नओवर वाले व्यवसायियों को स्टेट लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। यह व्यवस्था 1 अप्रैल 2026 से लागू होगी।बैठक में व्यापारियों ने फूड सैंपल जांच प्रक्रिया पर भी चिंता जताई। उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने कहा कि फूड सैंपल की रिपोर्ट आने में करीब तीन महीने लग जाते हैं और जांच के समय ही व्यापारी का नाम सार्वजनिक कर दिया जाता है, जिससे उनकी प्रतिष्ठा प्रभावित होती है। उन्होंने सुझाव दिया कि रिपोर्ट आने तक पहचान गोपनीय रखी जाए और राज्य में आधुनिक लैब की व्यवस्था की जाए। बैठक में चैंबर उपाध्यक्ष राम बांगड़, सह सचिव नवजोत अलंग, कार्यकारिणी सदस्य मनीष सर्राफ समेत कई सदस्य मौजूद थे।

खतरे में बच्चों की जिंदगी! 20 वर्षों से आंगनबाड़ी केंद्र का भवन अधूरा,

जर्जर स्कूल भवन में चलता है आंगनबाड़ी

लातेहार, एजेंसी। छोटे बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा देने और उन्हें कुपोषण से बचाने तथा गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सरकार द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र का संचालन किया जाता है। अपने इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए सरकार ने आंगनबाड़ी केंद्रों को सभी आवश्यक सुविधाओं से लैस भी किया है। हालांकि सरकार की यह योजना लातेहार सदर प्रखंड के लुंदी गांव में धराशायी हो रही है।

कहने के लिए तो आंगनबाड़ी केंद्र संचालित है, परंतु भवन के अभाव में ना तो बच्चों को पूरी सुविधा मिल पा रही है और ना ही अन्य लाभुक ही बेहतर ढंग से लाभान्वित हो पा रहे हैं। वर्तमान समय में पुराने और जर्जर स्कूल भवन के बरामदे में आंगनवाड़ी केंद्र संचालित हो रहे हैं।

दरअसल लातेहार सदर प्रखंड का लुंदी गांव पूरी तरह आदिवासी बहुल गांव है। जिला मुख्यालय से लगभग 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित तरवाडीह पंचायत में स्थित इस गांव में लगभग 25 वर्षों से आंगनबाड़ी केंद्र का संचालन किया जा रहा है। इतने वर्ष बीत जाने के

बावजूद आज तक यहां एक आंगनबाड़ी की सुविधा संपन्न भवन नहीं बन पाया है।

वर्तमान समय में यहां के आंगनबाड़ी केंद्र में लगभग 40 से 50 मासूम बच्चों का नामांकन है। बच्चों को बैठने, खेलने और पढ़ने के लिए आंगनवाड़ी का अपना भवन नहीं है। मजबूरी में गांव के स्कूल के पुराने और जर्जर भवन के बरामदे में किसी प्रकार आंगनबाड़ी केंद्र का संचालन किया जा रहा है। सरकारी स्तर पर लगभग 20 साल पहले यहां आंगनबाड़ी केंद्र के लिए भवन बनाने का कार्य भी आरंभ हुआ था, परंतु वह योजना आधार में लटक गई।स्थानीय ग्रामीण सोन सहाय सिंह और ग्राम प्रधान मुनेश्वर सिंह आदि ने बताया कि लगभग 20 वर्ष पहले यहां आंगनबाड़ी केंद्र का भवन बनाने का कार्य आरंभ हुआ था। भवन की ढलाई आदि कार्य भी पूरा हो गया। परंतु बाद में भवन को अधूरा छोड़ दिया गया। उसके बाद कई बार अधिकारियों से लेकर जनप्रतिनिधियों तक गुहार लगाई गई परंतु आंगनबाड़ी केंद्र के भवन निर्माण का कार्य पूरा नहीं हुआ।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में संचालित प्राथमिक विद्यालय के भवन का एक भाग जर्जर हो गया था, इस कारण वहां स्कूली बच्चों की पढ़ाई नहीं कराई जा रही थी। क्योंकि आंगनबाड़ी केंद्र के लिए भी गांव में कोई भवन नहीं था इसलिए मजबूरी में इसी जर्जर भवन के बरामदे में आंगनबाड़ी केंद्र का संचालन किया जा रहा है। वहीं इस संबंध में प्रखंड के उप प्रमुख राजकुमार प्रसाद ने बताया कि यह बड़ी दुखद बात है कि छोटे बच्चों को सभी मौसम में बरामदे में बैठकर ही पढ़ना, खाना और खेलना पड़ता है। उन्होंने कहा कि बच्चों का खाना भी खुले में ही बनाया जाता है। इस मामले को लेकर अधिकारियों से भी संपर्क किया गया, परंतु ग्रामीणों को आश्वासन के सिवा और कुछ भी नहीं मिला।

वही इस संबंध में पूछने पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अलका हेंब्रम ने बताया कि पूरे मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। जब तक भवन पूर्ण नहीं हो जाता तब तक आंगनबाड़ी को किसी सुरक्षित स्थान पर संचालित करने की व्यवस्था कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि विभाग का प्रयास होगा कि गांव में जल्द ही आंगनबाड़ी केंद्र का भवन बन जाए।

कुडू में दर्दनाक सड़क हादसा, शराब लदी गाड़ी और स्कूटी में जोरदार टक्कर से मां-बेटे समेत तीन की मौत

कुडू, एजेंसी। झारखंड के लोहरदगा जिले के कुडू थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। नेशनल हाईवे कुडू-रांची मुख्य पथ पर ढुलुवाखुंटा के पास शराब लदा मालवाहक वाहन और स्कूटी के बीच आमने-सामने की टक्कर में मां-बेटे समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना सुबह करीब 9 बजे की बतायी जा रही है। हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मिली जानकारी के अनुसार, कुडू थाना क्षेत्र के रोन्हैया कोलसिमरी गांव निवासी विषुण भगताईन अपने पुत्र किशोर भगत और भतीजा निरंजन उरांव के साथ स्कूटी (जेएच01बीडी 0695) से मांडर अस्पताल जा रही थीं। उनके पति वहां भर्ती थे, जिन्हें देखने के लिए वे घर से निकली थीं। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार मालवाहक गाड़ी ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि किशोर भगत और निरंजन उरांव की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं गंभीर रूप से घायल विषुण भगताईन को इलाज के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। इस दर्दनाक घटना से पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। बताया जा रहा है कि रांची से शराब लेकर मालवाहक वाहन (जेएच01एई 4495) पलामू की ओर जा रहा था। टक्कर के बाद वाहन सड़क पर पलट गया, जिससे नेशनल हाईवे पर लंबा जाम लग गया। सड़क के दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई और आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जमा हो गए। वाहन में शराब लदी होने की जानकारी मिलते ही कुछ लोग शराब लूटने के प्रयास में जुट गए। स्थिति को बिगड़ता देख थाना प्रभारी अजीत कुमार मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को खदेड़कर स्थिति को नियंत्रित किया।

प्रिंसिपल ने नाबालिग छात्रा से की छेड़छाड़; गया जेल

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह के पचम्बा थाना क्षेत्र स्थित नाइस पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल मो इमामुद्दीन पर एक 14 वर्षीय नाबालिग छात्रा के साथ पिछले कई महीनों से यौन उत्पीड़न और छेड़छाड़ करने का संगीन आरोप लगा है। पीड़िता के परिजनों द्वारा पचम्बा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी प्रिंसिपल को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना के बाद स्थानीय क्षेत्र में भारी आक्रोश देखा जा रहा है।

मार्कशीट देने के बहाने बुलाकर की बदसलूकी : दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, घटना उस समय हुई जब पीड़िता अपनी मार्कशीट लेने के लिए स्कूल गई थी। मार्कशीट प्राप्त करने के बाद जब वह प्रिंसिपल के कार्यालय से बाहर निकल रही थी। तभी मो इमामुद्दीन ने उसे किसी बहाने से दोबारा अंदर बुलाया। आरोप है कि कमरे के भीतर ले जाकर आरोपी ने छात्रा का मुंह दबा दिया। उसके साथ अश्लील हरकतें व छेड़छाड़ की कोशिश की।

जब छात्रा ने इसका कड़ा विरोध किया। शोर

मचाने का प्रयास किया, तो आरोपी प्रिंसिपल ने उसे डराया-धमकाया। स्कूल से नाम काटकर बाहर निकाल देने की धमकी दी। किसी तरह वहां से बचकर निकली छात्रा ने घर पहुंचकर अपनी मां को आपबीती सुनाई। उसने स्कूल जाने से साफ मना कर दिया।

पूर्व में भी लगे हैं आरोप, भेजा गया जेल : मामले की गंभीरता को देखते हुए वार्ड संख्या 6 के पार्षद संजीव कुमार और स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस से आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पार्षद ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि उक्त प्रिंसिपल की छवि पहले से ही संदिग्ध रही है। पूर्व में भी कई छात्राओं ने उनके आचरण पर सवाल उठाए थे।

रांची में विकास योजनाओं की शुरुआत, महापौर ने आश्रयगृह, पुस्तकालय और वेंडिंग जोन का किया शिलान्यास

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में नगर निगम ने एक और कदम बढ़ाया है। गुरुवार को महापौर रोशनी खलखो ने शहर के विभिन्न वार्डों में कई महत्वपूर्ण विकास योजनाओं का शिलान्यास किया। इन योजनाओं में आश्रयगृह, पाथवे, सड़क, पुस्तकालय और वेंडिंग जोन जैसे कार्य शामिल हैं, जो सीधे तौर पर आम लोगों की सुविधा से जुड़े हैं।

महापौर ने वार्ड संख्या 5 अंतर्गत बूटी मोड़ में आश्रयगृह निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इसके अलावा इसी वार्ड में पीएचईडी कॉलोनी स्थित मेड फर्स्ट अस्पताल के पास पाथवे और पीसीसी पथ निर्माण कार्य की भी आधारशिला रखी गई। वहीं, वार्ड संख्या 4 के मोराबादी स्थित कुसुम विहार में (जी+2) पुस्तकालय निर्माण कार्य की शुरुआत की गई, जो छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा साबित होगी।

इसके साथ ही वार्ड संख्या 2 में मोराबादी स्थित रजिस्ट्री कार्यालय के समीप वेंडिंग जोन और बाउंड्री वॉल निर्माण कार्य का भी

शिलान्यास किया गया। इस परियोजना से फुटपाथ दुकानदारों को व्यवस्थित स्थान मिलेगा। जिससे उनकी आजीविका को बढ़ावा मिलेगा और क्षेत्र में स्वच्छता भी सुनिश्चित हो सकेगी।

इस अवसर पर महापौर रोशनी खलखो ने कहा कि ये सभी योजनाएं शहर के जरूरतमंद लोगों की सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि आश्रयगृह बनने के बाद जरूरतमंदों को सुरक्षित ठिकाना मिलेगा। वहीं पाथवे और सड़क निर्माण से आम राहगीरों को आवाजाही में सहूलियत होगी। पुस्तकालय के निर्माण से क्षेत्र के विद्यार्थियों को शांत वातावरण में अध्ययन करने का अवसर मिलेगा। जिससे उनकी शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार होगा। महापौर ने यह भी कहा कि नगर निगम का लक्ष्य शहर के हर क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करना है। ताकि नागरिकों को बेहतर जीवन स्तर मिल सके। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सभी योजनाओं को समय पर और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाएगा।

अविराम कॉलेज कुडू में मलेरिया दिवस पर चला जागरूकता अभियान

लोहरदगा, एजेंसी। झारखंड के लोहरदगा जिले में कुडू स्थित अविराम कॉलेज ऑफ एजुकेशन टिको में विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत विशेष जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व हस्स्पदाधिकारी कुंदन गिद्ध ने किया। इस दौरान कॉलेज परिसर और आसपास के क्षेत्रों में जलजमाव वाले स्थानों पर ब्लीचिंग पाउडर और चुने का छिड़काव कर साफ-सफाई के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ। प्रतिमा त्रिपाठी ने कहा कि मलेरिया जैसी बीमारियों से बचाव के लिए नियमित साफ-सफाई, पानी का ठहराव रोकना और व्यक्तिगत सावधानियां बेहद जरूरी हैं। उन्होंने छात्रों को स्वच्छ वातावरण बनाए रखने की अपील की।

कॉलेज के सचिव इंद्रजीत कुमार भारती ने कहा कि मलेरिया से बचाव के लिए मच्छरदानी का उपयोग करना चाहिए और घर के आसपास पानी जमा नहीं होने देना चाहिए। उन्होंने कहा कि समय-समय पर जागरूकता और सही उपचार से इस बीमारी को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। इस अभियान में कॉलेज के छात्र-छात्राओं के साथ सहायक शिक्षक जंगबहादुर, पंकज, आफताब, पवन, ममता, चिनिबास, तबस्सुम, डॉ। शशि, डॉ। सुनीता, अमृत कुमार, आरती सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों में मलेरिया के प्रति जागरूकता फैलाना और स्वच्छता के महत्व को समझाना था।

परफ्यूम की बोतल के कारण भड़की आग, 4 जिंदा जले:नीमराना के अवैध कबाड़ गोदाम में धमाके

नीमराना , एजेंसी। राजस्थान के नीमराना (कोटपूतली-बहरोड़) में अवैध कबाड़ गोदाम में आग लगने से 4 लोग जिंदा जल गए। इसमें दो मासूम भी हैं। हादसे में एक महिला गंभीर रूप से झुलसी है। दो लोगों के बारे में जानकारी नहीं मिल सकी है। सभी मृतक झारखंड के हैं। शवों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। डीएनए टेस्ट के जरिए शवों की पहचान होगी।

दावा किया जा रहा है कि हादसा परफ्यूम की बोतल से निकले केमिकल में आग लगने से हुआ। गोदाम में रखे केमिकल ड्रमों में भी ब्लास्ट हुए। घटना शुक्रवार शाम करीब 5 बजे की है।

पुलिस के अनुसार गोदाम कृषि भूमि पर बना हुआ है। जिसे कबाड़ का काम करने वाले करण सिंह पुत्र मामन सिंह कोलीला ने किराये पर ले रखा था। शुक्रवार शाम को मजदूर कबाड़ में मिली कुछ परफ्यूम की बोतलें तोड़ रहे थे।

इसमें से स्पिरिट जैसा ज्वलनशील केमिकल निकल रहा था। इसी दौरान वहां कबाड़ लोड करने आए एक पिकअप गाड़ी के ड्राइवर ने बीड़ी जलाकर जलती तीली फेंक दी। जिससे केमिकल ने आग पकड़ ली।

हादसे के वक्त करीब 7 महिला, पुरुष और उनके बच्चे मौजूद थे। कबाड़ में आग फैलते ही सब इधर-उधर भागने लगे। इनमें दो नाबालिग और एक महिला गोदाम के पिछले हिस्से में छुप गए। उस हिस्से में कबाड़ नहीं था। उन्होंने सोचा यहां लपटें नहीं पहुंचेंगी, लेकिन भीषण आग से टीनशेड के पिलर पिघलकर उन पर गिर

गए। नीचे प्लास्टिक वेस्ट धधकने लगा। इस कारण वो वहीं फंस गए।

गोदाम में रखे केमिकल से भरे ड्रमों में तेज धमाके होने लगे, जिससे पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। धमाकों की आवाज से आसपास दहशत हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि रुक-रुककर करीब 5 धमाके गोदाम के अंदर हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले भी अवैध गोदाम को लेकर प्रशासन से शिकायत की थी, लेकिन गोदाम बंद नहीं कराया गया।

विश्व मलेरिया दिवस पर झरिया में मेगा सेमिनार और जागरूकता रैली का आयोजन

धनबाद, एजेंसी। झारखंड के धनबाद जिले में विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झरिया-सह-जोरापोखर की एनवीबीडीसीपी टीम द्वारा कई विद्यालयों में मेगा सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा आठवीं, नौवीं, दसवीं, ग्यारहवीं और बारहवीं के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

टीम द्वारा विद्यार्थियों को मलेरिया क्या है, यह कैसे फैलता है, इसके लक्षण क्या हैं और बचाव के क्या उपाय हैं, इसकी विस्तृत जानकारी दी गई। सेमिनार के अंत में बताए गए विषयों से संबंधित प्रश्न पूछे गए। सही जवाब देने वाले छह विद्यार्थियों को स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा पुरस्कृत किया गया।

इधर विश्व मलेरिया दिवस पर चासनाला स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झरिया-सह-जोरापोखर के स्वास्थ्य अधिकारियों, कर्मचारियों और सहियाओं द्वारा शनिवार को जागरूकता रैली निकाली गई। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रैली का शुभारंभ किया गया। इस दौरान लोगों को मलेरिया से बचाव के बारे में बताया गया।

मौके पर डॉ। मिहिर कुमार, श्वेता कुमारी, डॉ। संजय कुमार, डॉ। दिलीप कुमार, बरुण कुमार, प्रयोगशाला प्रावैधिकी अवधेश कुमार, आमिर परवेज, तनवीर आलम, सुरेश, सहिया साथी यमुना महतो, बबलू रविदास सहित कई लोग उपस्थित थे।

गिरिडीह में अलग-अलग सड़क हादसों में 9 लोग घायल

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले में गुरुवार देर शाम से रात तक तीन अलग-अलग सड़क हादसों में कुल 9 लोग घायल हो गए। इनमें दो महिलाएं भी शामिल हैं। 6 घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिनका इलाज सदर अस्पताल गिरिडीह में चल रहा है। तीन लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। पहली घटना बेंगाबाद थाना क्षेत्र के बेंगाबाद-छोटकी खरगडीहा मुख्य मार्ग पर ढाबा के पास हुई। यहां दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में पांच लोग घायल हो गए।

घायलों में बिहार के चकाई थाना क्षेत्र के पिपराडीह निवासी सुमन सोरेन, छोटेलाल सोरेन और मैथुश सोरेन शामिल हैं। दूसरी बाइक पर धनबाद के रंगामाटी निवासी अजय कुमार ठाकुर और विजय कुमार ठाकुर सवार थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइकें क्षतिग्रस्त हो गईं और सभी सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार, पिपराडीह के तीनों

युवक एक ही बाइक पर बेंगाबाद बाजार से घर लौट रहे थे, जबकि दूसरी बाइक विपरीत दिशा से आ रही थी। संतुलन बिगड़ने से दोनों बाइकों की सीधी भिड़ंत हो गई। इस हादसे में तीन युवकों को गंभीर चोटें आईं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दो अन्य युवकों को मामूली चोटें थीं और प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें घर भेज दिया गया।

दूसरी घटना मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में हुई, जहां स्कूटी सवार कुमार आरव बरमोरिया के पास अचानक अनियंत्रित होकर गिर गए। उन्हें गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों और परिजनों ने उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें घर भेज दिया गया।

तीसरी घटना पचंबा थाना क्षेत्र में एसबीआई बैंक के पास हुई। यहां एक पिकअप वैन और टोटो के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर के बाद टोटो अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे उसमें सवार यात्रियों में अफरातफरी मच गई। इस हादसे में लोहपिट्टी निवासी प्रियंका देवी, ममता देवी और टोटो चालक रोहित कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, टोटो पचंबा से सवारियों को लेकर लोहपिट्टी की ओर जा रहा था। इसी दौरान सामने से डेकोरेशन का सामान लेकर आ रही पिकअप वैन ने टोटो को टक्कर मार दी। घटनाओं के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई और पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस व स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

एक्टिंग नहीं छोड़ रहे हैं करण वाही

टीवी से वेब सीरीज का सफर तय करने वाले अभिनेता करण वाही 'रीमिक्स', 'दिल मिल गए', 'नेवर किस योर बेस्ट फ्रेंड' (सीजन 2) और 'चन्ना मेरेया' जैसे कई शो में अभिनय करने के बाद घर-घर में मशहूर हो गए। हाल ही में उन्होंने अपने आध्यात्मिक सफर और जीवन में कुछ देर बाद अपने विश्वासों तक पहुंचने के बारे में खुलकर बात की। सोशल मीडिया पर उनके ये बयान वायरल होने के बाद कई लोगों ने कयास लगाए कि करण अभिनय पूरी तरह छोड़ने वाले हैं। चर्चाओं के बढ़ने के बाद अब अभिनेता ने इसके पीछे की सच्चाई बताई है।
करण वाही ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट का जवाब दिया, जिसे बाद में हटा दिया गया था। उस पोस्ट में कहा गया था कि अभिनेता ने आध्यात्मिकता पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अभिनय से दूरी बनाने का फैसला किया है। इस पोस्ट को स्टोरी पर साझा करते हुए करण ने कैप्शन में लिखा, 'आध्यात्मिक होने का मतलब यह नहीं है कि मुझे अपना काम छोड़ना होगा। कृपया वायरल होने के लिए अफवाहें न फैलाएं। संबंधित व्यक्ति से अनुरोध है कि इस पोस्ट को हटा दें और झूठ न फैलाएं। धन्यवाद।'
वर्कफ्रंट की बात करें तो करण वाही को हाल ही में सोनी लिव पर स्ट्रीम करने वाली रोमांटिक थ्रिलर सीरीज 'रायसिंघानी वर्सेस रायसिंघानी' (2024) में देखा गया था।

अफेयर की चर्चाओं के बीच धनुष की फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी मृणाल!

पिछले साल मृणाल ठाकुर और धनुष के रिश्ते को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं चल रही थीं। यहां तक कि दोनों की शादी तक कीं अफवाहें बी-टाउन की गलियों में फैली थीं। हालांकि, मृणाल ने कई बार इन्हें अफवाहें बताकर खारिज किया। अब एक बार फिर मृणाल और धनुष चर्चाओं में हैं, लेकिन इस बार वजह पर्सनल नहीं बल्कि प्रोफेशनल है। चर्चाएं हैं कि मृणाल ठाकुर धनुष के निर्देशन में बनने वाली फिल्म में प्रमुख भूमिका में नजर आ सकती हैं।

धनुष करेंगे फिल्म का निर्देशन

इंडिया टुडे में छपी एक खबर के मुताबिक, एक महिला प्रधान फिल्म पर काम चल रहा है और मृणाल ठाकुर को मुख्य भूमिका के लिए चुना जा रहा है। बताया जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट में महिला मुख्य कलाकार के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका होगी और बातचीत अंतिम चरण में है। रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ अन्य खबरों के अनुसार, धनुष इस फिल्म का निर्देशन कर सकते हैं, जो 1960 या 1970 के दशक पर आधारित एक पीरियड ड्रामा फिल्म होगी। आधिकारिक घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है। हालांकि, अभी तक मेकर्स की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

उड़ी थीं मृणाल और धनुष के अफेयर की खबरें

धनुष और मृणाल ठाकुर के बारे में अफवाहें पिछले साल अगस्त 2025 से फैलनी शुरू हुई थीं। जब दोनों को मृणाल की फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' के प्रीमियर पर एक साथ देखा गया। इससे पहले धनुष की फिल्म 'तेरे इश्क में' की रैप पार्टी में भी मृणाल ठाकुर की मौजूदगी ने सबका ध्यान खींचा था। सोशल मीडिया पर धनुष के परिवार के सदस्यों को फॉलो करते हुए मृणाल के देखे जाने के बाद अटकलें और तेज हो गईं। बाद में मृणाल ठाकुर ने अपनी फिल्म 'दो दीवाने शहर में' के प्रमोशन के दौरान अपनी शादी की अफवाहों को खारिज किया था। उन्होंने इन चर्चाओं को सिर्फ अफवाह बताया था।

इस फिल्म में नजर आएंगे धनुष

वर्कफ्रंट की बात करें तो मृणाल हाल ही में आदिवी शेष के साथ फिल्म 'डकैत' में नजर आईं। इस एक्शन रोमांटिक ड्रामा को मिली-जुली समीक्षाएं मिलीं और बॉक्स ऑफिस पर इसकी शुरुआत धीमी रही। वहीं धनुष अपनी अगली फिल्म 'कारा' की तैयारी में जुटे हैं, जो 1991 के खाड़ी युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है। यह फिल्म 30 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

घर और परिवार से दूर रहने की वजह से मैं अकेलापन महसूस करने लगी थी

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री मालविका मोहनन अक्सर अपनी फिल्मों और ग्लैमरस अंदाज को लेकर चर्चा में रहती हैं। लेकिन, चमकती दुनिया के पीछे कलाकारों की जिंदगी में कई बार ऐसा अकेलापन भी होता है, जिसके बारे में लोग कम ही जानते हैं। हाल ही में मालविका ने अपने दिल की बात फैंस के साथ साझा की और बताया कि एक समय ऐसा आया था, जब वह अंदर से काफी टूट गई थीं। उन्होंने बताया कि परिवार और अपनों से दूर रहने की वजह से वह खुद को बेहद अकेला महसूस करने लगी थीं। दरअसल, मालविका मोहनन ने इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन रखा था। इस दौरान फैंस ने उनसे कई निजी और प्रोफेशनल सवाल पूछे। इसी बीच एक फैन ने उनसे पूछा कि वह आखिरी बार कब रोई थीं? इस सवाल का जवाब देते हुए मालविका ने कहा, ''पिछले महीने मैं काम के सिलसिले में चेन्नई में थीं। वहां मुझे लंबे समय तक रुकना पड़ा था। मेरी टीम बहुत अच्छी थी और काम भी ठीक चल रहा था, लेकिन लंबे समय तक घर और परिवार से दूर रहने की वजह से मैं धीरे-धीरे अकेलापन महसूस करने लगी थीं।''
उन्होंने कहा, ''दिनभर शूटिंग और काम में व्यस्त रहने के बाद जब मैं रात में अपने होटल के कमरे में लौटती थीं, तो वहां मुझसे बात करने वाला कोई नहीं होता था। यही चीज मुझे अंदर से परेशान करने लगी। मैं मानसिक रूप से काफी उदास थी। लगातार अकेले रहने का असर मेरे मन पर पड़ने लगा था, जिसके वजह से मुझे रोना आता था।''
अपने निजी अनुभव साझा करने के साथ-साथ मालविका ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि वह इस समय अभिनेता विजय सेतुपति के साथ एक तमिल फिल्म में काम कर रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन त्यागराजन कुमार राजा कर रहे हैं। मालविका ने निर्देशक की तारीफ करते हुए कहा कि वह सबसे बेहतरीन फिल्म निर्माताओं में से एक हैं। मालविका ने बताया कि इस फिल्म का नाम 'पॉकेट नॉवेल' है और यह इसी साल रिलीज होने वाली है। उन्होंने कहा, ''इस प्रोजेक्ट को लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं और उम्मीद करती हूं कि दर्शकों को यह फिल्म जरूर पसंद आएगी। इस फिल्म पर काम करना मेरे लिए खास अनुभव रहा है।''

जैकी भगनानी न रकुल प्रीत सिंह से शादी के कारणों आपसी बॉन्डिंग को लेकर बात की

रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी बी-टाउन के क्यूट कपल में से एक हैं। दोनों अक्सर साथ में कपल गोल देते रहते हैं। हाल ही में जैकी भगनानी ने अपने रिश्ते को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि शादी के बावजूद वह अपने रिश्ते को सिचुएशनशिप की तरह मानते हैं। साथ ही जैकी ने आपस की बॉन्डिंग को लेकर भी बात की। हाल ही में जैकी भगनानी और रकुल प्रीत सिंह ने शादी के कारणों और अपने रिश्ते में आए बदलावों के बारे में बात की। जैकी ने बताया कि हमने एक-दूसरे से कहा कि अब हम 20-21 साल के नहीं हैं। हम दोनों ने जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से खुशमिजाज इंसान हूं। मैं किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश नहीं कर रहा जो मेरे जीवन की कमी को पूरा कर सके, क्योंकि अगर मैं उदास रहूंगा, तो चाहे कोई भी मेरे जीवन में आए, मैं उदास ही रहूंगा। तुम भी व्यक्तिगत रूप से खुश हो। साथ में हम और भी खुश हैं। इस पर रकुल ने कहा कि वे एक-दूसरे के जीवन की कमी को पूरा कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि तुम मुझे छुट्टी पर नहीं ले गए, इसलिए मैं दुखी हूं। मैं अकेले भी छुट्टी पर जा सकती हूं। मुझे लगता है कि जीवन में बात करने के लिए और भी महत्वपूर्ण बातें हैं।
इस दौरान जैकी ने कहा कि रकुल और मैं शादीशुदा हैं, लेकिन हमारा रिश्ता एक तरह का सिचुएशनशिप है। इसका मतलब है कि हम एक-दूसरे के लिए ही बने हैं, क्योंकि शादी इसी वजह से हुई है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं उससे हर बात खुलकर कह सकता हूं। अगर रकुल के आस-पास होने पर मेरी कोई एक्स गर्लफ्रेंड मुझे फोन करती है, तो मैं स्पीकरफोन पर बात करने में जरा भी संकोच नहीं करता। यह जताते हुए कि मैं अपनी पत्नी से कुछ भी नहीं छिपाता। मैं कुछ भी नहीं छिपाता, इसलिए मुझे घुटन महसूस नहीं होती।

अपना काम ईमानदारी से करना ही हीरोइज़्म है

थिएटर की दुनिया से मनोरंजन जगत में आए विजय वर्मा के लिए एक्टिंग की राह बिलकुल भी आसान नहीं थी। अपने हिस्से का संघर्ष तो उन्हें भी करना ही पड़ा। छोटी-छोटी भूमिकाओं के बाद जब उन्हें मेन रोल मिले, तो उन्होंने अपनी एक्टिंग और परफॉर्मेंस से खास जगह बना ली। 'दहाड़' का साइको किलर हो या 'गुस्ताख इश्क' का शायर आशिक, विजय अपनी भूमिकाओं को यादगार बनाते चले गए हैं। 'गली बॉय' के विजय आज मेकर्स की पसंद बन चुके हैं। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई सीरीज 'मटका किंग' से। हाल ही में सोशल मीडिया पर विजय वर्मा की शादी को लेकर एक बार फिर चर्चा होने लगी है। हमने उनसे पूछा कि सलमान खान के बाद अब आपकी शादी की फिक्र कर रहे हैं लोग। आपकी मम्मी भी आपके पास आई हुई हैं, क्या शादी को लेकर पारिवारिक दबाव है? इस पर वह हंस देते हैं और कहते हैं, 'बिलकुल। मेरी मम्मी भी शादी को लेकर मेरे पीछे पड़ी रहती हैं, मगर अब वह बोल-बोल कर थक चुकी हैं। अब ज्यादा बोलती नहीं। जहां तक सलमान साहब की बात है, तो जब वह शादी कर लेंगे, तो मैं उसके बाद कर लूंगा।'
सीरीज हो या फिल्में आज नायक की परिभाषा बदल गई है। विजय वर्मा जैसे कलाकारों ने अपनी अभिनय अदायगी से अपने किरदारों के जरिए अपनी पहचान बनाई है। हीरोइज़्म को परिभाषित करते हुए वह कहते हैं, 'मेरे लिए हीरोइज्म वो है, जो खुद के हित के लिए नहीं बल्कि बड़े हित के लिए काम करे। जैसे मेरे अलावा किसी और का भी भला हो। मैं मानता हूं कि अपना काम भी ईमानदारी से करना भी हीरोइज़्म है। जैसे मेसी जब फुटबॉल खेल रहा होता है, तो पूरी दुनिया उसके लिए गायब हो जाती है और उसका पूरा ध्यान अपने खेल में होता है। जिस नशे और पागलपन से वह अपनी बॉल को गोल तक ले जाता है, वह भी तो एक तरह का हीरोइज्म है।'

कट्टरपंथी हवा से लोग दबा-कुचला महसूस करते हैं

विजय मानते हैं कि कट्टरपंथ के कारण लोग प्रभावित हो रहे हैं। वह कहते हैं, 'मुझे नहीं लगता इंडस्ट्री में टॉक्सिसिटी है। मगर हां इन दिनों एक एंटी वोक (कट्टरपंथी) सेंटिमेंट खूब चल रहा है। इसके कारण लोग बहुत ही दबा-कुचला हुआ महसूस कर रहे हैं कि क्या बोलें, क्या करें और क्या न करें? क्या सोचें, क्या न सोचें? उसका एक प्रतिशोध मैं महसूस कर रहा हूं न सिर्फ इंडिया में बल्कि पूरी दुनिया में। दूसरे देश में एक ऐसे लीडर भी बैठे हैं, जो इसे रीप्रेजेंट भी करते हैं। मुझे लगता है, समाज में जो चल रहा है, उसी का रिफ्लेक्शन आपको फिल्मों मिलेगा।'

इंडस्ट्री में अनिश्चितता है टॉक्सिसिटी नहीं

हाल ही में एक अवॉर्ड शो में एक जाने -माने स्टैंड-अप कॉमेडियन ने अपने 'धुरंधर' जोक से इंडस्ट्री की भीतरी ईर्ष्या पर तंज किया। पिछले दिनों भी इंडस्ट्री में टॉक्सिसिटी को लेकर खूब बहस चली। अनुराग कश्यप जैसे निर्देशक तो मुंबई से शिफ्ट ही हो गए। इस मुद्दे पर विजय कहते हैं, 'मुझे लगता है अनसर्टेनिटी है, डर है कि क्या चलेगा क्या नहीं क्योंकि स्टेक्स बढ़ गए हैं। मुझे याद है एक समय में तीन-चार करोड़ में स्मॉल बजट फिल्म बन जाती थी। आज की तारीख में मैं जब प्रोड्यूसर से बात करता हूं, तो छोटे बजट की फिल्मों की बात 15-20 करोड़ तक जाती है। अब इसमें मार्केटिंग और पीएनए को जोड़ दिया जाए, तो फिल्म का बजट 30-35 करोड़ तक चला जाता है। आज फिल्म निर्माण का गणित अचानक से बदल गया है। उस हिसाब से कुछ कॉन्सेप्ट्स ऐसे हैं नहीं, जिन पर इतना खर्च किया जाए, पर करना पड़ रहा है। कुछ सब्जेक्ट्स ऐसे हैं, जिन पर काफी खर्च करना पड़ेगा, मगर उनकी रिकवरी की गारंटी नहीं है। इन मुद्दों के कारण अनिश्चितता बढ़ जाती है।'

संक्षिप्त समाचार

नोएडा प्राधिकरण पीपीपी मॉडल पर बनाने जा रहा 4 लेबर हॉस्टल

नोएडा, एजेंसी। शहर में श्रमिकों के हिंसक आंदोलन के बाद नोएडा प्राधिकरण उनके लिए

सस्ते आवास के रूप में लेबर हॉस्टल की सुविधा उपलब्ध कराने जा रही है। यहां उनको कम दाम में रहने, खाने-पीने की सुविधा मिलेगी। इसके लिए चार लेबर हॉस्टल बनाए जाएंगें। दो हॉस्टल का निर्माण प्राधिकरण खुद करेगा। इसे पीपीपी मॉडल पर तैयार कराया जाएगा जबकि दो हॉस्टल का निर्माण श्रम विभाग के श्रम कल्याण बोर्ड के साथ ज्वाइंट वेंचर के तहत होगा। चारों हॉस्टल एक-एक एकड़ पर बनेंगे। इसके लिए औद्योगिक एरिया में फैसिलिटी के भूखंड के रूप में जमीन चिह्नित कर ली गई है। प्रत्येक की क्षमता करीब एक हजार श्रमिकों की होगी। इन सभी हॉस्टल को नोएडा के औद्योगिक सेक्टर में बनाया जाएगा। इससे औद्योगिक इकाइयों तक जाने में श्रमिकों की होगी, इससे उन्हें आने जाने के कनवेंस खर्च से भी मुक्ति मिल जाएगी। बता दें कि औद्योगिक संगठन नोएडा एंटरप्रिनियोर्स एसोसिएशन लंबे से मांग रहा है कि श्रमिकों के लिए सस्ते आवास मुहैया कराए जाए। प्राधिकरण ने इसका हल हॉस्टल के रूप में निकाला है। इससे करीब चार हजार श्रमिकों को फायदा होगा। भविष्य में आवासीय योजना भी निकाली जा सकती है। प्राधिकरण ने दो और भूखंडों को चिह्नित किया है। यह दोनों प्लाट रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर (आरएंडडी) के लिए होंगे। इसको कंपनी को आवंटित किया जाएगा। इसमें औद्योगिक जगत में हो रही नई क्रांतियों पर रिसर्च की जाएगी। इसके अलावा दो कौशल विकास के लिए भूखंड चिह्नित किए गए हैं।

गुरुग्राम में तोड़फोड़ के मलबे के निस्तारण पर निगम की सख्ती

गुरुग्राम, एजेंसी। शहर में चल रही तोड़फोड़ कार्रवाई के बीच निर्माण एवं विध्वंस (सीएंडी

वेस्ट) कचरे के निस्तारण को लेकर नगर निगम ने सख्ती बढ़ा दी है। निगम आयुक्त की ओर से जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि सभी संबंधित विभाग और अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि तोड़फोड़ के दौरान निकलने वाला मलबा निर्धारित स्थान पर ही डाला जाए। इस संबंध में जिला नगर योजनाकार (एन्फोर्समेंट) को भी निर्देश भेजे गए हैं ताकि नियमों का पालन हर स्तर पर सुनिश्चित किया जा सके। पत्र में कहा गया है कि कचरा उत्पन्न करने वाले को इसे निर्धारित प्रोसेसिंग प्लांट या कलेक्शन सेंटर पर जमा कराना होगा। गुरुग्राम में इसके लिए निगम द्वारा बसई क्षेत्र में सीएंडडी वेस्ट प्रोसेसिंग सुविधा स्थापित की गई है, जहां मलबे का वैज्ञानिक तरीके से निपटान किया जाता है। निगम अधिकारियों के अनुसार शहर में चल रही विभिन्न अवैध निर्माणों और अतिक्रमणों के विरुद्ध कार्रवाई के चलते बड़ी मात्रा में मलबा निकल रहा है। ऐसे में यदि इसका समय पर और सही तरीके से निस्तारण नहीं हुआ तो यह न केवल शहर की स्वच्छता व्यवस्था को प्रभावित करेगा बल्कि पर्यावरण के लिए भी खतरा बन सकता है।

साहिबाबाद में खाली प्लॉट पर कॉमर्शियल कनेक्शन देने वालों की खैर नहीं, जिम्मेदारों पर गाज गिरनी तय

साहिबाबाद (गाजियाबाद), एजेंसी। कनावनी की झुग्गियों में बिजली आपूर्ति के लिए खाली प्लाट में लगाए गए कॉमर्शियल पोस्टपेड मीटर कमेटी की जांच में भी अवैध पाए गए हैं। अब विद्युत निगम के उच्चाधिकारियों ने उन अधिकारियों पर कार्रवाई करने के लिए कुंडली खंगालने की तैयारी कर ली है, जिन्होंने यहां खाली प्लॉट में कॉमर्शियल कनेक्शन दे दिए थे। इसके लिए जांच कमेटी को भी आदेश जारी कर दिए हैं। वहीं, खाली प्लाट में लगाए गए मीटरों की बिजली काट दी है। 23 अप्रैल को विद्युत निगम के अधिकारियों द्वारा खाली प्लाट में कॉमर्शियल कनेक्शन देने के मामले को प्राथमिकता से प्रकाशित किया था। मुख्यालय स्तर से खबर का संज्ञान लेते हुए मामले की जांच कराने के आदेश विद्युत निगम के स्थानीय अधिकारियों को दिए हैं। इस पर अधीक्षण अभियंता अखिलेश सिंह ने कमेटी को आदेश देते हुए कहा कि कॉमर्शियल कनेक्शन देने के बिंदु को भी जांच में शामिल किया जाए। इसमें देखा जाए कि जब यहां कनेक्शन दिए गए थे किस पद पर कौन अधिकारी तैनात था। एक्सईएन, एसडीओ और जेई कौन थे। उनके नामों की सूची तैयार की जाए। यह भी देखा जाएगा कि

कॉमर्शियल कनेक्शन देते समय यहां कौन सी व्यावसायिक गतिविधि संचालित दिखाई गई थी। क्या उस समय कोई व्यावसायिक गतिविधि संचालित थी या फिर फर्जी रिपोर्ट लगाकर ही कनेक्शन जारी कर दिए गए। इन सभी बिंदुओं की जांच करते हुए रिपोर्ट मांगी है।

नोटिस भेज लिया जाएगा स्पष्टीकरण: अधीक्षण अभियंता ने बताया कि जांच में जो भी अधिकारी कॉमर्शियल मीटर देने के लिए जिम्मेदार पाए जाएंगे उन्हें नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं मिलने पर उन अधिकारियों पर कार्रवाई के लिए मुख्यालय को रिपोर्ट भेजी जाएगी। उनका कहना है कि जो भी जिम्मेदार होगा उसे बख्शा नहीं जाएगा। पूरी पारदर्शिता के साथ लोगों तक बिजली पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है। इंदिरापुरम स्थित कनावनी की 1500 से अधिक झुग्गियों में अवैध तरीके से बिजली बेचने का खेल किया जा रहा। इसके लिए विद्युत निगम के कुछ अधिकारियों ने फर्जी तरीके से खाली प्लाट में ही बिजली के कनेक्शन दे दिए, जो पूरी तरह से गलत है। साथ ही एलटी लाइन व ट्रांसफार्मर में सीधे तार लगाकर भी बिजली बेचने का अवैध खेल चलता पाया गया। मामले की जांच कमेटी कर रही है। हर माह अवैध तरीके से बेची जा रही बिजली 30 लाखनिगम को हर माच राजस्व का नुकसान पहुंचा रहे 36.75 लाख इतने वर्ष से चल रहा अवैध वसूली का खेल 10 'जिन अधिकारियों के कार्यकाल में खाली प्लॉट में कॉमर्शियल कनेक्शन दिए गए थे।

दिल्ली-करनाल रूट पर दौड़ेगी नमो भारत ट्रेन, यूटिलिटी कार्य शुरू; इंद्रप्रस्थ और कश्मीरी गेट पर बनेगा इंटरचेंज स्टेशन

चंडीगढ़, एजेंसी। दिल्ली से मेरठ रूट पर दौड़ रही नमो भारत ट्रेन दो साल के अंदर दिल्ली से पानीपत होते हुए करनाल तक भी चलने लगेगी। योजना की मंजूरी केंद्रीय कैबिनेट से मिलने के बाद नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (एनसीआरटीसी) ने प्रस्तावित रुट का प्रारंभिक कार्य आरंभ कर दिया है। सीवर, पेयजल तथा बिजली लाइन शिफ्ट करने का ठेका एजेंसियों को दे दिया गया है। करीब तीन माह के अंदर यूटिलिटी कार्य पूरे करने की संभावना है। इसके बाद 136 किलोमीटर लंबे रूट पर ट्रैक बिछाने का काम आरंभ होगा। योजना के लिए रकम पहले ही जारी हो चुकी है। रूट के लिए केंद्र और राज्य ने 75- 25 के अनुपात में रकम खर्च करने पर सहमति बनी है। हरियाणा के लिए नमो भारत ट्रेन का यह दूसरा रूट होगा, पहला रूट दिल्ली के सराय कालेखां से रेवाड़ी के बावल तथा उसके बाद वहां से अलवर तक के लिए प्रस्तावित है। दिल्ली के सराय कालेखां से करनाल रूट के लिए दिल्ली में इंद्रप्रस्थ तथा कश्मीरी गेट मेट्रो अलग-अलग लाइन से रूट कनेक्ट होगा इसके लिए दोनों जगह पर इंटरचेंज स्टेशन बनाया जाएगा। कश्मीरी गेट पर बस अड्डे को भी जोड़ा जा रहा है। जिसके बाद दिल्ली के एक बड़े हिस्से से लोग हरियाणा के सोनीपत-पानीपत तथा करनाल तक आ जा सकेंगे।

कश्मीर से लोकल आतंकियों का सफाया, बाहरी अब भी मौजूद; भर्ती में भारी गिरावट

कश्मीर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में पिछले कुछ वर्षों में आतंकवाद के खिलाफ सुरक्षा बलों की रणनीति में व्यापक और निर्णायक बदलाव देखने को मिले हैं। बदलते हालात के अनुरूप अब सुरक्षा एजेंसियों ने अपने ऑपरेशन का फोकस शहरी इलाकों से हटाकर जंगलों और दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों की ओर केंद्रित कर दिया है। इसके साथ ही स्थानीय युवाओं की आतंकी संगठनों में भर्ती में भारी गिरावट दर्ज की गई है। यह सुरक्षा दृष्टि से एक महत्वपूर्ण संकेत है। एक अधिकारी ने कहा स्थानीय आतंकी न के बराबर हैं। इक्का-दुक्का भर्तियों की सूचना पर भी तुरंत नकेल कसी जाती है। हालांकि विदेशी आतंकियों की संख्या अब भी 65 के आसपास है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार वर्तमान में घाटी और जम्मू क्षेत्र में सक्रिय स्थानीय आतंकियों की संख्या बेहद सीमित रह गई है। कुल मिलाकर केवल

कुछ ही स्थानीय युवक आतंकी संगठनों से जुड़े हुए हैं, जबकि विदेशी आतंकियों की संख्या अपेक्षाकृत अधिक बनी हुई है। यह बदलाव इस बात को दर्शाता है कि स्थानीय स्तर पर आतंकवाद के प्रति समर्थन में कमी आई है।

एक अधिकारी ने कहा हम कट्टरपंथ की गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। आतंकी भर्ती के साथ आतंकी सपोर्ट सिस्टम को भी पूरी तरह खत्म करने की मुहिम चलाई जा रही है, क्योंकि अभी भी घाटी में आतंकी गुटों से सहानुभूति रखने वाले और उनको समर्थन मुहैया कराने वाले तत्व मौजूद हैं।

हिमाचल में गर्मी के कड़े तेवर, कांगड़ा में टूटा चार साल का रिकॉर्ड; ऊना में पारा 41 के पार

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में शुक्रवार को गर्मी के कड़े तेवरों के कारण मैदानों के साथ पहाड़ तपने लगे हैं। वर्ष 2022 के बाद कांगड़ा में अप्रैल माह में 24 अप्रैल को सबसे गर्म दिन रहा। कांगड़ा का अधिकतम तापमान 0.8 डिग्री की वृद्धि के साथ 37.2 डिग्री दर्ज किया गया। जो सामान्य से आठ डिग्री अधिक रहा। 30 अप्रैल 2022 को कांगड़ा में 39 डिग्री दर्ज किया गया था। ऊना में 1.4 डिग्री के साथ 41.4 डिग्री दर्ज किया गया जो सामान्य से 6 डिग्री अधिक रहा। हालांकि बीते वर्ष 42 डिग्री दर्ज किया गया था। प्रदेश के छह जिलों में अधिकतम तापमान 35 डिग्री से अधिक रहा। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला की ओर से जारी ताजा पूर्वानुमान के अनुसार शनिवार को प्रदेश के पांच जिलों चंबा, कांगड़ा, मंडी, कुल्लू व शिमला में 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से आंधी चलने और बिजली गिरने को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान ऊंचे क्षेत्रों में कुछ एक स्थानों पर हिमपात व वर्षा की संभावना जताई गई है। इन दिनों मैदानी क्षेत्रों में गेहूं की कटाई का काम चल रहा है, जिसके कारण आगामी दिनों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से आंधी चलने और वर्षा के कारण गेहूं की कटाई पर असर हो सकता है।

ईमानदार राहगीर अमित होंगे सम्मानित

हाईवे पर नोटों की बारिश का खुला राज, थाने पहुंचे युवक ने चार लाख पर किया दावा

शामली, एजेंसी। मेरठ-करनाल हाईवे पर बुधवार को हुई 'नोटों की बारिश' का रहस्य अब सुलझ गया है। सड़क पर बिखरी चार लाख रुपये की नकदी का दावेदार सामने आ गया है। दो युवकों ने कोतवाली पहुंचकर इस रकम पर अपना दावा पेश किया। पुलिस अब युवक के बयानों और बैंक दस्तावेजों का सत्यापन कर रही है, जिसके बाद यह रकम उन्हें सौंपी जाएगी। कोतवाली पहुंचे युवक ने अपनी पहचान सागर, निवासी करनाल (हरियाणा) के रूप में दी है। सागर ने पुलिस को बताया कि वह करनाल में एक बैंक की सहयोगी कंपनी में एजेंट के रूप में काम करता है। बुधवार को उसने बैंक से चार लाख रुपये की नकदी निकाली थी, जो उसे बुढ़ाना (मुजफ्फरनगर) में अपने एक साथी एजेंट को देनी थी।

सागर के मुताबिक, वह बाइक पर सवार होकर करनाल से बुढ़ाना के लिए निकला था। उसने रुपयों से भरा बैग अपनी पीठ पर लटका रखा था, लेकिन जल्दबाजी में वह बैग की चेन बंद करना भूल गया। सफर के दौरान बाइक की रफ्तार और हवा के दबाव के कारण बैग से नोटों की गड्डियां एक-एक कर सड़क पर गिरती गईं। सागर अपनी धुन में बाइक चलाता रहा और उसे

इस बात का अहसास तक नहीं हुआ कि उसकी मेहनत की कमाई हाईवे पर बिखर चुकी है।

पुलिस कर रही है दावों का सत्यापन: शामली के एसपी नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि युवक के दावे के बाद एक पुलिस टीम को तफ्तीश के लिए करनाल भेजा गया है। पुलिस यह सुनिश्चित करना चाहती है कि जो नोट बरामद हुए हैं, उनका मिलान बैंक से निकाली गई रकम की पर्चियों और सीरियल नंबर से हो जाए। गड्डियों पर बैंक की जो मोहर और पर्ची लगी है, वह सागर के दावों को मजबूती दे रही है। एसपी ने स्पष्ट किया कि पूर्ण सत्यापन और कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही मालखाने में जमा यह रकम असली मालिक को दी जाएगी। इस पूरे घटनाक्रम में मुजफ्फरनगर के खरड़ निवासी अमित कुमार की ईमानदारी की हर तरफ चर्चा हो रही है। हाईवे पर लाखों रुपये बिखरे देख भी अमित का ईमान नहीं डोला और उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। उनकी इसी सतर्कता के कारण चार लाख की रकम सुरक्षित बरामद हो सकी। पुलिस विभाग ने घोषणा की है कि अमित को उनकी इस मिसाल कायम करने वाली ईमानदारी के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सार्वजनिक रूप से सम्मानित किया जाएगा। रुपयों को सड़क पर देखने के बाद अमित ने ही पुलिस को फोन कर सूचना दी थी।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, 3 लोगों की मौत; इस बार नागा और कुकी की लड़ाई

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के उखरुल जिले में शुक्रवार को एक बार फिर हिंसा भड़क उठी। दो अलग-अलग गोलीबारी की घटनाओं में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई, जिससे राज्य में तनाव और गहरा गया है। गौरतलब है कि मणिपुर पहले से ही मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय संघर्ष से जूझ रहा है। अब उखरुल में नगा और कुकी समुदायों के बीच हिंसा की खबर सामने आ रही है।

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, शुक्रवार तड़के उखरुल जिले के सीनाकेइथेई गांव के पास तांगखुल नगा और कुकी समुदाय के सशस्त्र समूहों के बीच भीषण गोलीबारी शुरू हुई। इस हिंसक झड़प ने जिले के शांतिपूर्ण माहौल को पूरी तरह बिगाड़ दिया है।

सीनाकेइथेई में तांगखुल युवक की मौत

इस झड़प में 29 वर्षीय तांगखुल युवक होरशोकमी जमांग की मौत हो गई। वह कामजोंग जिले के चाट्रिक खुलेन गांव का निवासी था। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इस गोलीबारी में तीन नागरिक भी घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया है। नगा संगठन तांगखुल नगा लॉन्ग ने आरोप लगाया है कि सोओ के तहत आने वाले कुकी उग्रवादियों

की गतिविधियों के कारण क्षेत्र में अशांति थी। संगठन का दावा है कि जब नगा विलेज गार्ड गश्त पर थे तब कुकी उग्रवादियों ने उन पर घात लगाकर हमला किया। मुल्लम गांव में दो कुकी युवकों की मौत

पहली घटना के कुछ ही देर बाद पास के मुल्लम गांव में एक और गोलीबारी हुई। मुल्लम एक कुकी बहुल गांव है। इस झड़प में मारे गए दो लोगों की पहचान लेतलाल सितल्हो (जेम्स कुकी) और पाओमिनलुन हाओलाओ (हितलाल कुकी) के रूप में हुई है। ये दोनों कांगपोकपी जिले के रहने वाले थे। मुल्लम ग्राम प्राधिकरण ने आरोप लगाया है कि शुक्रवार सुबह करीब 5:30 बजे तांगखुल उग्रवादियों ने उनके गांव पर हमला किया। कुकी ऑर्गेनाइजेशन फॉर ह्यूमन राइट्स ट्रस्ट ने इन हत्याओं की कड़ी निंदा की है और दावा किया है कि मुल्लम और सोंगफाल गांवों में घर भी जलाए गए हैं।

उखरुल जिला मुख्य रूप से तांगखुल नगा बहुल क्षेत्र है। फरवरी 2026 से यहां तांगखुल और कुकी समुदायों के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। पिछले सप्ताह भी उखरुल में उग्रवादियों के हमले में दो तांगखुल व्यक्ति मारे गए थे। उसी दिन सीनाकेइथेई में भी गोलीबारी की घटना हुई थी। क्षेत्र में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। पुलिस और जिला प्रशासन स्थिति को नियंत्रण में करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन समुदायों के बीच गहराता अविश्वास शांति बहाली की राह में सबसे बड़ी बाधा बना हुआ है।

नीमराना में कबाड़ के गोदाम में आग लगने से 7 साल की बच्ची समेत 4 लोग जिंदा जले

कोटपूतली, एजेंसी। कोटपूतली जिले के नीमराना इलाके में शनिवार रात एक कबाड़ गोदाम में भीषण आग लगने से 7 वर्षीय बच्ची सहित चार लोगों की मौत हो गई। भीषण आग और उसके बाद हुए विस्फोट से दहशत फैल गई थी।

पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह ने बताया, 'चारों शव बरामद कर लिए गए हैं और पूरे इलाके की गहन तलाशी पूरी हो चुकी है। एफएसएल टीम ने भी घटनास्थल पर अपनी जांच शुरू कर दी है। आग लगने के सटीक कारण का पता लगाया जा रहा है।' यह घटना मोहलाडिया गांव के बिचपुरी रोड पर स्थित एक गोदाम में हुई, जहां खाली इत्र की बोतलों सहित बड़ी मात्रा में कबाड़ सामग्री जमा थी। अधिकारियों के अनुसार, आग लगने के समय परिसर के अंदर काम कर रहे कई मजदूर फंस गए थे। एक नाबालिग लड़की सहित चार लोग जलकर मर गए, जिनके शवों को बाद में सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग की लपटें तेजी से उसी परिसर में स्थित एक सटे हुए प्लास्टिक ग्रेन्यूल निर्माण इकाई में फैल गईं। इस दौरान कारखाने में हुए एक जोरदार विस्फोट ने आग को और भी भयंकर बना दिया, जिससे औद्योगिक क्षेत्र और आसपास की रिहायशी बस्तियों से सटे इलाके में दहशत फैल गई।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, श्रमिकों ने भागने की कोशिश की, लेकिन वे ऐसा नहीं कर पाए क्योंकि गोदाम

के गेट पर खड़ी एक ट्रक में आग लग गई और उसने निकलने का रास्ता बंद कर दिया। अंदर फंसे हुए श्रमिकों ने बगल की ओर जाने के लिए चारदीवारी फांदने की कोशिश की, लेकिन उसकी ऊंचाई के कारण वे असफल रहे और कई लोगों की जान चली गई।

नीमराना, घिलोथ और जापानी क्षेत्र से कई दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। लगभग दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया।

बचाव और जांच कार्यों में सहायता के लिए एसडीआरएफ (सैन्य रक्षा बल) और फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीमें भी तैनात की गईं। जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों सहित वरिष्ठ अधिकारी राहत कार्यों की निगरानी के लिए घटनास्थल पर पहुंचे। अधिकारियों को आशंका है कि घटना के समय और भी मजदूर अंदर मौजूद हो सकते हैं, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

दरअसल, स्थानीय लोगों ने बताया कि इस रिपोर्ट के लिखे जाने तक दो लोग लापता थे। मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है और डीएनए सैंपल लिए जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने का सही कारण अभी तक अज्ञात है। हालांकि, प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि गोदाम और कारखाने में पर्याप्त अग्निशमन व्यवस्था का अभाव था, जिसके कारण आग तेजी से फैल गई होगी।

नोएडा में 4 रूट पर 50 इलेक्ट्रिक बसें दौड़ेंगी, किन रूटों पर कितनीं बसें

नोएडा, एजेंसी। नोएडा में चार रूट पर 50 इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएंगी। इनमें किराया यूपी रोडवेज निगम की तरफ से निर्धारित दरों के हिसाब से लिया जाएगा। सेक्टर-90 डिपो में बसों के लिए 20 चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। बसों के चलने में तीन-चार महीने का समय लगेगा।

प्राधिकरण के सीईओ कृष्णा करुणेश ने बताया कि बसों को चलाने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के साथ समन्वय कर लिया गया है। इनको सिटी बस के तौर पर चलाया जाएगा। सभी बसों को सेक्टर-90 डिपो से चलाया जाएगा। इनके लिए सेक्टर-90 में बस डिपो, ई-चार्जिंग प्वाइंट, बस सर्विस स्टेशन, ड्राइवर-कंडक्टर वर्कशॉप आदि मुख्य सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। इन बसों का संचालन उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम द्वारा अपनी निर्धारित टिकट दरों पर किया जाएगा। बसों के संचालन पर होने वाले वीजीएफ-वायबिलिटी गेप फंड-का भुगतान प्राधिकरण करेगा। सेक्टर-38ए बॉटनिकल गार्डन से गोल्फ कोर्स, सेक्टर-32 सिटी सेंटर, सेक्टर-51 होशियारपुर होते हुए पर्थला चौक और फिर वहां से किसान चौक होते हुए ग्रेटर नोएडा वेस्ट में एक मूर्ति तक। सेक्टर-38ए बॉटनिकल

गार्डन से सेक्टर-32 सिटी सेंटर, सेक्टर-71 चौराहे से बाएं मुड़कर सेक्टर-61 मेट्रो स्टेशन के नीचे विश्वकर्मा रोड से सेक्टर-62 गोल चक्कर तक। वापसी में इसी रूट पर विश्वकर्मा रोड से बसें सेक्टर-75 के सामने से होकर बरौला तिराहे से बाएं मुड़कर भंगेल सूरजपुर कलेक्ट्रेट तक जाएंगी। सेक्टर-38ए बॉटनिकल गार्डन से सेक्टर-75, 76, 77 से सेक्टर-101 से दादरी-सूरजपुर-छलेरा रोड होते हुए सूरजुपर कलेक्ट्रेट तक बसों की संख्या- 8 वैकल्पिक रूट के लिए छह बसें होंगी।

खेल जगत से आई दुखद खबर

बुझ गया हॉकी का चमकता सितारा, नहीं रहे 1968 ओलंपिक के नायक गुरबक्स सिंह ग्रेवाल

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी के स्वर्णिम युग के गवाह और 1968 के मेक्सिको ओलंपिक में तिरंगा लहराने वाले दिग्गज खिलाड़ी गुरबक्स सिंह ग्रेवाल का शुक्रवार को निधन हो गया। उन्होंने पंजाब में मोहाली जिले के जिरक पुर स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली।

बता दें कि गुरबख्श सिंह ग्रेवाल ने अपने भाई बलबीर सिंह ग्रेवाल के साथ मिलकर इतिहास रचा था जब दोनों सगे भाइयों ने एक साथ ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया। यह उपलब्धि भारतीय हॉकी के इतिहास में एक अनोखा कीर्तिमान मानी जाती है। वह पश्चिम रेलवे में वरिष्ठ खेल अधिकारी के रूप में भी कार्यरत रहे और खिलाड़ी के साथ-साथ प्रशासक के रूप में भी उन्होंने खेल के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

वहीं सुरजीत हॉकी सोसाइटी के पदाधिकारी इकबाल सिंह संधू ने ग्रेवाल के निधन पर शोक जताते हुए इसे हॉकी जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया। विभिन्न खेल और सामाजिक संगठनों ने भी उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा को शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है।

न्यूजीलैंड की दिग्गज ऑलराउंडर सूजी बेट्स ने किया संन्यास का ऐलान

नईदिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड की महान खिलाड़ी सूजी बेट्स ने महिला टी20 विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। टूर्नामेंट का आगाज 12 जून से इंग्लैंड और वेल्स में होगा। इसमें 38 वर्षीय बेट्स के पास अपने देश के लिए खेले 362 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की मौजूदा संख्या में और कुछ मैच जोड़ने का आखिरी मौका मिलेगा।

सूजी बेट्स जून में शुरू होने वाले महिला टी20 विश्व कप में अपनी टीम को लगातार दूसरा खिताब दिलाने का लक्ष्य रखेंगी। व्हाइट फर्न्स को ग्रुप-बी में मेजबान इंग्लैंड, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, श्रीलंका और वेस्टइंडीज के साथ रखा गया है।अपने शानदार करियर पर बात करते हुए बेट्स ने न्यूजीलैंड क्रिकेट से कहा, जब मैं पिछले 20 से ज्यादा वर्षों पर नजर डालती हूं, तो मुझे यकीन ही नहीं होता कि समय इतनी तेजी से कैसे बीत गया। मुझे इस बात पर बहुत गर्व है कि मैंने इतनी बार फर्न (न्यूजीलैंड टीम का प्रतीक) पहना है। इस टीम के लिए हर दिन एक बेहतर इंसान, टीममेट, क्रिकेटर और एथलीट बनने की कोशिश करने में मुझे बहुत मकसद और खुशी मिली है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने सूजी बेट्स के हवाले से कहा, मेरे सभी टीममेट्स और कोचों के प्रति मेरी कृतज्ञता को शब्दों में पूरी तरह से बयां नहीं किया जा सकता। मेरा एक आखिरी मिशन है- यूके जाना...एक ऐसी जगह जहां मेरी बहुत सारी खास यादें जुड़ी हैं और एक और वर्ल्ड कप जीतना।

कैसा रहा करियर?

बेट्स ने सभी फॉर्मेट में कुल मिलाकर 14 शतक लगाए और 145 विकेट लिए हैं। यह ऑलराउंडर हाल के समय के सबसे शानदार रिकॉर्ड्स में से एक के साथ खेल को अलविदा कहेंगी। उन्होंने साल 2006 में भारत के खिलाफ डेब्यू करने के बाद से अपने देश के लिए लगातार उच्चतम स्तर पर प्रदर्शन किया है। बेट्स ने 2011 से 2018 के बीच न्यूजीलैंड की कप्तानी भी की। साल 2013 में उन्हें आईसीसी विमेंस वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया था। उस साल भारत में हुए विश्व कप में उन्होंने जबरदस्त प्रदर्शन किया था और सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी बनी थीं। इसके अलावा, 2016 में भी उन्हें आईसीसी विमेंस वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर और आईसीसी विमेंस टी20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया था। यह वह दौर था, जब टी20 दोनों ही फॉर्मेट में द्विपक्षीय क्रिकेट में अपना दबदबा बनाए रखा था।

हाल के समय में, जब टीम की नियमित कप्तान सोफी डिवाइन टीम से बाहर रही हैं, तब बेट्स ने कप्तान की जिम्मेदारी भी संभाली है। टीम के नजरिए से उनका सबसे यादगार पल तब आया, जब टी20 वर्ल्ड कप 2024 एडिशन इस टीम ने जीता था। इस दाएं हाथ की बल्लेबाज ने अपनी टीम के लिए सर्वाधिक रन बनाए थे।

श्रीसंत ने हरभजन सिंह को इंस्टाग्राम पर ब्लॉक किया

बोले- थप्पड़ कांड पर विज्ञापन बनाकर पैसे कमाए, उनके साथ अब मेरा कोई रिश्ता नहीं

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के दो पूर्व खिलाड़ियों, एस श्रीसंत और हरभजन सिंह के बीच 2008 का 'थप्पड़ कांड' फिर चर्चा में है। 16 साल पुराने इस विवाद ने दोनों के रिश्ते खत्म कर दिए हैं। श्रीसंत ने खुलासा किया कि उन्होंने हरभजन सिंह को सोशल मीडिया पर ब्लॉक कर दिया है और अब कोई संबंध नहीं रखना चाहते।

केरल के मीडिया हाउस 'मातृभूमि' को दिए इंटरव्यू में श्रीसंत ने कहा, 'मैंने आज तक किसी इंटरव्यू में भज्जी (हरभजन) के बारे में बात नहीं की, यह पहली बार है। कुछ समय पहले तक सब ठीक था, लेकिन उन्होंने उस विवाद पर फिर से एक विज्ञापन बनाया। उन्होंने इसके लिए करीब 80 लाख से 1 करोड़ रुपए लिए। इसके बाद उन्होंने मुझे फोन किया और कहा कि मैं अपने सोशल मीडिया पर इस विज्ञापन को लेकर स्टोरी पोस्ट करूं।'

रिपब्लिक डे पर विज्ञापन जारी किया गया था - यह विज्ञापन जनवरी 2026 में एक मार्केटिंग ऐप की गणतंत्र दिवस सेल के लिए जारी किया गया था। इसमें हरभजन सिंह को 'चांटा क्लास' के टीचर के रूप में दिखाया गया है, जो लोगों को यह समझाते हैं कि खराब इलेक्ट्रॉनिक सामान को थप्पड़ मारकर ठीक करने की पुरानी आदत छोड़ें और उसकी जगह एप से नए प्रोडक्ट खरीदें। विज्ञापन में मजाकिया अंदाज में हरभजन कहते हैं, 'सही से थप्पड़ लगाओ, सब ठीक हो जाता है,'। यह डायलॉग उनके और श्रीसंत के बीच 2008 में हुए विवाद की याद दिलाता है।

माफ कर सकता हूं, लेकिन भूल नहीं सकता - हरभजन सिंह के बर्ताव पर नाराजगी जताते हुए श्रीसंत ने कहा, 'मैंने उनसे साफ कह दिया कि मैं माफ कर सकता हूं, लेकिन भूल नहीं सकता। अगर आप किसी को भूल जाते हैं, तो वह दोबारा वही गलती करेगा। वह (हरभजन) इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं। इसमें कोई शक नहीं है।' श्रीसंत ने कहा कि उनके माता-पिता ने उन्हें सिखाया है कि माफी दे दो, लेकिन सबक याद रखो।

भाई कहता था, पर अब रिश्ता खत्म; सब दिखावा है -श्रीसंत ने कहा कि अब उनके बीच कोई बॉन्ड नहीं बचा है। उन्होंने कहा,मेरा उस व्यक्ति के साथ अब कोई रिश्ता नहीं है। मैं उन्हें भाई कहता था, लेकिन पिछले एक-दो महीनों में उन्होंने जो विज्ञापन किए, उसके बाद मैंने उन्हें इंस्टाग्राम पर ब्लॉक कर दिया है। वे एक महान व्यक्ति हो सकते हैं, लेकिन मेरे लिए भारतीय टीम में खेलने से लेकर अब तक, वह जो भी करते हैं, वह सब एक एक्ट (दिखावा) है। श्रीसंत ने कहा कि वह इश दिखावे का स्वीकार नहीं करते।

क्या था थप्पड़ कांड विवाद -यह पूरा विवाद आईपीएल के पहले सीजन यानी 2008 का है। 25 अप्रैल को मोहाली में मुंबई इंडियंस और किंग्स इलेवन पंजाब के बीच मैच के बाद हरभजन सिंह ने श्रीसंत को थप्पड़ जड़ दिया था। मैच खत्म होने के बाद श्रीसंत मैदान पर रोते हुए नजर आए थे।

कोहली आईपीएल में 800 चौके लगाने वाले पहले बैटर, 300 सिक्स भी पूरे

चिन्नास्वामी में बेंगलुरु की 50वीं जीत, बने कई रिकार्ड्स

चिन्नास्वामी (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल के 34वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस को 5 विकेट से हराया। इस जीत के हीरो रहे विराट कोहली, जिन्होंने 81 रन की शानदार पारी खेलते हुए इतिहास रच दिया। कोहली आईपीएल में 800 चौके लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने, साथ ही उन्होंने 300 छक्कों का आंकड़ा भी छू लिया। वे लीग में 9 हजार रन के करीब भी पहुंच गए हैं और इस बड़े माइलस्टोन से महज 11 रन दूर हैं। बेंगलुरु ने अपने होम ग्राउंड एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में 50वीं जीत दर्ज कर एक और उपलब्धि हासिल की। वहीं गुजरात की पारी में साई सुदर्शन ने शतक जड़ते हुए क्रणाल पंड्या की बाउंसर पर एक हाथ से शानदार छक्का लगाकर मैच का यादगार मोमेंट भी दिया।

कोहली आईपीएल में 9 हजार रन बनाने से 11 रन दूर - कोहली ने गुजरात के खिलाफ 44 गेंद पर 81 रन बनाए। वे आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उनके नाम 266 पारियों में 8989 रन दर्ज हैं। दूसरे नंबर पर रोहित शर्मा का नाम आता है, जिन्होंने 271 पारियों में 7183 रन बनाए हैं।

कोहली के आईपीएल में 800 चौके पूरे - कोहली ने शुक्रवार को 8 चौके जड़े। इसके साथ ही उन्होंने आईपीएल में अपने 800 चौके भी पूरे कर लिए हैं। उन्होंने टूर्नामेंट में अब तक सबसे ज्यादा 807 चौके लगाए हैं। उनके बाद शिखर धवन हैं, जिन्होंने 768 चौके लगाए हैं। 663 चौकों के साथ डेविड वॉर्नर तीसरे नंबर पर हैं।

आईपीएल में कोहली के 300 छक्के पूरे - कोहली ने मैच में 81 रन की पारी के दौरान 4 छक्के लगाए। इसके साथ ही उन्होंने आईपीएल में अपने 300 छक्के भी पूरे कर लिए। यह आंकड़ा पार करने वाले वह तीसरे खिलाड़ी हैं। आईपीएल में सबसे छक्के क्रिस गेल के नाम है, जिन्होंने 357 छक्के लगाए हैं। रोहित शर्मा 310 छक्कों के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

चिन्नास्वामी पर आरसीबी की 50वीं जीत

आरसीबी ने चिन्नास्वामी पर 50वीं जीत दर्ज की। वह ऐसा करने वाली चौथी टीम बन गई है। किसी एक वेन्यू पर सबसे ज्यादा मैच जीतने का रिकॉर्ड मुंबई के नाम है, जिन्होंने वानखेड़े स्टेडियम पर 58 मैच जीते हैं। कोलकाता ईडन गार्डन्स पर 55 जीत के साथ दूसरे और चेन्नई एमए चिदंबरम स्टेडियम पर 53 जीत के साथ तीसरे नंबर पर है।

आरसीबी के खिलाफ 15वां शतक लगा

आरसीबी के खिलाफ सुदर्शन ने शतक जड़ा। आईपीएल में 15वीं बार है जब किसी बल्लेबाज ने बेंगलुरु के खिलाफ सेंचुरी लगाई। यह किसी एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक लगने का रिकॉर्ड है। 14-14 शतकों के साथ कोलकाता और मुंबई संयुक्त रुप से दूसरे नंबर पर है।

सुदर्शन ने आईपीएल में सबसे तेज 2000 रन पूरे किए

आरसीबी के खिलाफ सुदर्शन ने शानदार शतक लगाया। इस पारी के दौरान 72 रन बनाते ही उनके आईपीएल में 2000 रन पूरे हुए। उन्होंने सिर्फ 47 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की, जो सबसे तेज है। इससे पहले क्रिस गेल ने 48 पारियों में 2000 रन पूरे किए थे।

पाकिस्तान की एक बार फिर हुई फजीहत

पीएसएल 2026 में सफेद की बजाय 'रेड बॉल' से हुआ मैच

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) 2026 में लगातार विवाद सामने आ रहे हैं। मुकाबले के पहले मैच में ही गेंद का रंग बदल गया था, जिसकी वजह से पीएसएल की बहुत किरकरी हुई थी। अब एक बार फिर से यही मामला सामने आया है। पीएसएल में मुकाबले के दौरान गेंद का कलर बदल गया, जिसकी वजह से सोशल मीडिया पर पाकिस्तान का मजाक उड़ाया जा रहा है।

पाकिस्तानी लीग में अब तक कई बड़े विवाद सामने आ चुके हैं। फखर जमान पर गेंद के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगा और उन्हें दो मैचों के लिए बैन कर दिया गया था। तो वहीं कई अन्य विवाद भी रहे हैं। इस वजह से पीएसएल की छवि खराब हुई है। अब एक बार फिर से इसी तरह का मामला सामने आया है और गेंद का रंग सफेद से लाल हो गया, जिसका वीडियो भी सामने आया है।

पीएसएल 2026 में बदला गेंद का रंग - दरअसल, 23 अप्रैल को लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स के बीच मुकाबला खेला गया। मैच के दौरान सफेद गेंद का रंग बदलकर लाल हो गया। सोशल मीडिया पर इस दावे के साथ वीडियो शेयर किया जा रहा है। कराची किंग्स की टीम गेंदबाजी कर रही थी और उनकी जर्सी का लाल रंग गेंद पर लग गया। इसका वीडियो सामने आया है, जहां गेंद को सफेद की बजाय लाल देखा जा सकता है।

पीएसएल के ओपनिंग मैच में भी बदला था रंग - पीएसएल 2026 के ओपनिंग मैच में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला था। लाहौर कलंदर्स और हैदराबाद किंग्समेन के बीच खेले गए मुकाबले के दौरान गेंद का कलर पिंक हो गया था। इससे पाकिस्तान का खूब मजाक उड़ा था और अब दूसरी बार ऐसी घटना घटी है। बता दें कि गेंद को चमकाने के लिए खिलाड़ी जर्सी पर रगड़ते हैं और इसी वजह से जर्सी का रंग गेंद पर लग जाता है और बॉल का कलर का बदल गया।

लाहौर और कराची मुकाबले का हाल - लाहौर और कराची के बीच खेले गए मुकाबले में कलंदर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए फखर जमान (61) और अब्दुल्ला शफीक के 62 रनों की बदौलत 199 रन बनाए थे। 200 रनों के लक्ष्य को कराची ने 18.4 ओवरों में हासिल कर लिया था। कप्तान डेविड वॉर्नर ने नाबाद 63, जबकि खुशदिल शाह 44 रन बनाकर नॉटआउट रहे और अपनी टीम को 5 विकेट से जीत दिलाई।

फ्रेंच ओपन से बाहर अल्काराज, चोट ने छीना खिताब बचाने का मौका

स्पेन (एजेंसी)। स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी अल्काराज ने कलाई की चोट के चलते अगले महीने होने वाले फ्रेंच ओपन से बाहर होने का फैसला किया है। दो बार के डिफेंडिंग चैंपियन अल्काराज़ ने मेडिकल टेस्ट के बाद यह बड़ा कदम उठाया।

बार्सिलोना ओपन के दौरान लगी चोट - अल्काराज़ को पिछले हफ्ते बर्सिलोना ओपन के दौरान पहले दौर के मैच में दाहिने हाथ की कलाई में चोट लगी थी। इसके बाद उन्होंने टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया और आगे की जांच करवाई।

इटैलियन ओपन से भी हटे - चोट गंभीर होने के कारण अल्काराज़ ने इटालियन ओपन से भी हटने का फैसला किया है। ये दोनों टूर्नामेंट क्ले कोर्ट पर खेले जाते हैं, जहां वह आमतौर पर शानदार प्रदर्शन करते रहे हैं। अल्काराज़ ने सोशल मीडिया पर लिखा, आज हुए टेस्ट के बाद हमने फैसला किया है कि सावधानी बरतना ही सही होगा। इसलिए मैं रोम और रोलां गैरोस में हिस्सा नहीं लूंगा, जब तक हम मेरी स्थिति का पूरी तरह आकलन नहीं कर लेते। उन्होंने आगे कहा, यह मेरे लिए मुश्किल समय है, लेकिन मुझे भरोसा है कि मैं और मजबूत होकर वापसी करूंगा।

शानदार फॉर्म में थे अल्काराज़ - 22 वर्षीय अल्काराज़ इस साल शानदार फॉर्म में थे। उन्होंने साल की शुरुआत में आस्ट्रेलिया ओपन जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया और सबसे कम उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाले खिलाड़ी बने।

रैंकिंग पर पड़ सकता है असर - हाल ही में वह वर्ल्ड नंबर-1 की रैंकिंग अपने प्रतिद्वंदी जैनिक सिनर से हार गए थे। अब चोट के कारण लंबे समय तक बाहर रहने से उनकी रैंकिंग पर और असर पड़ सकता है।

सिनर ने जताई चिंता - सिनर ने अल्काराज़ की चोट पर कहा, यह बहुत दुखद खबर है। इतनी कम उम्र में हमें अपने शरीर का ख्याल रखना जरूरी है। उम्मीद है वह जल्द वापसी करेंगे और हम फिर शानदार मुकाबले देखेंगे।

पंत-रहाणे पर दबाव, एलएसजी-केकेआर में 'करो या मरो' की जंग

नईदिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ सुपर किंग्स ज्यांइट्स और कोलकाता किंग्स राइडर्स के बीच मुकाबला कप्तानी की परीक्षा बन गया है। ऋषभपंत और आजिंक्य रहाणे दोनों ही अपनी-अपनी टीमों के खराब प्रदर्शन से जूझ रहे हैं।

केकेआर की हालत खराब - केकेआर ने आईपीएल 2025 के निराशाजनक प्रदर्शन के बावजूद रहाणे पर भरोसा जताया, लेकिन इस सीजन में भी टीम लय नहीं पकड़ पाई। टीम को पहली जीत दर्ज करने में सात मैच लग गए और वह भी सामूहिक प्रदर्शन की बजाय रिंकू सिंह की शानदार पारी के दम पर मिली। तेज गेंदबाजी और स्पिन विभाग में कमजोरी साफ दिखी है। वरुण चक्रवर्ती का फॉर्म भी टीम के लिए चिंता का विषय है, जबकि प्लेइंग इलेवन में लगातार बदलाव से संतुलन नहीं बन पा रहा।

रहाणे भी नहीं कर पा रहे कमाल - रहाणे ने कुछ मैचों में रन जरूर बनाए, लेकिन टी20 के हिसाब से उनकी स्ट्राइक रेट उम्मीद के मुताबिक नहीं रही। करीब 38 साल के रहाणे के लिए इस फॉर्मेट में लंबे समय तक कप्तानी करना भी चुनौती बनता जा रहा है।

एलएसजी का भी हाल बेहाल - एलएसजी का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा है। टीम ने अब तक सिर्फ 2 मैच जीते हैं और प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। लगातार चार हार ने टीम का मनोबल गिराया है।

पंत का खराब फॉर्म बना चिंता - कप्तान ऋषभ पंत खुद भी खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं। सनराइज हैदराबाद के खिलाफ 67 रन की पारी के बाद उन्होंने अगले 5 पारियों में सिर्फ 72 रन बनाए हैं। हाल ही में राजस्थान के खिलाफ वह 3 गेंद में शून्य पर आउट हुए, जिससे उनकी आलोचना बढ़ गई।

घरेलू मैदान पर भी नहीं मिल रहा फायदा - एलएसजी का अपने घरेलू मैदान पर रिकॉर्ड भी खराब रहा है। पिछले सीजन में 8 में से 6 मैच हार थे, जबकि इस सीजन में भी 3 मैच गंवा चुके हैं। कुल मिलाकर 24 मैचों में सिर्फ 9 जीत उनके नाम हैं। विदेशी खिलाड़ी भी उम्मीदों पर खरे नहीं- पूरन और मारकाम जैसे खिलाड़ी भी उम्मीदों के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

केकेआर को पथिराना से मिली मजबूती -केकेआर के लिए अच्छी खबर यह है कि पथरीना की वापसी से गेंदबाजी मजबूत हुई है। उनकी यॉर्कर गेंदबाजी टीम के लिए बड़ा हथियार साबित हो सकती है।

कप्तानी रिकॉर्ड भी चिंता बढ़ाने वाले

- रहाणे (केकेआर)- 20 मैच-6 जीत, 12 हार
- पंत (एलएसजी)- 21 मैच-8 जीत, 13 हार
- दोनों कप्तानों के आंकड़े भी उनकी टीमों की मौजूदा स्थिति को दर्शाते हैं।

बाइक सवार दो डांसर पचास फीट नीचे सोन नदी में गिरी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। अरवल-सहार सोन नदी पुल पर आज तेज रफ्तार मोटरसाइकिल पुल की रेलिंग से टकरा गई। इस दुर्घटना में बाइक पर सवार दो नर्तकी उछलकर पचास फीट सोन नदी में जा गिरीं, जबकि ड्राइवर पुल पर ही गिरकर घायल हो गया। गनीमत रही कि नदी में उस समय पानी कम था, जिससे दोनों युवतियों को केवल हल्की चोटें आईं और स्थानीय ग्रामीणों की तत्परता से उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

तिलक समारोह में डांस प्रोग्राम करने गई थीं: छत्तीसगढ़ के स्वेतपुर जिला निवासी देवशरण कुमार की 18 साल की बेटी सुंदरी कुमारी और अमर सिंह की 19 साल की बेटी प्रेम शीला कुमारी शुक्रवार की शाम गड़हनी निवासी सोनू कुमार के साथ पटना गई थी। यहां वे खीरी मोड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत जीवन बीघा गांव में एक तिलक समारोह में डांस प्रोग्राम करने गई थीं। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद शनिवार की सुबह दूल्हा सिंटू कुमार खुद दोनों नर्तकियों को बाइक से वापस गड़हनी छोड़ने के लिए निकला। इसी दौरान अरवल-सहार सोन नदी पुल पर अचानक बाइक चला रहे युवक को नींद की झपकी आ गई, जिससे बाइक अनियंत्रित हो गई और रेलिंग से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पीछे बैठी दोनों युवतियां उछलकर सीधे नदी में जा गिरीं, जबकि चालक पुल पर ही गिर पड़ा। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

इलाज कर दोनों को घर भेजा: स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत नदी में उतरकर दोनों युवतियों को बाहर निकाला और प्राथमिक सहायता दी। घटना की सूचना मिलते ही सहार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहार भेजा गया। डॉक्टरों के अनुसार, सभी को मामूली चोटें आई थीं, जिनका इलाज कर उन्हें घर भेज दिया गया।

गैस लीकेज से घर में लगी आग

♦ पति-पत्नी झुलसे, महिला की हालत नाजुक, खाना बनाने के दौरान हुआ हादसा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। भोजपुर में गैस लीकेज से घर में आग लग गई। आग की चपेट में आने से पति-पत्नी झुलस गए। इलाज के लिए सदर अस्पताल में एडमिट कराया गया है। घटना अगिआंव बाजार थाना क्षेत्र के डोमन डीहरा गांव की है। घायलों की पहचान जानकारी के लक्ष्मण सिंह(57) और उनकी पत्नी पुष्पा कुमारी(37) के तौर पर हुई है। लक्ष्मण सिंह सरकारी शिक्षक है। वर्तमान में गड़हनी प्रखंड के असलान रामपुर स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय में कार्यरत हैं।

लाइटर जलाते ही लगी आग: पीड़ित ने बताया कि पत्नी खाना बनाने के लिए गैस चूल्हा जला रही थी। सिलेंडर लिक कर रहा था। इसका पता नहीं चला। जैसे ही उन्होंने लाइटर जलाई, अचानक आग लग गई। आग की चपेट में आने से हाथ, पैर और चेहरा जल गया। बचाने के चक्कर में मैं भी चपेट में आ गया। शोर मचाने पर परिवार के लोग पहुंचे। जिसके बाद दोनों को अस्पताल लाया गया। ऑन ड्यूटी चिकित्सक ने बताया कि पत्नी की हालत नाजुक बनी हुई है। सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में प्राथमिक उपचार कर दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

वीर कुंवर सिंह की प्रतिमा को लेकर विवाद

आरा। 1857 के स्वतंत्रता सेनानी वीर कुंवर सिंह के विजय उत्सव समारोह, 23 अप्रैल को कुंवर सिंह पार्क, आरा में क्षत्रिय कल्याण संगठन बिहार के पदाधिकारियों ने माल्यार्पण किया। कार्यक्रम में संगठन के कार्यालय प्रभारी जितेंद्र सिंह भटौली सहित कई सदस्य मौजूद रहे। सभी ने माल्यार्पण कर कुंवर सिंह अमर रहें के नारों से माहौल गुंजायमान कर दिया। जहां वीर कुंवर सिंह को घोड़े की बजाय घोड़ी पर सवार दर्शाया गया है। इसे लेकर संगठन ने आपत्ति जताई और कहा कि इतिहास में घोड़ी पर सवारी का कोई उल्लेख नहीं मिलता, ऐसे में यह प्रतिमा उनके सम्मान के विपरीत है। संगठन के सदस्यों ने इस मुद्दे पर चर्चा करते हुए भोजपुर प्रशासन से मामले में संज्ञान लेने और आवश्यक सुधार करने की मांग की।

दिनकर की पुण्यतिथि पर गूंजे ओज और क्रांति के स्वर, काव्य-सह-विचार गोष्ठी आयोजित

आरा। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की पुण्यतिथि के अवसर पर वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय तथा विभिन्न साहित्यिक संगठनों की ओर से शहर में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान काव्य-सह-विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने दिनकर के काव्य को सामाजिक चेतना और लोकतंत्र का सशक्त आधार बताया। वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर हिंदी विभाग में आयोजित गोष्ठी की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. वज्रांग प्रताप केसरी ने की। उन्होंने कहा कि दिनकर एक इंद्रधनुषी व्यक्तित्व के कवि थे और उनकी काव्य पंक्तियाँ आज भी लोकतंत्र की सबसे बड़ी रक्षक हैं। उन्होंने किसानों और मजदूरों की पीड़ा को अपनी रचनाओं में प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त किया। गोष्ठी में डॉ. मुकेश कुमार राम ने दिनकर को वर्ण व्यवस्था के प्रखर आलोचक के रूप में प्रस्तुत किया, वहीं डॉ. ट्विंकल केसरी ने उन्हें "आज का कवि" बताते हुए उनकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। शोधार्थी प्रीतम कुमार सिंह ने दिनकर के वैश्विक प्रभाव की चर्चा की, जबकि कंचन कुमारी ने उनकी प्रमुख कृतियों का विस्तार से परिचय दिया। इस दौरान नीलम ने दिनकर की कविताओं का ओजपूर्ण पाठ किया, जबकि विद्यार्थियों अमन, सृष्टि और बंटी ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन नीलाम्बुज सरोज और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. कुंदन प्रसाद ने किया। अंत में विभागाध्यक्ष द्वारा विद्यार्थियों को कलम भेंट कर प्रोत्साहित किया गया।लोक चेतना मंच के तत्वावधान में आयोजित एक अन्य कार्यक्रम में वक्ताओं ने दिनकर को सामाजिक एवं राष्ट्रीय चेतना का कवि बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. बलिराज ठाकुर ने कहा कि दिनकर का काव्य जागरण और क्रांति का उद्घोष है, जिसने आर्थिक और राजनीतिक शोषण के विरुद्ध आवाज बुलंद की। उन्होंने कहा कि दिनकर राजनीति में नैतिकता के पतन और सामाजिक कुरीतियों को लेकर चिंतित थे। कवि समीक्षक जितेंद्र कुमार ने दिनकर को ओज और पौरुष का कवि बताते हुए उनकी ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त कृति 'उर्वशी' को कालजयी बताया। डॉ. दिवाकर पांडेय ने उन्हें दहकते अंगारों पर इंद्रधनुषी काव्य रचने वाला कवि बताया।

महिला आरक्षण बिल लागू करने की मांग को लेकर मार्च

आरा। महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) को तत्काल लागू करने की मांग को लेकर शुक्रवार को ऐपवा और भाकपा-माले के कार्यकर्ताओं ने पूर्वी गुमटी से रेलवे स्टेशन तक मार्च निकाला। नारेबाजी करते हुए निकले इस मार्च के रेलवे स्टेशन परिसर पहुंचने पर सभा में तब्दील हो गया। सभा का संचालन रौशन कुशवाहा ने किया। ऐपवा नेत्री संगीता सिंह ने कहा कि सरकार महिला आरक्षण को जनगणना और परिसीमन से जोड़कर लागू करने में देरी कर रही है, जो एक चुनावी चाल है। उन्होंने मांग की कि मौजूदा 543 सीटों पर ही 33 प्रतिशत आरक्षण तत्काल लागू किया जाए। भाकपा-माले राज्य कमिटी सदस्य क्यामुदीन अंसारी ने कहा कि 2023 में बिल सर्वसम्मति से पास होने के बावजूद इसे अब तक लागू नहीं किया गया है। जिला सचिव दिलराज प्रीतम ने आरोप लगाया कि सरकार इसे परिसीमन से जोड़कर 2029 या उससे आगे तक टालना चाहती है। वक्ताओं ने 33 प्रतिशत आरक्षण में ओबीसी महिलाओं के लिए उप-कोटा सुनिश्चित करने और जाति जनगणना के आंकड़े जल्द सार्वजनिक करने की भी मांग उठाई। मार्च का नेतृत्व नगर सचिव सुधीर सिंह ने किया। मौके पर बालमुकुंद चौधरी, कलावती देवी, अनिल वर्मा, सत्यदेव कुमार, किरण प्रसाद समेत दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

आंबेडकर आवासीय विद्यालयों में नामांकन प्रक्रिया शुरू

आरा। बिहार सरकार के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित डॉ. भीमराव अंबेडकर आवासीय विद्यालयों में सत्र, 2026-28 के लिए वर्ग-11 में नामांकन के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। विभाग की ओर से जारी सूचना के अनुसार राज्यभर के पात्र छात्र-छात्राएं निर्धारित तिथियों के भीतर आवेदन कर सकते हैं। जारी दिशा-निर्देशों के मुताबिक, वर्ग-10 के बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) अथवा आईसीएसई बोर्ड के अंक के आधार पर छात्रों का चयन किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित प्रपत्र के माध्यम से जिला कल्याण कार्यालय या विभागीय वेबसाइट के जरिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जिला कल्याण पदाधिकारी नवीन कुमार ने बताया कि आवेदन पत्र आमंत्रण की तिथि 8 अप्रैल 2026 से 27 अप्रैल 2026 तक निर्धारित की गई है। नामांकन सूची एवं प्रतीक्षा सूची का प्रकाशन 11 मई 2026 को किया जाएगा। चयनित छात्रों का नामांकन 15 मई से 25 मई 2026 के बीच होगा, जबकि कक्षाएं 15 जून 2026 से प्रारंभ होने की संभावना है। विभाग द्वारा जारी सूचना में बताया गया है कि इन आवासीय विद्यालयों में छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी कराई जाती है। विज्ञान, वाणिज्य एवं कला संकाय की पढ़ाई की सुविधा उपलब्ध है। छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों को विद्यालयों की सूची और अन्य विस्तृत जानकारी विभागीय वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त करने की सलाह दी गई है। सरकार का उद्देश्य इन विद्यालयों के जरिए वंचित वर्ग के छात्रों को बेहतर शिक्षा प्रदान कर उनके भविष्य को सशक्त बनाना है।

रितेश हत्याकांड में एक आरोपी गिरफ्तार

आरा। भोजपुर पुलिस ने पूर्व मुखिया प्रेमा देवी के दिव्यांग पुत्र रितेश सिंह उर्फ भुअर सिंह की हत्या मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान लहरपा निवासी हीरा लाल यादव के रूप में हुई है। हत्या की साजिश में शामिल होने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, इस कांड में पहले ही मुख्य आरोपी मकरध्वज यादव उर्फ रणवीर यादव और मनीष कुमार को 12 अप्रैल को गिरफ्तार किया जा चुका है। झारखंड के सरायकेला से गिरफ्तारी हुई थी। निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल एक देसी पिस्टल और दो कारतूस भी बरामद किए गए थे। घटना गड़हनी थाना क्षेत्र के बनकट नहर मार्ग की है।

अपराधियों ने मारी थी 6 गोली: यह सनसनीखेज वारदात 4 अप्रैल की सुबह हुई थी, जब अपराधियों ने रितेश सिंह पर ताबड़तोड़ छह गोलियां चलाकर उसकी हत्या कर दी थी। मृतक की पत्नी श्वेता सिंह के बयान पर दर्ज प्राथमिकी में कुल 11 लोगों को नामजद किया गया है, जिनमें नौ पर गोली मारने और दो पर साजिश रचने का आरोप लगाया गया है। प्राथमिकी के अनुसार, लहरपा गांव निवासी जितेंद्र यादव, मकरध्वज उर्फ रणवीर यादव, अंकित यादव, अमन महतो, नागेंद्र उर्फ छोटू यादव, संजय यादव, अजय यादव और मुखिया पुत्र आनंद राज समेत नौ लोगों पर हत्या में शामिल होने का आरोप है। वहीं, हीरा लाल यादव और सुरेंद्र राय को साजिशकर्ता के रूप में नामित किया गया है।

मलेरिया से बचाव के लिए छात्रों को दी जानकारी

आरा। जिले में आज 25 अप्रैल को विश्व मलेरिया दिवस मनाया जाएगा। इस वर्ष ड्रिवेन टू एंड मलेरिया नाउ वी कैन, नाउ वी मस्ट थीम के तहत मलेरिया उन्मूलन को लेकर विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को जिले के विभिन्न आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के सीएचओ और पीएसपी सदस्यों द्वारा स्कूलों में विद्यार्थियों के बीच जागरूकता कार्यक्रम चलाये गए। आरा सदर प्रखंड के मध्य विद्यालय पैठानपुर, कोईलवर के रामानंद उच्च विद्यालय बीरमपुर, संदेश प्रखंड के उत्क्रमित उच्च विद्यालय नसरतपुर तथा शाहपुर के मध्य विद्यालय बिलौटी में छात्र-छात्राओं को मलेरिया के प्रति जागरूक किया गया।

25 चालकों से 57 हजार वसूला

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

कोईलवर। सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन को लेकर शुक्रवार को कोईलवर चौक पर यातायात पुलिस ने सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। यह अभियान पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाया गया, जिसमें नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्ती दिखाई गई। चेकिंग के दौरान बड़ी संख्या में दोपहिया वाहनों को रोका गया और उनके कागजात की जांच की गई। खास तौर पर हेलमेट, ड्राइविंग लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन और इंश्योरेंस जैसे जरूरी दस्तावेज देखे गए। जो लोग बिना हेलमेट या अधूरे कागजात के साथ पाए गए, उनसे मौके पर ही जुर्माना वसूला गया। इस अभियान में करीब 25 दोपहिया वाहन चालकों से 57 हजार का जुर्माना वसूला गया। अभियान का नेतृत्व यातायात शाखा की एसआई प्रियंका कुमारी ने किया। मौके पर नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी मो. सहाब याहिया भी मौजूद रहे और अभियान की निगरानी की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस तरह का अभियान आगे भी लगातार चलाया जाएगा, ताकि लोग यातायात नियमों का पालन करें और सड़क हादसों को रोका जा सके। यातायात पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे बिना हेलमेट वाहन न चलाएं, सभी जरूरी कागजात साथ रखें और नियमों का पालन करें।

योग शिविर में शिविर में स्वास्थ्य, अनुशासन और दैनिक दिनचर्या में योग अपनाने पर दिया गया जोर

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। योग योग शिविर में योगाचार्य अवध नारायण चौबे (राज्य सह प्रभारी, पतंजलि योग समिति बिहार दक्षिणी) ने विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास कराया। उन्होंने कहा कि नियमित योग करने से शरीर स्वस्थ रहता है और मानसिक तनाव भी कम होता है। उन्होंने छात्राओं को रोजाना योग को दिनचर्या में शामिल करने की सलाह दी। कार्यक्रम में कृष्णा देवी (महिला पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी) ने महिलाओं और छात्राओं के लिए योग के महत्व पर प्रकाश डाला, जबकि श्याम सुंदर (प्रखंड प्रभारी, आरा) ने भी योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक ज्ञानचंद और प्रिंसिपल माया गुप्ता भी उपस्थित रहीं। उन्होंने छात्राओं को योग अपनाने के लिए प्रेरित किया और ऐसे कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित करने की आवश्यकता बताई। शिविर में छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी करते हुए योगासन सीखे और स्वस्थ जीवन का संकल्प लिया। 500 छात्राओं ने लिया लाभ इस योग शिविर में लगभग 500 छात्राओं के साथ-साथ विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास किया और इसके लाभों को समझा। बच्चों में योग के प्रति विशेष उत्सुकता देखने को मिली। योग, प्राणायाम और जीवनशैली की सीख शिविर के दौरान बच्चों को विभिन्न योगासन, व्यायाम और प्राणायाम सिखाए गए। साथ ही उन्हें दैनिक दिनचर्या, संतुलित खान-पान, पढ़ाई में मन लगाने के तरीके, पढ़ाई के दौरान थकान होने पर क्या करें, तथा लंबाई बढ़ाने वाले आसनों की भी जानकारी दी गई। योगाचार्यों ने सरल भाषा में स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन के महत्व को समझाया। बच्चों में दिखा उत्साह योग सत्र के दौरान छात्राओं ने पूरे उत्साह और ऊर्जा के साथ भाग लिया। कई छात्राओं ने बताया कि उन्हें ऐसी महत्वपूर्ण जानकारी पहली बार मिली है। उन्होंने योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने की इच्छा भी जताई और कार्यक्रम की सराहना की। हर शनिवार होगा नियमित योग कार्यक्रम के अंत में यह निर्णय लिया गया कि विद्यालय में प्रत्येक शनिवार को नियमित रूप से योग कक्षाएं आयोजित की जाएंगी, ताकि छात्र-छात्राएं निरंतर इसका लाभ उठा सकें।

जिला परिषद का अनिश्चितकालीन धरना जारी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। बक्सर में जिला परिषद सदस्यों द्वारा शुरू किया गया अनिश्चितकालीन धरना शनिवार को भी जारी रहा। इस धरने की अध्यक्षता जिला परिषद सदस्य राजू यादव ने की, जबकि संचालन केदार यादव द्वारा किया गया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और आम लोगों के समर्थन से आंदोलन का दायरा बढ़ रहा है। शनिवार को पूर्व विधायक अजीत कुशवाहा ने धरना स्थल पर पहुंचकर अपना समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि यह धरना बिहार की पंचायती व्यवस्था की वास्तविक स्थिति को दर्शाता है। कुशवाहा ने बताया कि कागजों पर 73वें संविधान संशोधन और बिहार पंचायती राज अधिनियम 2006 के तहत जिला परिषद को जिला स्तर की सर्वोच्च इकाई माना गया है, लेकिन व्यवहार में इसकी स्थिति कमजोर कर दी गई है।

जिला परिषद को केवल 'रबर स्टांप' बनाकर रख दिया गया: पूर्व विधायक ने आरोप लगाया कि जिला परिषद को केवल 'रबर स्टांप' बनाकर रख दिया गया है। उन्होंने बताया कि बैठकों में ग्रामीण सड़कों, नाली, सामुदायिक भवन और सिंचाई से जुड़ी योजनाएं पारित तो हो जाती हैं, लेकिन महीनों तक उनका क्रियान्वयन नहीं होता। प्रशासन 'तकनीकी स्वीकृति लंबित' या 'फंड की कमी' जैसे कारण बताकर इन मामलों को टाल देता है। कुशवाहा ने सवाल किया कि जब जिला परिषद के निर्णयों का क्रियान्वयन ही नहीं होगा, तो पंचायत चुनाव का औचित्य क्या है। अजीत कुशवाहा ने यह भी कहा कि वर्तमान व्यवस्था में उप विकास आयुक्त (डीडीसी) के पास अत्यधिक शक्तियां केंद्रित हैं। फंड का नियंत्रण, योजनाओं की स्वीकृति और निर्णयों को रोकने का अधिकार एक अधिकारी के पास होने से जनप्रतिनिधियों की भूमिका कमजोर होती है, जिससे लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

जिला परिषद की लगभग 80 करोड़ रुपये की राशि खर्च नहीं हो पाई: धरने में जिला परिषद सदस्य पूजा देवी, बेबी देवी, सुनैना देवी, गायत्री देवी, धर्मेंद्र कुमार ठाकुर, मनोज कुशवाहा, विजेंद्र पाल, अशोक यादव, दीपक यादव, नीरज यादव और विश्वा यादव सहित सैकड़ों सामाजिक कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि शामिल थे। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि अफसरशाही और प्रशासनिक उदासीनता के कारण बक्सर जिला परिषद की लगभग 80 करोड़ रुपये की राशि खर्च नहीं हो पाई है। धरना के दौरान अस्पतालों की बदहाल स्थिति, शिक्षा व्यवस्था में गिरावट, जलजमाव, सिंचाई संकट, कल्याणकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार, आवास, पेंशन और राशन वितरण में अनियमितता जैसे कई गंभीर मुद्दे उठाए गए। साथ ही कृषि आपदा से प्रभावित किसानों को मुआवजा नहीं मिलने पर भी नाराजगी जताई गई।

नकली पुलिस बनकर अपराधियों ने जदयू नेता पर पिस्टल भिड़ाया

आरा। नकली पुलिस बनकर अपराधियों ने जदयू के वरिष्ठ नेता विश्वनाथ प्रताप सिंह पर पिस्टल भिड़ा दिया। उनके भतीजा और चंदन कुमार और सहयोगी मुन्ना राम के अपहरण कर स्कॉर्पियो गाड़ी में ले जाने का प्रयास किया। दोनों के साथ मारपीट किया। जदयू नेता के पूछने पर उन लोगों ने कहा कि हम लोग एक्साइज विभाग के पुलिस हैं। इस दौरान जदयू नेता ने कहा कि हम पुलिस अधीक्षक और पुलिस को सूचना दिए हैं। तब तक आपलोग रुकिए। इस बात को लेकर जदयू नेता और अपराधियों के बीच बहस हुई। इस बीच लोग घटना स्थल पर जुटने लगे, अपराधी भाग गये। इस बारे में विश्वनाथ ने टाउन थाना को आवेदन देकर एफआईआर किया है। अधीक्षक को भी सूचित किया है।पीड़ित विश्वनाथ प्रताप सिंह ने टाउन थाना में दिए आवेदन में बताया कि 23 अप्रैल की रात करीब 12:30 बजे वे पीपरपांती और परशुरामपुर से कार्यक्रम में शामिल होकर अपनी बोलेरो से आरा लौट रहे थे। सिंगही-पैगा मोड़ के पास एक उजले रंग की स्कॉर्पियो ने उनकी गाड़ी ओवरटेक कर रोक लिया। उसमें सवार एक व्यक्ति ने पिस्टल निकालकर उन पर तान दी और खुद को एक्साइज विभाग का पुलिसकर्मी बताया। उन्होंने बताया कि सभी आरोपी हाफ पैंट और टी-शर्ट में थे तथा सिर पर पगड़ी बांधे हुए थे। बातचीत से लगा कि वे नशे में थे। आरोपियों ने गाड़ी की तलाशी ली और जेब से 2300 रुपये जबरन निकाल लिए। इसके बाद उन्होंने भतीजे चंदन कुमार और सहयोगी मुन्ना राम को जबरन स्कॉर्पियो में बैठाने का प्रयास किया और उनके साथ मारपीट की। विरोध करने पर बदमाशों ने जान से मारने की धमकी दी और कहा कि "गोली से छलनी कर देंगे।" शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग जुटने लगे तो सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने घटना की सूचना पुलिस अधीक्षक को भी दी है और राजनीतिक साजिश की आशंका जताई है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 में भी उन पर जानलेवा हमला हो चुका है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

15 दिनों में कार्य पूरा करने का मिला सभी को अल्टीमेटम

आरा। भोजपुर जिले के सरकारी विद्यालयों में पोषण वाटिका निर्माण योजना की प्रगति संतोषजनक नहीं रहने पर शिक्षा विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। जिले के कुल 565 विद्यालयों में पोषण वाटिका विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।लेकिन अब तक 165 विद्यालयों में यह कार्य शुरू नहीं हो सका है या अधूरा पड़ा हुआ है। इस लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) ने संबंधित विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों को 15 दिनों के भीतर हर हाल में पोषण वाटिका तैयार करने का अल्टीमेटम दिया है। जिला शिक्षा पदाधिकारी डॉ मानवेंद्र कुमार राय ने स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा है कि पोषण वाटिका निर्माण सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं में शामिल है और इसमें किसी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों को भी निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के विद्यालयों की नियमित मॉनिटरिंग करें और कार्य की प्रगति की रिपोर्ट प्रतिदिन उपलब्ध कराएं। साथ ही, जहां कार्य लंबित है, वहां तुरंत आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराकर कार्य को गति देने का निर्देश दिया गया है। पोषण वाटिका योजना का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों को ताजे, हरे और पौष्टिक फल-सब्जियां उपलब्ध कराना है। इसके तहत विद्यालय परिसर में खाली पड़ी जमीन का उपयोग कर सब्जियों और फलदार पौधों की खेती की जाती है। शिक्षा विभाग के अनुसार कई विद्यालयों ने इस दिशा में सराहनीय कार्य किया है और वहां पोषण वाटिका के माध्यम से बच्चों को ताजी सब्जियां उपलब्ध कराई जा रही हैं। हालांकि, 165 विद्यालयों में कार्य लंबित रहना विभाग के लिए चिंता का विषय बना हुआ है।

भामाशाह जयंती को लेकर तैयारी तेज

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। भामाशाह जयंती पर 29 अप्रैल को पटना के रविंद्र भवन में आयोजित कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए भाजपा वाणिज्य प्रकोष्ठ की बैठक हुई। जिला संयोजक संजीव गुप्ता के नेतृत्व में नवादा चौक के मालती उत्सव पैलेस में कार्यक्रम कर लोगों को अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने को कहा गया। बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गा राज, प्रदेश वाणिज्य प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. प्रो. जगरनाथ गुप्ता, सह संयोजक अजय गुप्ता, सुशील कुमार सिंह सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। भोजपुर इकाई के शंभूनाथ प्रसाद, गोपाल प्रसाद, पंकज प्रभाकर, के. अग्रवाल, मनोज कुमार निराला, राहुल चौरसिया समेत कई कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। महिला प्रकोष्ठ से ममता सिंह, अनीता मिश्रा, सीमा व अनुपमा सिंह सहित कई सदस्य उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में आए अतिथियों ने अपने विचार रखे और भामाशाह जयंती के महत्व को बताया। इस दौरान संजीव गुप्ता ने सभी को निमंत्रण कार्ड वितरित करते हुए कहा कि भोजपुरवासी अधिक से अधिक संख्या में पटना पहुंचकर कार्यक्रम में शामिल हों और भामाशाह की प्रतिमा अनावरण के ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बनें।

चार दिन बाद लापता किसान का शव मिला

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। भोजपुर में चार दिन से लापता किसान का शव आहार में मिला है। गले में धोती बंधा हुआ था, जबकि आधा शरीर आहार में लटका था। मृतक सकल सिंह पवना के भगवानपुर गांव के रहने वाले थे। घटना संदेश थाना क्षेत्र के कोरी गांव की है।

बेटी के घर घूमने गए थे: मृतक के बेटे संटू कुमार ने बताया कि 20 अप्रैल को अपनी बेटी विजांती के ससुराल घूमने गए थे। 21 अप्रैल की सुबह 11 बजे वहां से निकले थे, लेकिन वापस घर नहीं लौटे। दिमाग से भी थोड़ा डिस्टर्ब थे। काफी खोजबीन के बाद भी कुछ पता नहीं चला। शुक्रवार की सुबह कोरी बधार की ओर से ग्रामीण गुजर रहे थे तो शव देखा। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। आधार कार्ड से पहचान हुई। सूचना मिलने पर परिवार के सदस्य भी मौके पर पहुंचे। शव डीकंपोज हो जाने के कारण पोस्टमार्टम के लिए पटना भेजा गया है।गांव में किसी से भी दुश्मनी नहीं था, पता नहीं क्या हुआ। ये पुलिस जांच का विषय है।

घर में मचा कोहराम: मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो पा रहा है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। मृतक के परिवार में पत्नी निरमा देवी, चार पुत्री रमांती, विजांती, रिंकू, रेणु और दो पुत्र संटू कुमार, नीतीश कुमार है।